हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

अख़बार भी, आन्दोलन भी

mukhyadhara.daily@gmail.com | +91 8873 319 159

RNI : JHAHIN/2014/54374

बोकारो, मंगलवार

10.12.2024

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 11, अंक : 304

www.rashtriyamukhyadhara.com

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

दुनिया के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत में कारोबारी माहौल से कारोबारी विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते भारत ने जो विकास किया है वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री राजस्थान के जयपुर में जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट- 2024 और राजस्थान वैश्विक व्यापार एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपने कुशल कार्यबल और विस्तारित बाजार के कारण निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले एक दशक में ही भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था और निर्यात लगभग दोगुना हो गया है।

2014 से पहले के दशक की तुलना में पिछले दशक में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी दो गुना से अधिक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत का बुनियादी ढांचा व्यय लगभग 2 ट्रिलियन रुपये से बढ़कर 11 ट्रिलियन रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डेटा और डिलीवरी की असली ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता और सशक्तिकरण अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आने वाले कई वर्षों में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होगा और भारत में युवाओं की सबसे बड़ी संख्या के साथ-साथ सबसे बड़ा कुशल युवा समूह भी होगा। आज की दुनिया में हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डेटा के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि यह सदी तकनीक-संचालित और डेटा-संचालित है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और डेटा की अपनी वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। मोदी ने कहा, "भारत ने दिखाया है कि कैसे डिजिटल तकनीक का लोकतंत्रीकरण हर क्षेत्र और समुदाय को लाभान्वित कर रहा है"। यूपीआई, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम), ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीवीसी) जैसी भारत की विभिन्न डिजिटल पहलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कई प्लेटफॉर्म हैं जो डिजिटल इकोसिस्टम की शक्ति को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि इनका व्यापक प्रभाव राजस्थान में भी स्पष्ट होगा। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न तो देश का विकास था और न ही देश की विरासत और इसका खामियाजा राजस्थान को भुगतना पड़ा।

पीएम ने एलआईसी बीमा सखी योजना का किया शुभारंभ कहा- पानीपत नारीशक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के पानीपत में एलआईसी बीमा सखी योजना के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के एक दशक बाद इसी से बहनों-बेटियों के लिए 'बीमा सखी योजना' का प्रारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारा पानीपत नारीशक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने बीते 10 वर्षों में नारी सशक्तीकरण के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत 2047 तक विकसित होने के संकल्प के साथ चल रहा है। उन्होंने कहा कि नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। मोदी ने कहा, "आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है, शास्त्रों में 9 अंक को बहुत शुभ माना जाता है। 9 अंक नवदुर्गा की नव शक्तियों से जुड़ा है। 9 दिसंबर को ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। ऐसे समय में जब देश संविधान की 75वीं वर्षगांठ का महोत्सव मना रहा है, 9 दिसंबर की ये तारीख हमें समानता और विकास को सर्वस्पर्शी बनाने की प्रेरणा देती है। कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव चल रहा है। मैं गीता की धरती को नमन करता हूं। हरियाणा ने जिस तरह से 'एक है तो सुरक्षित है' के मंत्र को अपनाया है, वह पूरे देश के लिए एक मिसाल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक हमारे देश में ऐसे अनेक काम थे, जो महिलाओं के लिए वर्जित थे। भाजपा की हमारी सरकार ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने की ठानी है।

रूस में भारत को मिला समुद्र का नया प्रहरी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तुशील'

- कमीशनिंग समारोह में राजनाथ सिंह भारतीय नौसेना प्रमुख के साथ शामिल हुए- यात्रा में उठेगा एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति में देरी का मुद्दा

एजेंसी। नई दिल्ली

रूस के कलिनिनग्राद में सोमवार को भारतीय नौसेना को समुद्र का नया प्रहरी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तुशील' मिल गया। कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी के साथ शामिल हुए। आईएनएस तुशील भारत के पश्चिमी समुद्री बेड़े के 'स्वॉर्ड आर्म' का हिस्सा होगा और दुनिया में सबसे अधिक तकनीकी रूप से उन्नत फ्रिगेट में शुमार हो जाएगा। यह न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती समुद्री क्षमताओं का प्रतीक है, बल्कि भारत-रूस साझेदारी का प्रमाण भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय रूस यात्रा पर मॉस्को गए हैं, जहां भारतीय राजदूत विनय कुमार और रूसी उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया। यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे। वह अपने रूसी समकक्ष रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ 10 दिसंबर को रक्षा सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर भारत-रूस अंतर-सरकारी सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) बैठक की सह अध्यक्षता करेंगे। बैठक में भारत और रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग और औद्योगिक साझेदारी सहित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। वह भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे। नौसेना के मुताबिक आईएनएस तुशील परियोजना के लिए मास्को स्थित भारतीय दूतावास के तत्वावधान में अक्टूबर, 2016 में जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट, भारतीय नौसेना और भारत सरकार के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसी परियोजना के छह जहाज पहले से ही भारतीय नौसेना की सेवा में हैं। इनमें से तलवार श्रेणी के तीन जहाज़ों का निर्माण सेंट पीटर्सबर्ग के बाल्टिस्की शिपयार्ड में हुआ है, जबकि तीन अनुवर्ती टेग श्रेणी के जहाज कलिनिनग्राद के यंतर शिपयार्ड में निर्मित हैं। आईएनएस तुशील इस श्रृंखला का सातवां जहाज है, जिसके लिए कलिनिनग्राद में तैनात युद्धपोत निगरानी दल के विशेषज्ञों की एक भारतीय टीम ने जहाज के निर्माण की बारीकी से निगरानी की है। यह युद्धपोत निर्माण के बाद इस साल जनवरी से शुरू हुए कई व्यापक परीक्षणों से गुज़रा है, जिसमें फ़ैक्टरी सी ट्रायल, स्टेट कमेटी ट्रायल और अंत में भारतीय विशेषज्ञों की एक टीम के डिलीवरी स्वीकृति परीक्षण शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दी सोनियां गांधी को जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी का जन्मदिन है इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनसे मुलाकात कर शुभकामनाएं दी हैं। सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, सोनिया गाँधी को आज यानी सोमवार को उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों की सच्ची हिमायती, विपरीत परिस्थितियों में भी अत्यंत शालीनता, गरिमा, त्याग और साहस का परिचय देने वाली, सोनिया गाँधी के योगदान ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुबह कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने उनके दीर्घायु होने की कामना की।प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा, ''सोनिया गांधी जी के जन्मदिन पर मैं उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं।'' उल्लेखनीय है कि सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस ससंदीय दल की अध्यक्ष हैं। वो आज 78 साल की हो गईं।

यूथ कांग्रेस ने 'यंग इंडिया के बोल' अभियान का पांचवां चरण शुरू किया

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने सोमवार को यहां अपने "यंग इंडिया के बोल" अभियान के 5वें चरण का शुभारम्भ किया। यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने "यंग इंडिया के बोल-सीज़न 5" का आगाज़ करते हुए पोस्टर लॉन्च किया। इस मौके पर चिब ने कहा कि संगठन की ओर से एक अभियान शुरू किया गया है, जिसका नाम "नौकरी दो, नशा नहीं" है। इस अभियान का उद्देश्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में देश के युवाओं के बीच जागरुकता बढ़ाना है। आज बेरोजगारी बहुत बढ़ चुकी है। नशाखोरी व्यापक स्तर पर बढ़ चुकी है। हजारों लाखों करोड़ का नशा हमारे देश के युवाओं के बीच खप रहा है। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार पर दोषारोपण करते हुए कहा कि देश के युवाओं का भविष्य संवारने की ओर उसका कोई ध्यान नहीं है। चिब ने कहा कि युवा की समस्याओं के प्रति सरकार को जगाने के लिए यूथ को इससे जोड़ेंगे। नशाखोरी और बेरोजगारी पर जो युवा सार्वजनिक तौर पर अपनी बात नहीं रख पाते हैं, वे "यंग इंडिया के बोल" से जुड़कर अपनी बात अच्छी तरह से इस प्लेटफार्म पर रख सकेंगे।

जॉर्ज सोरोस से सोनिया गांधी के संबंध पर संसद में हंगामा

कांग्रेस ने बीजेपी के आरोपों को बताया बेबुनियाद

एजेंसी। नई दिल्ली

बीजेपी ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप में कहा गया, सोनिया गांधी के संबंध फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशइया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) से हैं। अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से इस संगठन को पैसा मिलता है। यह संगठन एक अलग कश्मीर की वकालत करता है। इस पर सोमवार को संसद में जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी पर लगे आरोपों को लेकर सोमवार को संसद में जोरदार हंगामा हुआ। बीजेपी के आरोपों को विपक्षी सांसदों ने बेबुनियाद बताया। हंगामें को बढ़ता देख लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इससे पहले सुबह 11 बजे सदन में अध्यक्ष ओम बिरला के आसन पर आते ही विपक्षी सदस्य अपने स्थानों से उठ कर कुछ मुद्दे उठाने लगे, जो साफ सुनाई नहीं दिए। इस पर ओम बिरला ने पूछा कि क्या वे सदन नहीं चलने देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल में किसी विषय को नहीं उठाया जाता है। अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल सबसे अहम समय होता है। देश चाहता है कि सदन की कार्यवाही चले। आप सदन में गतिरोध पैदा कर रहे हैं। उन्होंने दोबारा कहा कि आप सदन नहीं चलाना चाहते हैं। इस पर विपक्षी सदस्य कुछ कहने लगे। उसके बाद ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि अगर कोई भी देश विरोधी तत्वों के साथ मिलकर काम करता है तो सभी पार्टियों को मिलकर उसका विरोध करना चाहिए।

लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध जारी, दोनों सदनों में नहीं हो पाया कामकाज

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार को पक्ष-विपक्ष की विभिन्न मुद्दों पर तकरार के चलते तीन बार स्थगित करनी पड़ी है। दोनों सदन थोड़े-थोड़े अंतराल पर ही पहले 12 बजे, फिर 2 बजे और फिर 3 बजे तक के लिए स्थगित किए गए। इसके बाद भी कार्यवाही नहीं चली और उसे दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी नेताओं को चेताया। उन्होंने पूछा कि क्या वे सदन नहीं चलने देना चाहते। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। 12 बजे भी कार्यवाही थोड़े अंतराल में ही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। 2 बजे लोकसभा में रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने रेलवे (संशोधन) विधेयक पर चर्चा का जवाब देना चाहा लेकिन हंगामें के चलते कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। तीन बजे फिर से सदन का कामकाज शुरू होने पर हंगामा रहा और पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया। उधर, राज्यसभा में भी कुछ ऐसी ही स्थिति रही। सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे और फिर 2 बजे तक स्थगित होने के बाद वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को राज्यसभा में विचार और पारित करने के लिए पेश किया। इसके बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर ऐसे संगठनों से जुड़े होने का आरोप लगाया, जिन्हें जॉर्ज सोरोस का समर्थन प्राप्त है। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन आरोपों का खंडन किया और सत्ता पक्ष पर ही आरोप लगाए।

भारत में डिजिटल क्रांति से सुगम हुआ है जीवनः कीर्ति वर्धन

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय विदेश, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व व सोच का प्रभाव है कि आज पूरी दुनिया भारत में हुए डिजिटल क्रांति की तारीफ कर रही है। मोदी सरकार द्वारा 01 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य डिजिटल सेवाओं, डिजिटल पहुंच, डिजिटल समावेशन और डिजिटल सशक्तीकरण को सुनिश्चित करके भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और डिजिटल रूप से सशक्त समाज में परिवर्तित करना था। आज अगर आप एक क्लिक से पैसा ट्रांसफर करने से लेकर तमाम जरूरी काम कर पाते हैं तो इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी की

व्यापक सोच है। केंद्रीय राज्य मंत्री सोमवार को जोरबाग स्थित पर्यावरण भवन में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा कनेक्टिविटी विषय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया ने 2047 में विकसित भारत की नींव रख दी है। पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने देश में डिजिटल क्रांति लाने और लोगों को डिजिटली काम करने के लिए प्रेरित किया है, जो अभूतपूर्व है। इसका सीधा सकारात्मक असर 140 करोड़ देशवासियों पर हो रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने भारत में डिजिटल क्रांति को लेकर विदेश में हो रही चर्चा व अनुभव से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जब वे विदेश में प्रवास पर होते हैं तो वहां की सरकार के प्रतिनिधि व जनमानस के मुंह से भारत की डिजिटल क्रांति की बात सुनकर बहुत अच्छा लगता है। यह सुखद है कि डिजिटल इंडिया को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के विजन ने पूरे देश को विश्व मानचित्र पर एक अलग पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जब डिजिटल इंडिया की शुरुआत हो रही थी, तब विपक्ष के मित्रों ने जमकर आलोचना की लेकिन वे सब गलत साबित हुए। देश में डिजिटल सेवाओं की वजह से भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगा है। यूपीआई, डिजी लॉकर, डिजी यात्रा, कोविन, आरोग्य सेतु, ई-संजीवनी, उमंग, जेम, दिक्षा, ई-हॉस्पिटल और ई-कोर्ट आदि ऐसे कई पहल करोड़ों जिंदगियों को छू रही हैं। उनके कार्यों को सरल व सुगम बना रहे हैं। देश में डिजिटल क्रांति का ही कमाल है कि अगर देश की राजधानी से 100 रुपये निकलते हैं तो वो 100 के 100 रुपये लाभार्थियों के पास पहुंचते हैं। गांवों में इंटरनेट की पहुंच हुई है। उन्होंने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का जिक्र करते हुए कहा कि डिजिटल माध्यम से यहां का कार्य काफी व्यवस्थित हुआ है। परिवेश पोर्टल से समस्याओं का समाधान शीघ्र हो रहा है। पहले एनवायरमेंट क्लीयरेंस के लिए काफी वक्त लगता था। अब परिवेश पोर्टल ने उसे काफी सुगम व पारदर्शी बना दिया है। देश में डिजिटल क्रांति की वजह से कार्यों में पहले की तुलना में काफी सुगमता आई है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गति पकड़ रही है।

दिल्ली के 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को ई-मेल भेजकर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इन स्कूलों में आरके पुरम का दिल्ली पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार का जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल प्रमुख हैं। सभी स्कूलों में स्थानीय पुलिस के अलावा डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दल और दमकल अधिकारी पहुंचे। खबर लिखे जाने तक तलाशी अभियान जारी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ई-मेल में लिखा है-"मैंने (स्कूल) इमारतों के अंदर कई बम लगाए हैं।

पंकज चौधरी ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 राज्यसभा में पेश किया

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को राज्यसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से विचार और पारित करने के लिए पेश किया। इस विधेयक को लोकसभा ने पिछले हफ्ते ही पारित कर दिया था। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को राज्यसभा में विचार और

पारित करने के लिए पेश किया है। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने, निवेशकों, ग्राहकों और उपभोक्ता सुविधा तथा सुरक्षा बढ़ाने संबंधी बैंकिंग संशोधन विधेयक में बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम चार नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पास होने से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मजबूत होगा। इससे नामांकन और निवेशकों की सुरक्षा के संबंध में उपभोक्ता और ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी। इस विधेयक के जरिए भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम-1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम-1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम-1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम-1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में बदलाव के लिए कुल 19 संशोधन प्रस्तावित हैं।

पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी, 2-3 डिग्री गिरा पारा

कुछ दिनों में शीतलहर और ठंड बढ़ने की संभावना

एजेंसी। शिमला

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सीजन की पहली बर्फबारी ने पहाड़ी इलाकों को सफेद चादर में लपेट दिया है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, औली, जोशीमठ और शिमला में कई स्थानों पर बर्फबारी ने पर्यटन स्थलों को सजा दिया है, बल्कि पर्यटकों के चेहरे भी खिल गए हैं। केदारनाथ में भारी बर्फबारी के चलते मंदिर और उसके आसपास के इलाके बर्फ से ढक गए हैं। बद्रीनाथ, चमोली और गंगोत्री में भी बर्फ की मोटी परत से नजारा अद्भुत नजर आ रहा है। इन स्थानों पर चले रहे निर्माण कार्य रोक दिए गए हैं। शिमला में भी सीजन की पहली बर्फ गिरी, जिससे तापमान में 2-3 डिग्री नीचे गिर गया। बर्फबारी के कारण गाड़ियां और सड़कों पर बर्फ जम गई, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को आकर्षण का नया अनुभव

मिला। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी से सर्द हवाएं चल रही हैं, जिससे निचले क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में शीतलहर और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। इस बर्फबारी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सैलानी इन स्थानों पर बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं और बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं। औली और चमोली जैसे स्थानों पर बर्फीले खेलों और प्राकृतिक दृश्यों का लुत्फ उठाने का भी मौका मिल रहा है। बर्फबारी से कुछ इलाकों में सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं और यातायात भी असर पड़ा है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से सतर्क रहने और सुरक्षित यात्रा करने की अपील की है। यह बर्फबारी प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाती है।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में पीएम मोदी और अडाणी का मुखौटा लगाए सांसदों से की बात और कसा तंज

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के 10वें दिन सोमवार को एक अजीब नजारा देखने को मिला है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में पीएम नरेंद्र मोदी और गौतम अडाणी का मुखौटा पहने सांसदों से बातचीत की। राहुल गांधी ने सांसद से पूछा कि आप क्या बोल रहे हो? इस पर अडाणी का मुखौटा पहने सांसद ने कहा कि कुछ भी चाहता हूं। एयरपोर्ट चाहिए। राहुल ने पूछा कि अगला क्या लेने की कोशिश कर रहे हो? अडाणी का मुखौटा लगाए विपक्षी सांसद ने कहा कि हमारा विजन साफ है। बगल में खड़े एक अन्य सांसद ने कहा कि भैया, ये पार्लियामेंट को छोड़ देना। राहुल ने पूछा कि आप अपने रिश्ते के बारे में बताइए। मुखौटा पहने सांसदों ने कहा कि हम दोनों सब मिलकर काम करने वाले है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

झारखंड विधानसभा सत्रः सदन में 80 विधायकों ने ली शपथ, कार्यवाही 10 दिसंबर पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित

रांची। षष्ठम झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को दिन के 11 बजकर 15 मिनट में सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने ने 80 नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाई गयी। इसके बाद नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। स्टीफन मरांडी मंगलवार को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार को दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। स्टीफन मरांडी ने सबसे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री और बरहेट विधायक हेमंत सोरेन को शपथ दिलायी। इसके बाद राधाकृष्ण किशोर, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजूल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार सोनू, शिल्पी नेहा तिर्की, राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन, बोरियो विधायक धनजंय सोरेन, लिट्टिपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, पाकुड

विधायक निसात आलम, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन, नाला विधायक रविंद्र नाथ महतो, दुमका विधायक बसंत सोरेन सहित 80 विधायकों ने झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। हेमलाल मुर्मू ने संताली, एमटी राजा ने उर्दू, जयराम महतो ने कुरमाली, अरूप चटर्जी ने बांग्ला और ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथ ली। इसके अलावा चंपाई सोरेन, मथुरा महतो सहित कई विधायकों ने भी स्थानीय भाषा में शपथ ली। कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल और श्वेता सिंह ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ली। जबकि पूर्णिमा साहू ने दोनों हाथ जोड़कर झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। इस बार सदन में 21 नये चेहर दिखे, जो पहली बार विधायक बने हैं। सदन में पहली बार पहुंचने वाले विधायकों में रौशन लाल चौधरी, शुत्रध्न महतो, प्रदीप प्रसाद, मंजू कुमारी, कुमार उज्जवल, रागिनी सिंह, रामसूर्या मुंडा, मो ताजउद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया, धनंजय सोरेन, श्वेता सिंह, सुरेश बैठा, निशत आलम, नरेश प्रसाद सिंह, चंद्रदेव महतो, निर्मल महतो, जयराम महतो और पूर्णिमा साहू शामिल हैं। वहीं, 18 ऐसे सदस्य हैं, जो पहले विधायक रह चुके हैं। इसमें सबसे अधिक आठ भाजपा के हैं जबकि छह झामुमो, तीन कांग्रेस के हैं। राजद, माले, आजसू एवं जेएलकेएम के एक-एक विधायक शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और सीपी सिंह लगातार सातवीं बार तो प्रदीप यादव लगातार छठी बार विधानसभा पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया। सदन पहुंचने वाले विधायकों में दस ऐसे विधायक शामिल हैं, जिन्होंने जीत की हैट्रिक लगायी है। इनमें स्टीफन मरांडी, इरफान अंसारी, डॉ नीरा यादव, राज सिन्हा, सरयू राय, विकास सिंह मुंडा, आलोक कुमार चौरसिया, रवींद्रनाथ महतो, निरल पूर्ति व दशरथ गगराई शामिल हैं। पिछले विधानसभा के 42 विधायक फिर से विधानसभा पहुंचे हैं। स्टीफन मरांडी सबसे सीनियर विधायक हैं, जो नौ बार जीत हासिल कर चुके हैं। सबसे पहले उन्होंने 1980 में जीत हासिल की थी। चार विधायकों ने चौथी बार जीत हासिल की। जीत का चौका लगाने वालों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपक विरुआ, चमरा लिंडा और विधायक नवीन जायसवाल शामिल हैं। झारखंड विधानसभा सत्र में पहली बार शामिल हुए जयराम महतो ने अनोखे अंदाज में पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले धरती को प्रणाम किया। इसके बाद सदन के अंदर नंगे पांव घुसे। शपथ लेने के बाद जयराम महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक मथुरा महतो और मंत्री दीपिका पांडेय के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। वहीं, जयराम महतो के हाथ में मौजूद लाल डायरी ने भी सबका ध्यान खींचा। जयराम ने कहा कि इस डायरी में मैं वह शपथ लिखूंगा, जो मैं विधानसभा में लूंगा। यह मेरे लिए लोकतंत्र के प्रति मेरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ धरना

गिरिडीह। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले ,अत्याचार और मदिरों को तोड़ने की घटनाओं के विरोध में देश भर में हिन्दू समाज आक्रोशित है। इसी क्रम में सोमवार को गिरिडीह में सर्वजन हिन्दू समाज ने शहर के टावर चौक में विशाल धरना दिया। धरने में पंकज कंधवे, भाजपा नेता दिलीप वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, भाजपा नेता दिनेश यादव, नित्यानंद प्रसाद, रितेश पांडेय, शिवपूजन, शुभम झा, आरएसएस के मुकेश रंजन, गुड्डू यादव समेत काफी संख्या में हिंदू संघटनों के कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर वक्ताओं ने बांग्लादेश की घटना पर देश के सेक्युलर दलों के नेताओ पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान नित्यानंद प्रसाद ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और मंदिरों को तोड़े जाने की घटना से हिन्दू समाज में गुस्सा है। लेकिन देश का कोई नेता इस घटना के खिलाफ खुलकर कुछ नहीं बोल रहे हैं।यह अंत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। संबल की घटना में देश के सेक्युलर दलों के नेता गला फाड़ कर चिल्ला रहे है। संविधान कि पुस्तक लेकर रोड पर मजमा लगाए हुए है। लेकिन बांग्लादेश की घटना को लेकर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं। इसे जाहिर होता है कि ये सिर्फ वोट बैंक की चिंता करते हैं। धरने में काफी संख्या में हिंदू समुदाय के लोगो का जुटान हुआ। धरने के बाद सर्वजन हिन्दू समाज के पांच लोगो के शिष्टमंडल ने डीसी से मिलकर ज्ञापन सौंपा।

टुंडी के सीआरपीएफ कैंप में गोली लगने से जवान की मौत

धनबाद। टुंडी प्रखंड मुख्यालय स्थित सीआरपीएफ कैंप में पदस्थापित सैट रिजर्व पुलिस के हवलदार की रायफल साफ करने के दौरान सोमवार को गलती से गोली चल जाने से मौत हो गई है। घटना के बाद उसे एसएनएमएमसीएच लाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत जवान का नाम नंदकिशोर सिंह है, वह पलामू जिला के लेस्लीगंज का रहने वाला था। वहीं घटना की सूचना पर सिटी एसपी अजित कुमार अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इसके साथ ही घटना की जांच के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

छात्र सामाजिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए कार्य करें: राज्यपाल

धनबाद। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह संस्थान न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह एक ऐसी परंपरा का प्रतीक है, जिसने ज्ञान, नवाचार और राष्ट्रीय सेवा के मूल्यों को साकार किया है। उन्होंने छात्रों से कहा कि आपका दायित्व है कि आप सामाजिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए कार्य करें। एक विकसित भारत तभी संभव होगा जब हम सभी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएँ। उन्होंने संस्थान के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी स्थापना 1926 में खनन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से की गई थी। यह संस्थान देश के शैक्षिक एवं औद्योगिक विकास का दर्पण है और आज यह अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। राज्यपाल बतौर मुख्य अतिथि सोमवार को आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के 99वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि आज जब हमारा देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है, तो आईआईटी (आईएसएम) जैसे संस्थानों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां से पढ़े विद्यार्थियों ने न केवल शैक्षिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। राज्यपाल ने संस्थान के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम) केवल तकनीकी और अकादमिक सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह नवाचार, उद्यमशीलता और सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखें और समाज और राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने संपूर्ण आईआईटी (आईएसएम), धनबाद परिवार को स्थापना दिवस की बधाई दी और आशा व्यक्त की कि यह संस्थान अपने ज्ञान, नवाचार और सेवा की परंपरा को जारी रखते हुए विकसित भारत 2047 के लक्ष्य प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद अपने आगामी वर्षों में और भी उत्कृष्टता को प्राप्त करने की ओर सक्रियता से अग्रसर होगा और वैश्विक स्तर पर अपने योगदान से विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। राज्यपाल ने इस दौरान संस्थान का डिजिटल कैलेंडर भी लॉन्च किया । इस दौरान कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद और बर्नपुर एवं दुर्गापुर स्टील प्लांट के प्रभारी चेयरमैन ब्रिजेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

चेशायर होम रोड जमीन के मामले में पूर्व डीसी छवि रंजन की डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई पूरी

रांची। चेशायर होम रोड की जमीन की गैरकानूनी तरीके से खरीद-बिक्री के मामले में आरोपित रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की डिस्चार्ज पिटीशन पर सोमवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने डिस्चार्ज पिटीशन पर फैसला सुनाने के लिए 12 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है। रांची के बड़गाईं अंचल के चेशायर होम रोड की जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी आईएएस छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को गिरफ्तार किया था। सभी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल भी हो चुकी है।

अवैध रेलवे ई-टिकट बेचने के मामले में एक गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन "उपलब्ध" के तहत रेलवे ई-टिकट के अवैध व्यवसाय पर कार्रवाई की है। आरपीएफ के उपनिरीक्षक सूरज पांडे ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ ने पुंदाग ओपी पुलिस की सहायता से पुंदाग रोड के छोटी मस्जिद के समीप वसीर कॉम्प्लेक्स स्थित अरिशा कंप्यूटर सेवा नामक किराए की दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान की जांच करने पर 15 पास किये गए ई-टिकट बरामद किए गए, जो दो पर्सनल यूजर आईडी से बनाए गए थे। इन टिकटों की कुल कीमत 43 हजार 822 थी। पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि वह व्यक्तिगत लाभ के लिए इन आईडी का उपयोग कर रेलवे ई-टिकट बना रहा था और प्रत्येक टिकट पर यात्रियों से वास्तविक किराए के अतिरिक्त 50 रुपये लेता था। आरोपित दुकानदार जावेद अख्तर को रेलवे एक्ट की धारा 179(2) के तहत गिरफ्तार किया गया और धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया।

अंधविश्वास में भतीजे का मर्डर, चाची गिरफ्तार

पलामू। अंधविश्वास में पलामू में एक बार फिर हत्या करने का मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। एक महिला का बच्चा बीमारी से मर गया तो उसने ओझा की बातों में आकर गोतनी के आठ साल के बेटे को मार डाला। मासूम की हत्या चाची ने गला दबाकर की है। बच्चे की हत्या करने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ गांव में हुई। मिली जानकारी के अनुसार अखिलेश सिंह का पुत्र प्रेम कुमार सिंह (8) अपने घर के पास खेल रहा था। रविवार को चचेरी चाची जमुना सिंह की पत्नी सुनीता देवी बच्चे को चॉकेलेट खिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर साथ ले गई। घर से करीब एक किलोमीटर दूर ले जाकर अरहर के खेत में गला दबा दिया। बच्चे का शव खेत में छोड़कर वह वापस घर लौट आई। शाम तक बच्चा घर नहीं पहुंचा तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। घंटों तलाश करने के बाद बच्चे को अरहर की खेत में देर रात मृत पाया गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। कुछ ग्रामीणों ने बच्चे को अंतिम बार चाची सुनीता के साथ देखे जाने की बात कही। सुनीता से पूछताछ की गयी तो उसने बच्चे को मारने का बात कबूल की। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया, वहीं बच्चे के शव का पोस्टमार्टम के लिए सोमवार को एमआरएमसीएच भेज दिया गया। गोतनी के बेटे को मारने वाली महिला सुनीता का बेटा एक साल का था। पांच दिन पहले ही उसकी मौत बीमारी से हुई थी। सुनीता के रिश्तेदार सतबरवा में रहते हैं। सतबरवा आने -जाने के क्रम में सुनीता एक ओझा के संपर्क में आ गई। बेटे की मौत के पर ओझा ने प्रेम की मां और पिता के खिलाफ सुनीता को भड़काया। सुनीता से कहा कि गोतनी ने डायन-भूत कर उसके बेटे को मार दिया है। इसी कारण उसने अपने बेटे की मौत का बदला उसके बेटे की हत्या कर ले ली। घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गयी है। हर तरफ इस मामले की चर्चा है। गांव वाले इस घटना से दुखी हैं और प्रभावित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। सोमवार प्रेम का अंतिम संस्कार किया गया। घटना के वक्त प्रेम के पिता एवं परिवार के अन्य पुरूष सदस्य मजदूरी के सिलसिले में बाहर के प्रदेश में थे। घटना की सूचना मिलने पर वे पहुंचे।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज, हो रही है बारिश

रांची। झारखंड में सोमवार को मौसम का मिजाज बदल गया है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह रांची सहित प्रदेश भर के कई इलाकों में हल्की बारिश हो रही है। वहीं, कई इलाकों में बारिश की संभावना है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि सोमवार को उत्तर-पश्चिमी झारखंड को छोड़कर प्रदेश के बाकी हिस्सों में बारिश के आसार हैं। विभाग ने गढ़वा, लातेहार, पलामू और चतरा में वज्रपात होने की संभावना जतायी है। इसको लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को भी अधिकतर समय बादल छाये हुए रहेंगे। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास होगा। सुबह-सुबह हल्का कोहरा रहेगा। हालांकि, मौसम विभाग ने कहा है कि 11 दिसंबर को मौसम साफ रहेगा। 10 दिसंबर को रांची सहित झारखंड के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड

पड़ने वाली है। बंगाल की खाड़ी में बने पश्चिमी विक्षोभ की वजह से एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन तैयार हुआ है। इसके असर से राजधानी रांची सहित कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। अब तापमान गिरेगा और कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने सोमवार को बताया कि मौसम में हो रहे बदलाव की वजह से ठंड में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक रविवार देर रात से लेकर सोमवार तक झारखंड के कई जिलों में बारिश हुई। गढ़वा जिले में रात में हल्की बारिश हुई। पलामू में अहले सुबह करीब तीन बजे से हल्की बारिश शुरू हुई, जो सुबह 5:15 बजे तक होती रही। गुमला में सुबह सात बजे से साढ़े सात बजे तक बारिश हुई। बारिश रुकने के बाद चारों तरफ जलजमाव हो गया। आसमान में अभी भी बादल छाए हैं। सुबह-सुबह हुई बारिश की वजह से विद्यार्थियों को स्कूल जाने में काफी परेशानी हुई। खासकर ग्रामीण इलाकों के बच्चों को, जो कच्ची सड़क से जाते हैं। लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत

हजारीबाग। जिला के केरेडारी थाना क्षेत्र के लोयसुकुवार के पुरनी पेटो गांव में ट्रेक्टर की चपेट में आने से आयुष कुमार (16)की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक आयुष के घर पर उसकी चचेरी बहन की शादी मंगलवार को थी। इसलिए वह सामान लेने सोमवार को दुकान जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे बालू लदा ट्रैक्टर ने उसे अपने चपेट में ले लिया और उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई। घटना के बाद टंडवा हजारीबाग मार्ग को ग्रामीणों ने जाम कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि बालू इस इलाके से अवैध रूप से निकलता है। और वाहन चालक ज्यादा बालू ले जाने के चक्कर में तेजी से वाहन को भगाते हैं। फिर भी पुलिस इन पर कोई कार्रवाई नहीं करती। ऐसा लगता है कि पुलिस प्रशासन की मिली भगत के कारण ऐसा हो रहा है। सड़क जाम होने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही केरेडारी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि इस सड़क पर एनटीपीसी के हाइवा भी भारी संख्या में चलते हैं।

खूंटी के कांग्रेस नेताओं ने कृषि मंत्री से की मुलाकत, दी शुभकामनाएं

खूंटी। खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि मिश्रा की अगुवाई में जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने सोमवार को झारखंड के कृषि और पशुपालन विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से उनके कार्यालय में मिलकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने कृषि मंत्री को खूंटी आने का न्योता भी दिया। बाद में कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की से भी मुलाकात की। मौके पर आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष फुलचंद टूटी, अनमोल होरो आदि उपस्थित थे।

केंदूपत्ती के दर निर्धारण को लेकर संग्रहणकर्ताओं के साथ आयुक्त ने की बैठक

हजारीबाग। प्रमंडलीय आयुक्त सह केंदूपत्ती सलाहकार समिति के अध्यक्ष पवन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यालय, हजारीबाग में वर्ष 2025 मौसम के लिए केंदूपत्ती के संग्रहण मूल्य प्रति मानक बोरा के निर्धारण के लिए बैठक की गई। इसमें उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल क्षेत्र के तहत वर्ष 2025 मौसम के लिए प्राथमिक संग्रहणकर्ताओं से केन्दूपत्ती के क्रय दर प्रति मानक बोरा के निर्धारण के लिए सरकार को परामर्श देने के लिए संग्रहणकर्ता सदस्यों के साथ विचार-विमर्श हुआ। विचार विमर्श के दौरान आयुक्त-सह-अध्यक्ष को अवगत कराया गया कि पूर्व की बैठक में अध्यक्ष एवं समिति की ओर केंदूपत्ती क्रय मूल्य 1700 रुपए प्रति मानक बोरा वन भूमि एवं रैयती भूमि के लिए अनुशंसा की गई थी। इसमें सरकार के जरिये वर्ष 2024 मौसम के लिए 1750 रुपए प्रति

मानक बोरा का दर स्वीकृत किया गया था। इससे केंदु पत्ता व्यापार से जुड़े लोगों एवं झारखंड राज्य वन विकास निगम के पदाधिकारी के साथ अनौपचारिक विमर्श के दौरान बताया गया कि वर्ष 2024 में क्रय मूल्य 1650 रुपए प्रति मानक बोरा से 1750 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिए जाने के कारण वर्ष 2024 में क्रेता हतोत्साहित हो गए। इससे सरकार के राजस्व प्राप्ति में क्षति हुई। केंदूपत्ती का मौसमी संग्रहण कार्य से वनों के समीप सुदरवर्ती वनों के ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण स्रोत है।<लौट की बिक्री न होने से उस क्षेत्र के अंशकालिक मजदूर भी रोजगार से वंचित रहे। इन सभी बातों के विचारोंपरांत आयुक्त-सह-अध्यक्ष एवं समिति के जरिये 2025 मौसम के लिए केंदूपत्ती क्रय मूल्य में मात्र पांच से छह प्रतिशत न्यूनतम वृद्धि कर 1850 रुपए प्रति मानक बोरा वन भूमि एवं रैयती भूमि के लिए निर्धारण का परामर्श सरकार को देने का निर्णय लिया गया। इससे शत-प्रतिशत केंदूपत्ती लौट की बिक्री हो सके तथा झारखंड राज्य वन विकास निगम को भी बेहतर राजस्व की प्राप्ति हो सके। केंदूपत्ती दर में न्यूनतम वृद्धि से सुदूरवर्ती ग्रामीण मजदूरों को उनके द्वारा संग्रहित होने वाली केंदूपत्ती का क्रय करने के लिए क्रेतागण उत्साहित रहे और उन्हें रोजगार प्राप्त हो। बैठक में सलाहकार समिति के सदस्य आर.एन. मिश्रा, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक ममता प्रियदर्शी, महाप्रबंधक संयोजक-सह-सचिव, मोहम्मद इलाही, मो अजहर इमाम, तालो मरांडी, दीनानाथ बेसरा, रामचन्द्र गंझू, विकास कुमार यादव, मो कोसर एवं अन्य उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

ऊपरघाट में छह वर्षीय बालक की ननिहाल में कुदाल से काटकर नृशंस हत्या, मामला दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बेरमो अनुमंडल के नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोठी गांव में छह वर्षीय बालक डेविड राज की ननिहाल में ही कुदाल से काटकर नृशंस हत्या कर दी गई है। घटना रविवार शाम पांच बजे की है। घटना के बाद बालक की हरलाडीह निवासी मां रुकवा देवी के आवेदन पर थाना कांड संख्या 55/2024 के तहत मृत बालक के बड़े चाचा जानकी महतो के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में जुट गई है। थाना प्रभारी घनश्याम रवि ने जानकी महतो को सोमवार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि हरलाडीह निवासी बिनोद महतो और रुकवा देवी का छह वर्षीय पुत्र डेविड राज थाना क्षेत्र अंतर्गत कोठी गांव स्थित अपने ननिहाल में नाना गोरी लाल महतो के घर पर अपने बड़े चाचा जानकी महतो के डर से रह रहा था। रविवार की शाम को डेविड राज के ननिहाल के सभी लोग खलिहान में थे। शाम लगभग पांच बजे डेविड को घर गाय को चारा देने के लिए भेजा गया था, परंतु चारा देने के बाद वह वापस खलिहान नहीं लौटा। बाद में खलिहान से सभी लोग जब घर लौटे तो देखा कि आंगन में डेविड का शव पड़ा हुआ है और जिस कुदाल से उसकी हत्या की गई थी, वह भी पास ही पड़ा हुआ था। परिजनों ने घटना की जानकारी हरलाडीह मृत बालक के माता-पिता और पेंक नारायणपुर थाना को दी। प्रभारी थाना प्रभारी घनश्याम रवि ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त कुदाल को जब्त कर शव का पंचनामा तैयार किया। हरलाडीह से मृत बालक की मां ने आने के बाद हत्या के लिए अपने ही भैंसुर जानकी महतो पर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि भैंसुर जानकी महतो बराबर डेविड के साथ मारपीट करता था और कहता था कि कुदाल से काटकर उसे मार देगा। रुकवा देवी ने अपने ही भैंसुर पर हत्या करने का आरोप लगाया। रुकवा देवी को दो पुत्री और एक ही पुत्र था। हत्या के बाद मृत बालक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सोमवार को मृत बालक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है।

ऑल डीवीसी फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में मैथन की भिड़ंत मेजिया से, फाइनल आज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित स्वामी विवेकानंद फुटबॉल मैदान में आयोजित ऑल डीवीसी फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच 10 दिसंबर मंगलवार को मैथन बनाम मेजिया के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के सदस्य सचिव डॉ. जॉन मथाई शामिल होंगे। इसके पूर्व सोमवार को प्रतियोगिता का दो सेमीफाइनल मैच खेला गया। पहला सेमीफाइनल मैच मेजबान बोकारो थर्मल और मेजिया की टीम के बीच खेला गया, जिसमें मेजिया की टीम ने बोकारो थर्मल की टीम को एक के मुकाबले दो गोल से पराजित किया। प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मैच मैथन की टीम और डीएसटीपीएस की टीम के बीच खेला गया, जिसमें मैथन की टीम ने शून्य के मुकाबले डीएसटीपीएस की टीम को दो गोल से पराजित कर फाइनल में अपना स्थान बनाया।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने झारखंड विधानसभा में ली शपथ, जनता का जताया आभार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारोः झारखंड विधानसभा के प्रथम सत्र के उद्घाटन के अवसर पर बोकारो विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और प्रोटेम स्पीकर प्रो. स्टीफन मरांडी की उपस्थिति में शपथ ग्रहण की।

शपथ ग्रहण के बाद श्रीमती सिंह ने बोकारो विधानसभा क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "आप सभी के सहयोग और समर्थन से मैं सदन में पहुंची हूं। मैं यह प्यार और विश्वास कभी नहीं भूल सकती और इसके लिए मैं सदैव आपकी ऋणी रहूंगी।"

उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र के विकास और जनता की सुरक्षा रहेगी। श्वेता सिंह ने अपने श्वसुर, स्वर्गीय समरेश सिंह से प्रेरित होकर जनसेवा को अपना लक्ष्य बताया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी।

केटीपीएस डीवीसी का सबसे अधिक विद्युत उत्पादन करने वाला केंद्र बनेगा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः कोडरमा। जिले के बांझेडीह में स्थित कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन के विस्तारीकरण का कार्य नए साल 2025 में शुरू हो जाएगा। यहां 800 गुणा दो के दो नए यूनिटों के माध्यम से कुल 1600 मेगावाट विद्युत का उत्पादन होगा। इसके लिए भेल को 14 हजार करोड़ से अधिक का टेंडर अवॉर्ड किया गया है। डीवीसी के मुख्य अभियंता मनोज ठाकुर ने सोमवार को बताया कि विस्तारीकरण के बाद कोडरमा डीवीसी का सबसे बड़ा और अधिक विद्युत उत्पादन करने वाला केंद्र बन जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां 1000 मेगावाट का विद्युत उत्पादन हो रहा है। प्लांट के विस्तारीकरण के बाद यहां 2600 मेगावाट का अतिरिक्त विद्युत उत्पादन होगा। थर्मल पावर प्लांट के नए दो यूनिट का निर्माण का कार्य करीब चार साल तक चलेगा। इससे यहां चार हजार से अधिक रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इसके साथ ही तिलैया डैम में 155 मेगावाट सोलर पावर का भी निर्माण होगा। कोडरमा के तिलैया डैम और डीवीसी के पंचेत डैम में 155 -155 मेगावाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। तिलैया डैम में इसका कार्य स्टर्लिंग विल्सन कंपनी और पंचेत डैम में एलएंडटी को दिया गया है।

ठाकुर ने बताया कि 18 महीने में इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। यहां उत्पादित बिजली सीधे नेशनल ग्रिड को भेजा जाएगा। अब रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में देश काफी आगे बढ़ चुका है।

तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण में बच्चों का भी सहयोग जरूरी : मनोज कुमार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात नगर के केन्द्रीय विद्यालय-1 में सोमवार को तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य मनोज कुमार ने की। इस दौरान जिला परामर्शी मो. असलम ने सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधि परिणाम, धूम्रपान व उससे होने वाले नुकसान, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोड़ने के उपाय, परामर्शी सेवा लेने की सुविधा, टोल फ्री नम्बर 1800-11-2356 एवं तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार ने बच्चों को बताया तम्बाकू का नशा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है। इसका हमारे देश में करोड़ों लोग इस्तेमाल करते हैं। इसमें कमी लाने के लिये हम सबको आगे आना होगा, नहीं तो तम्बाकू में पाया जाने वाला निकोटीन, कार्बन मोनोऑक्साइड, टार, बेंजीन आदि रासायनिक गैसें भी हमारे आने वाली पीढ़ी को काफी नुकसान कर सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि यदि वे तम्बाकू का उपयोग करते हैं तो तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र से सम्पर्क कर तम्बाकू छोड़ कर तम्बाकू मुक्त समाज का निर्माण करें। उन्होंने बच्चों से अनुरोध किया कि यदि उनके माता-पिता भी इसका उपयोग करते हैं तो उन्हें भी तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दें। उन्होंने कहा कि तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण में बच्चों का भी सहयोग जरूरी है। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, कर्मी व बच्चे उपस्थित थे।

जनता दरबार लगाकर दाखिल-खारिज के मामलों का करें निष्पादन : उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने सोमवार को सभी अंचलाधिकारियों के साथ बैठक कर अंचल कार्यालयों में लंबित भूमि संबंधित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही, प्रत्येक सप्ताह सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित कर आमजनों के दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) संबंधी मामलों के निष्पादन का निर्देश दिया। उपायुक्त ने इसके अलावा सभी अंचलाधिकारियों को पंचायतों शिविर लगाकर लोगों की जमीन से जुड़े मामलों का निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, भूमि सुधार उप समाहर्ता प्रभाष दत्ता एवं सभी अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

बोकारो थर्मल में एक्टू का एक दिवसीय राज्य सम्मेलन

तेज होगा मजदूर अधिकारों को हासिल करने का संघर्ष : जनार्दन प्रसाद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के सिक्स यूनिट स्थित त्रिजल नगर के अनंता मैरेज हॉल में एक्टू का एक दिवसीय राज्य सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में शहीद बेदी पर माल्यार्पण एवं शहीदों को एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। सम्मेलन की अध्यक्षता पांच सदस्यीय अध्यक्ष मंडली में शामिल गीता मंडल, बैजनाथ मिस्त्री, कृष्णा सिंह, महेश सांवरिया, बालेश्वर गोप ने संयुक्त रूप से की। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि भाकपा (माले) के पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद, एक्टू के झारखंड प्रदेश महासचिव शुभेंदू सेन शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद ने कहा कि झारखंड विधानसभा के आम चुनाव में भाजपा को परास्त कर राज्य के मजदूर वर्ग ने एक स्तर की लड़ाई जीती है, लेकिन अभी भी खतरे कम नहीं हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश और झारखंड को बचाने के लिए एक्टू के राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाएं, तभी मजदूर अधिकारों को हासिल किया जा सकता है। एक्टू के प्रदेश महासचिव शुभेंदू सेन ने कहा कि मजदूर अधिकारों को पुनः हासिल करने के सवाल पर एक्टू का 11 वां राष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में आयोजित किया गया है। सम्मेलन का खुला सत्र तालकटोरा स्टेडियम में होगा, जिसमें देश-विदेश के मित्र संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कहा कि मजदूरों को यूनियन के साथ व्यापक रूप से जोड़े बिना, केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी हमलों को रोकना संभव नहीं है। कहा कि एक्टू राजनीतिक रूप से भी केंद्र और राज्य सरकार के मजदूर विरोधी फैसलों पर निर्णायक दबाव बढ़ाएगा। सम्मेलन का संचालन एक्टू नेता भुवनेश्वर केवट, रविंद्र भुइयां, बिपिन मंडल ने किया। सम्मेलन को एक्टू के मजदूर नेता विकास कुमार सिंह, मनोज कुशवाहा, जेएन सिंह, भुवनेश्वर बेदिया, अमल घोष, सुभाष चंद्र मंडल, हरेंद्र सिंह, बालेश्वर यादव, नारायण केवट, अजय रविदास, महादेव मांझी, विजय गिरी, जगरनाथ उरांव, बलदेव वर्मा, भीम साहू आदि ने भी मुख्य रूप से अपने विचार रखे।

फॉर्च्यूनर की चपेट में आने से युवक की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया एनएच 23 जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बालीडीह पेट्रोल पंप के पास सोमवार सुबह हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 26 वर्षीय रवि वर्णवाल की मौत हो गई। हादसे से आक्रोशित लोगों ने एनएच 23 को जाम कर दिया और मुआवजे की मांग करने लगे।

रवि, जो बियाडा की एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था, सुबह करीब 9 बजे अपनी बाइक से ड्यूटी जा रहा था। तभी जैनामोड़ की ओर से तेज़ गति से आ रही फॉर्च्यूनर कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में रवि की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद फॉर्च्यूनर कार ने एक ऑटो को भी टक्कर मारी।

घटना के बाद दिन के लगभग 11:30 बजे आक्रोशित लोग मृतक का शव सड़क पर रखकर एनएच 23 के फोरलेन को जाम कर दिया। करीब 6 घंटे तक यह जाम जारी रहा। पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद फॉर्च्यूनर कार मालिक, जैनामोड़ निवासी प्रभात मिश्रा, ने मृतक के परिजनों को 1 लाख रुपये का चेक और 35,000 रुपये नकद मुआवजे के रूप में दिए।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने मृतक के परिजनों से वीडियो कॉल के माध्यम से बात की और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शव उठाने को तैयार हो गए और यातायात बहाल हो सका। हालांकि, शव उठाने के दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया, जिससे प्रशासन को स्थिति संभालने में अतिरिक्त प्रयास करना पड़ा।

आखिरकार शाम 6 बजे एनएच 23 पर यातायात व्यवस्था पुनः शुरू हो सकी। घटना ने क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

गोमिया के कई कार्यक्रमों में शामिल हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद, छात्राओं के बीच किया साइकिल वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया : झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद रविवार को देर शाम तक गोमिया प्रखंड अंतर्गत कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। गोमिया बीडीओ महादेव कुमार महतो व सीओ आफताब आलम ने श्री प्रसाद का स्वागत व अभिनंदन किया। कल्याण विभाग की उन्नति का पहिया योजना अंतर्गत श्री प्रसाद ने स्कूली छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया। प्रखंड के चतरोचट्टी, सीधावारा, करीं व होसिर मध्य विद्यालयों में कक्षा आठवीं की छात्राओं के बीच उन्नति का पहिया योजना के तहत साइकिलों का वितरण हुआ। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत बाबू की दूरदर्शी सोच का नतीजा है कि आज बेटियों के जन्म बाद से पढ़ाई लिखाई से लेकर शादी होने तक विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के जरिए मदद और लाभ दिया जा रहा है। मंत्री श्री प्रसाद स्वांग दक्षिणी और खम्हरा पंचायत में अबुआ आवास योजना के तहत बने अबुआ आवासों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल हुए। फीता काटकर लाभुकों को गृह प्रवेश कराया। उन्होंने संबंधित लाभुकों को बधाई भी दी और कहा कि लोकप्रिय मुख्यमंत्री की अगुवाई में हर तबके के गरीबों से लेकर माध्यम वर्ग तक के लोगों को विभिन्न योजनाओं के जरिए लाभान्वित कर सहूलियतें पहुंचाई जा रही है। इससे पूर्व मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमिया में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर व बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर कराया। उन्होंने आमजनों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को निर्धारित बूथों पर पहुंचकर पोलियो की दवा जरूर पिलाने की अपील की। मौके पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी राजकिशोर मिश्रा, पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुरेश कुमार, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष लुदू मांझी, उपाध्यक्ष अमित पासवान, खम्हरा पंचायत के मुखिया बंटी उरांव, मुखिया रीना सिंह, मुखिया शांति देवी, मुखिया तेजलाल महतो, मुखिया पार्वती देवी, पूर्व प्रखण्ड प्रमुख गुलाबचंद हांसदा, समाजसेवी पिंटू पासवान, धनंजय सिंह, शंभू यादव, पंचायत सचिव राधा कुमारी, घनश्याम महतो, रोजगार सेवक, खुलेश्वर महतो, विनय गुरु, संतोष साव, विशाल जयसवाल, रणधीर पांडेय सहित कई लोग मौजूद थे।

चास नगर निगम क्षेत्र में दुरुस्त होगी स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था : अपर नगर आयुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास नगर निगम कार्यालय के सभागार में सोमवार को अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार की अध्यक्षता में नगर निगम के पदाधिकारी व कर्मियों के बीच शहर की बिजली व्यवस्था से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। साथ ही, बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने तथा शहर में स्ट्रीट लाइट को ठीक करने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इसके लिए खराब पड़े बंद लाइटों की सूची, उनकी मरम्मत तथा बेकार पड़ी लाइटों की जगह नए लाइट लगाने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने स्ट्रीट लाइट से संबंधित एजेंसी को उसके रख-रखाव को दुरुस्त करने तथा तकनीकी समस्या को अविलंब दूर करने का भी निर्देश दिया।

अपर नगर आयुक्त ने शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु निरंतर अभियान चलाने का निर्देश दिया। इस संबंध में उन्होंने कहा कि शहरवासियों को अतिक्रमण मुक्त करना हमारी प्राथमिकता ही नहीं, बल्कि हमारी जवाबदेही भी है और इसे निरंतर चलाना होगा। साथ ही उन्होंने शहर वासियों से शहर को स्वच्छ तथा कचरा मुक्त बनाने में सहयोग देने की अपील की। बैठक में सहायक नगर आयुक्त सुश्री प्रियंका कुमारी, जयपाल सिंह मुंडा, स्ट्रीट लाइट से जुड़े संबंधित अधिकारी, नगर प्रबंधक, नगर मिशन प्रबंधक तथा अन्य सभी कर्मी मौजूद थे।

बेड़ो में प्री बोर्ड की परीक्षा अव्यवस्था की भेंट चढ़ा

- घंटों इंतजार करने के बाद परीक्षा 3 घंटा विलंब से शुरु हुई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजू कुमार सिंहः बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय में प्री बोर्ड परीक्षा सोमवार को परीक्षा के पहले दिन अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। वहीं घंटों इंतजार करने के बाद छात्रों को प्रश्न पत्र मिला लेकिन उत्तर लिखने के लिए पेपर नहीं मिला। स्कूल में मौजूद प्रश्न-पत्रों के चलते शिक्षक एवं बच्चों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। जबकि पूर्व घोषित परीक्षा कार्यक्रम के कारण छात्र निर्धारित समय पर तैयारी करके पहुंच गए थे। परीक्षा शुरू होने का समय पौने दस बजे से निर्धारित किया गया था। शिक्षकों ने व्यवस्थित ढंग से परीक्षार्थियों को बैठाया। जहां प्लस टू स्कूल में शुरू हुई प्री बोर्ड परीक्षा के प्रथम पाली में 12वीं के विज्ञान संकाय ने भौतिक, वाणिज्य में एकाउंट और कला में भूगोल की परीक्षा 3 घंटा विलंब से शुरु हुई। स्थिति यह रही कि परीक्षा शुरू होने के काफी देर बाद भी स्कूलों पर प्रश्न-पत्र उपलब्ध नहीं हो सका। वहीं छात्रों को उत्तर लिखने के लिए कॉपी नहीं मिलने पर छात्रों को अपने कॉपी से पेज निकालकर परीक्षा देना पड़ा। साथ ही विभाग के द्वारा एच एम व्हाट्सएप पर रविवार की शाम करीब छह बजे प्रश्न-पत्र भेजा गया था। इस संबंध में जब स्कूल की प्रधानाध्यापिका हेनरीता मिंज से पूछा गया तो उन्होंने परीक्षा के दौरान अव्यवस्था की बात स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि विभाग के द्वारा उन्हें रविवार की शाम में छह बजे व्हाट्सएप के द्वारा प्रश्न पत्र मिला। वहीं सोमवार की बिजली नहीं रहने के कारण प्रश्न पत्र का प्रिंट समय से नहीं हो पाया। जिसके कारण परीक्षा विलंब से शुरु हुआ। उन्होंने कहा है कि कहा कि प्रथम दिन होने के कारण कुछ परेशानी हुई है। कल से व्यवस्था सुव्यवस्थित हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मैंने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दे दिया है। वहीं छात्रों का कहना है कि निर्धारित समय में परीक्षा नहीं होने से उन्हें परेशानियों का समाना करना पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है किपरीक्षा के दौरान भारी अव्यवस्था होने की बात एक चिंतनीय विषय है। इन्हीं कारणों के चलते सरकारी स्कूलों की छवि प्रभावित हो रही है। विभाग व्यवस्था में सुधार को लेकर तत्काल जरुरी कदम उठाए।

ग्रामीण विद्यालयों की बदहाल व्यवस्था से बढ़ी अभिभावकों की चिंता-

देश भले ही वैश्विक स्तर पर सफलताओं के नए आयाम और कीर्तिमान स्थापित कर रहा हो मगर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं बदहाल हैं। सरकार भले ही विकास शील होने का दावा कर रही हो मगर जमीनी हकीकत यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी आजादी के सात दशक व पंचायती राज के एक दशक बीत जाने के बाद भी शिक्षा की सुविधाओं के नाम पर केवल आश्वसान की घुट्टी पिलाई जा रही है। वहीं सरकारी तौर पर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के दावा किया जा रहा हैं। लेकिन धरातल का सच इस दावे की पोल खोल रहा है। जहां ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों की व्यवस्था लचर है। यहां के उच्च विद्यालयों में भी संसाधनों का घोर अभाव है। सरकार द्वारा मध्य विद्यालयों को उच्च विद्यालय व उच्च विद्यालयों को प्लस टू विद्यालय में अपग्रेड कर दिया गया है। लेकिन संसाधन उपलब्ध नहीं कराया गया। प्लस टू के बच्चे स्कूल के बरामदे और जमीन पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। वही स्कूलों में छात्रों की संख्या अधिक होने से कार्यरत शिक्षक भी पठन-पाठन में रुचि नहीं ले रहे हैं। उनके कार्य शैली को देखकर लोग यही कहते हैं कि विद्यालयों में पठन-पाठन की सिर्फ औपचारिकता पूरी की जा रही है। ऐसे में यहां पढ़ने वाले बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय की बदहाल व्यवस्था से वे परेशान हैं। जिस विभाग के जिम्मे शिक्षा व्यवस्था को देखना है उसके पदाधिकारी अपने दायित्व के प्रति काफी लापरवाह हैं। ऐसे में बच्चे विद्यालय में कैसे शिक्षा ग्रहण करेंगे यह बड़ा सवाल है। विद्यालयों की बदहाल व्यवस्था को देखकर अभिभावकों को अपने बच्चों के भविष्य की चिंता सताने लगी है। उनका कहना है कि सरकारी विद्यालयों की बदहाली से ही निजी विद्यालय फल फूल रहे हैं। इस तरफ न तो पदाधिकारियों का ध्यान है और ना ही सांसद, विधायक व स्थानीय जनप्रतिनिधि का। शिक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

तापमान में आई गिरावट के चलते , आमजनो को हुई परेशानी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः सोमवार को मौसम में अचानक आई बदलाव के कारण जिले के तापमान में गिरावट होने से ठंड अचानक बढ़ गया है। ठंड का प्रकोप हर तरफ देखने को मिला रहा है, हर चौक चौराहों पर लोग जगह-जगह पर अलाव के पास बैठकर आग का सहारा लेने को मजबूर देखे गए। सोमवार को दिन भर जहां सूरज की दर्शन नहीं हुई वही जगह-जगह पर घने कोहरे एवं हल्की-हल्की बूंदा बूंदी बारिश भी हुई। ठंड का असर खेत खलियानों से लेकर हाट बाजारों सभी जगह देखा गया। ठंड के कारण जहां खेतीहर मजदूर दिन भर अपने घरों में ही दुबक कर रह गए, वहीं सामान्य दिनों की तरह हाट बाजारों में भी भीड़ भड़क्का कम देखी गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक-दो दिन तक इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है। ठंड के प्रकोप के कारण दैनिक मेहनत मजदूरी करने वाले मजदूरों की परेशानी बढ़ा दिया है, और गरीब तबके के सामान लोग अपने बाल बच्चों का तन ढकने को लेकर कई प्रकार के दिक्कत खड़ी हो गई है। कुल मिलाकर ठंड का मार हर तरफ देखा जा रहा है, कुछ सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से चौक चौराहों पर अलाव का व्यवस्था करने एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण करने की मांग की है।

पचकठिया रांगा गांव के समीप अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद अज्ञात विक्षिप्त होने की आशंका

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बरहेट/साहिबगंजः सोमवार थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहेट बोरियो मुख्य सड़क के किनारे हरिश्चन्द्रपुर मोड़ के समीप खेत से बरहेट थाना पुलिस ने एक अज्ञात शव किया बरामद ।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को ब्रेड बोरियों मुख्य सड़क में हरिश्चंद्र मोड़ के समीप कुछ लोगों ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव देखा जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा बरहेट थाना पुलिस को दिया गया,सूचना मिलने के बादबाद बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। शव की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं स्थानीय लोगों ने इस संबंध में बताया कि घटना से पूर्व मृतक बरहेट क्षेत्र में विक्षिप्त जैसा क्रिया कलाप में घूमता फिरता एवं भीख मांगते देखा गया था। लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि ठंड में इस प्रकार से इधर-उधर भटकते रहने के कारण व्यक्ति की मौत ठंड से हुई होगी।

इधर थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज भेज दिया गया है एवं आगे मामले की छानबीन कर रही है।

वर्षा से किसानों में मायूसी, खेत व खलियान में रखे धान की फसल को नुकसान

ठंड से घरों में रहने को मजबूर हुए लोग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजू कुमार सिंह बेड़ोः बेड़ो प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार की सुबह हुई बेमौसम वर्षा होने से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। खेत से लेकर खलिहान तक धान की रखी फसल पानी पड़ने से धान की गुणवत्ता खराब होने का किसानों को डर सता रहा है। खेत व खलिहानों में कटाई कर रखी गई धान की फसल पूरी तरह भींग गई है। प्रखंड के गांवों में सैंकड़ों किसानों के धान की फसल काटकर खेत व खलियान में ही पड़ी है। प्रखंड के ब्रजेश महतो, पवन कुमार,पंकज कुजुर, शनिका भगत,सूरज ओहदार, अरविंद कुमार, घनश्याम धान, राजू धान, सालिक सिंह,शिवेश सिंह,गुमान सिंह,लक्ष्मी धान,रमई धान, अनमोल उरांव,महादेव धान,बन्दे भगत, जगरनाथ उरांव, पवन महतो किसानों का कहना है कि कर्ज लेकर किसी तरह खेती किए हैं जो वर्षा से भींग कर धान की फसल बर्बाद हो गई। प्रखंड में अचानक हुई वर्षा से किसान बुरी तरह प्रभावित हुए है। साथ ही आम लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। वर्षा के कारण लोगों को ठंड का डबल मार भी सहना पड़ रहा है।जिसके कारण लोग घर में दुबके हुए हैं।

मजदूरों पर भी दिखा असर- दैनिक मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करने वाले दिहाड़ी मजदूरों को ठंड और वर्षा के कारण परेशानी झेलनी पड़ी। सुबह में वर्षा होने के कारण कामकाज प्रभावित रहा। गांव के दर्जनों दिहाड़ी मजदूर रांची नहीं जा सके। खराब मौसम की वजह से दर्जनों मजदूरो को वापस घर लौटना पड़ा। अचानक बदले मौसम से लोग परेशान है। दिनभर लोग घर में ही दुबके रहे। जरूरी कामकाज होने पर ही लोग घर से लोग बाहर निकले।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कामकाज संभाला

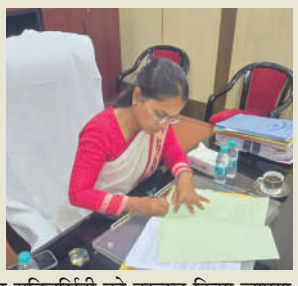

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को नेपाल हाउस स्थित विभागीय कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद कृषि मंत्री ने कहा कि पहले तीन चीजों पर फोकस किया जाएगा। सप्लाई चेन सिस्टम को दुरुस्त करने के साथ कोल्ड स्टोरेज की उपयोगिता पर काम होगा। एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को दुरूस्त किया जाएगा ताकि किसानों के हित में अधिक से अधिक काम हो सके। सहकारी समितियों का संचालन ठीक किया जाएगा। विचौलियों की भूमिका को खत्म किया जाएगा। कृषि विभाग रेवेन्यू जेनरेट करने की कोशिश करेगा। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने निर्देश दिया है कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में चलायी जा रही हेमंत सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की सभी कल्याणकारी एवं लाभकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत सफलतापूर्वक कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिये सभी विभागीय पदाधिकारी पूर्ण समर्पित होकर पूरे सामंजस्य के साथ अपनी भूमिका निभायें। उन्होंने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए कहा कि झारखण्ड मिल्क फेडरेशन मेधा से सम्बंधित दुग्ध उत्पादक किसानों को वित्तीय वर्ष 2024-24 में तीन रुपये की बजाय पांच रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि देने सम्बंधित संचिका पर सहमति दे दी। हालांकि, इस सबंध में पूर्व में कैबिनेट की बैठक में पहले ही सहमति प्राप्त हो गयी थी।

एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ दो युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस एवं लाल काला अपाची मोटरसाइकिल जे.एच 18 एन 2718 के साथ दो युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया। डीएसपी ने बताया कि दिनांक 8 दिसंबर 24 को समय- 22:10 बजे छोटा पंचगढ थाना- जिरवाबाड़ी साहेबगंज के रहने वाले सुभम कुमार, पिता- अजित कुमार रजक ने थाने में आकर बताया कि पूर्व में जमीन के सौदे में पैसे के लेन-देन को लेकर राहुल पासवान तथा अन्य दुसरा व्यक्ति गाली देते हुए गोली फायर किया था तथा जान से मार देने की धमकी दे रहे थे। राहुल पासवान ने शुभम कुमार से 50 हजार रूपए जमीन खरीद बिक्री के लिए बयाना लिया था, जहां जमीन को लेकर सौदा पूरा नहीं हुआ और राहुल पासवान से पैसा मांगा गया इसी को लेकर विवाद हुआ। जहां सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचना से अवगत कराया गया। जहां पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह साहेबगंज के निदेशानुसार जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ा पंचगढ़ घोघी रोड से पास से एक देशी कट्टा व जिंदा कारतूस कमर में छिपाया हुआ के साथ राहुल पासवान उम्र 26 वर्षीय, पिता स्व० राजू पासवान, बड़ा पचगढ़ ज्योतियामोड़, करण कुमार उम्र 20 वर्षीय, पिता संतोष मिर्धा, बड़ा पचगढ़, थाना जिरवाबाड़ी साहिबगंज के रहने वाले दोनो अभियुक्त को साथ में पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस सम्बन्ध में जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या- 196 / 24 दिनांक- 09/12/24 धारा-25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट अंकित किया गया है। अग्रतर अनुसंधान करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

वही छापामारी दल में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी पंकज कुमार दुबे, पु०अ०नि० लव कुमार, स०अ०नि० संजय कुमार, आ०/529 ब्रजेश कुमार, ह० सकल मुर्मू, ह० रवीन्द्र नाथ ठाकुर शामिल थे।

चतुर्थ स्पेशल ड्राइव में चार मामलों का सेटलमेंट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः झालसा के निर्देशानुसार, 9 दिसंबर से 13 दिसंबर तक संजय उपाध्याय प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय साहिबगंज के मार्गदर्शन में फैमिली कोर्ट से संबंधित मामले को लेकर चतुर्थ स्पेशल ड्राइव का आयोजन किया गया है। प्रथम दिन कुटुंब न्यायालय साहिबगंज से 11 मामलों को मध्यस्थता केंद्र साहिबगंज भेजा गया ।जिसमें से देर शाम तक चार मामले का सेटलमेंट किया गया। जिसमें दिलशाद अहमद बनाम रुखसार बानो का विदाई के मामले को प्रथम दिन ही कुतुब न्यायालय के प्रयास से सुला समझौता कराया गया तथा दोनों पति-पत्नी को एक साथ विदा कर दिया गया। शेष तीन मामले भरण पोषण से संबंधित था। वर्ष 2024 का अंतिम स्पेशल ड्राइव चल रहा है ज्ञात होगी 14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा।

सीएम हेमंत सोरेन के बरहेट आगमन की तैयारी में जुटे झामुमो कार्यकर्ता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहेट (साहेबगंज): सोमवार को झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में झामुमो प्रखंड संयोजक मंडली की एक बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट आगमन को लेकर संयोजक सुनिराम हांसदा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

आयोजित बैठक में उपस्थित झामुमो कार्यकर्ताओं को संबंधित करते हुए केंद्रीय समिति सदस्य राजाराम मरांडी ने बताया कि आगामी शनिवार को माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का बरहेट आगमन होने वाला है।कहा बैठक की योजना अनुसार झामुमो के सभी पंचायत अध्यक्ष सचिव सहित अन्य कार्यकर्ता तैयारी में जुट जाएं। बैठक को जिला के सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेंब्रम ने भी संबंधित किया कहा 2024 में मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने विधानसभा क्षेत्र में पहुंच रहे हैं इसलिए उनके कार्यक्रमों में भारी संख्या के साथ हम उनका भव्य स्वागत करेंगे इसके लिए बैठक में जो दिशा निर्देश दिया गया उसको हम ईमानदारी पूर्वक निभाएं। बैठक का संचालन केंद्रीय समिति सदस्य मुजिबुर रहमान ने किया। बैठक में झामुमकिन मोर्चा के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार राय जी विदाई समारोह शिक्षा विभाग के कोई भी पदाधिकारी नहीं पहुंचे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः राजकीयकृत मध्य विद्यालय साहेबगंज से सेवानिवृत्त हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार राय जी जिन्होंने शिक्षक पद पर 41 वर्ष 03 महीने तक सेवा प्रदान किए परन्तु रविवार को विदाई सह सम्मान समारोह में एक भी शिक्षा विभाग के पदाधिकारी नहीं उपस्थित हुए।

इस अवसर पर पूर्व प्रधानाध्यापक के द्वारा अपनी सेवाकाल के अन्तराल किए गए कार्य समाज और शिक्षा के प्रति समर्पण की दास्तां और अपना संक्षिप्त परिचय की प्रति समारोह में उपस्थित सभी को हस्तगत कराए।

आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि पूर्व वार्ड पार्षद गोपाल चोखानी ,पूर्व वार्ड पार्षद जय प्रकाश सिन्हा संघ के पूर्व अध्यक्ष जंगबहादुर ओझा पूर्व अध्यक्ष सुनील कुमार यादव एंव पूर्व प्रमंडलीय अध्यक्ष बिनोद सिंह वर्त्तमान प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार ओझा प्रारंभिक संघ के अध्यक्ष मनोज यादव प्रोफेसर कमल महावर माध्यमिक संघ के सदस्य मुरलीधर रजक आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरु किए। विद्यालय के वर्तमान प्रभारी रूबी देवी की अध्यक्षता में कार्यक्रम शुरु किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मेरी टुडू उपाध्यक्ष सह संयोजिका आशा देवी एंव सभी सदस्य मौजूद समारोह में अभिनंदन पत्र पढ़कर पूर्व प्रधानाध्यापक को हस्तगत जितेन्द्र हरि ने किए। गीत संगीत की प्रस्तुति शिक्षक मनोहर शर्मा ,डॉ रानी झा प्रधानाध्यापिका ने किए विदाई सह सम्मान समारोह में संबोधन शिक्षक कुलदीप यादव श्रीराम पोद्दार संघ के अध्यक्ष रामइकवाल सिंह मो.इकबाल सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विद्यालय तालाब के शिक्षिका सुचिता कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन देकर सम्मानित समारोह में उपस्थित लोगों मीडिया बंधुओं एंव अन्य सभी को भोजन कराए।

पचकठिया क्रांति स्थल में दो उद्देशीय महिला सशक्तिकरण सह स्वच्छ गंगा प्रकृति पर्यावरण संरक्षण को लेकर महिला सशक्तिकरण व स्वच्छ गंगा पर संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहेट (साहेबगंज): प्रखंड क्षेत्र के पचकठिया क्रांति स्थल में सोमवार को नमामि गंगे योजना अंतर्गत स्वच्छ गंगा मिशन एवं जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार व बीएसएफ के संयुक्त तत्वाधान में वूमेन गंगा रिवर राफ्टिंग एक्सपीडिशन 2024 के तहत सिदो-कान्हू क्रांति स्थल पचकठिया बरहेट में दो उद्देशीय महिला सशक्तिकरण व स्वच्छ गंगा प्रकृति पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम किया गया जिसमें स्थानीय छात्र- छात्रा, शिक्षक ,ग्राम प्रधान व अन्य जनों के बीच महिला सशक्तिकरण व स्वच्छ गंगा पर संवाद किया गया। कार्यक्रम में महिला को सशक्त बनाने को लेकर कहा गया कि महिलाओं को समान अवसर, समान अधिकार और परिवार तथा समाज में सम्मान दें।

इसके साथ ही गंगा नदी के स्वच्छ अविरल और निर्मल अभियान के लिए लोगों से अपील करते बताया गया कि गंगा को प्लास्टिक पॉलिथीन थर्माकोल कूड़ा करकट एवं कपड़े की सफाई आदि से बचाने की जरूरत है।बताया गया कि गंगा का जल लाखों लोगों का जीविका का साधन होने के साथ ही जलीय जीवों का पारिस्थितिकी तंत्र है जो पर्यावरण के स्वच्छ रख रखाव के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

गंगा को हमें बचाना है इसलिए हमें अपने घर आसपास क्षेत्र में सफाई रखना, पेड़ पौधे अधिक से अधिक लगाकर मिट्टी को प्रदूषित होने बचाना एवं सहायक नदियों को भी स्वच्छ रखना आवश्यक है। ताकि हमें सालों भर स्वच्छ पानी मिल सके। वहीं इस कार्यक्रम के प्रश्नोत्तरी में छात्रा गायत्री कुमारी को प्रश्नों के उत्तर में कुशल प्रदर्शन के लिए बीएसएफ के अधिकारी ने बीएसएफ का टोपी पहनकर गायत्री को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी अंशु कुमार पांडे, मुखिया होपना टुडू, ग्राम प्रधान सलाहै मुर्मू एवं जयप्रकाश ठाकुर सुरजु किस्कु आदित्य भगत,

सामाजिक विकास प्रबंधक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, शहरी विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार डॉ रणजीत कुमार सिंह शिक्षाविद प्राचार्य मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज भू वैज्ञानिक सह पर्यावरणविद शामिल थे।

बरहरवा के हरिजनपाड़ा में सफाई का कार्य प्रारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/साहिबगंजः प्रखण्ड अंतर्गत बरहरवा नगरपंचायत के वार्ड संख्या 03 के हरिजनपाड़ा में विगत कुछ दिनों पूर्व से नाला जाम होने की वजह से नाला का पानी सड़क के ऊपर आ गया था| जिसकी शिकायत प्रखण्ड महासचिव ने कुछ दिनों पूर्व नगर के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार को की थी ।

दीपक कुमार ने समस्या को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही की, एवं सफाई कर्मी की एक टीम को हरिजनपाड़ा भेज कर नाला सफाई करने को लगवा दिया। सभी वार्ड वासी में खुशी का माहौल। साथ ही सभी ने प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार सहित कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार को धन्यवाद दिया।

मौके पर प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार,मानिक रविदास, मोहम्मद तबारक, मोहम्मद कमाल,मोहम्मद आफताब,पंचू रविदास सहित दर्जनो वार्ड वासी एवं सफाई कर्मीगण उपस्थित थे।

राजमहल पहाड़ बचाने को लेकर एनजीटी में सुनवाई आज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर द्वारा एतिहासिक राजमहल पहाड़ को बचाने व संवर्धन हेतु तथा जिले में अवैध रूप से संचालित सभी स्टोन माईंस व क्रशर को बंद कराने को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ईस्टर्न जोन कोलकाता में दायर याचिका संख्या ओए -23/2017 की सुनवाई आज पीठ के जुडिशयल मेंबर न्यायमुर्ति बी.अमित स्टालेकर व एक्स्पर्ट मेंबर डा.अरूण कुमार वर्मा दिन के 10:30 बजे से करेगी.सुनवाई में भाग लेने के लिए अरशद भी कोलकाता पहुँच गए हैं.सुनवाई पुर्व झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड रांची को एनजीटी में हलफनामा दायर कर बताना है कि अब तक किन किन पत्थर कारोबारियों ने कितना कितना पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुर्माना राशि जमा क्या है।

आज की सुनवाई पर पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारियों समेत सभी पत्थर कारोबारियों की नजरें टिक गयी है।

आयुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर अत्यधिक लोग पहुंचे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/साहिबगंजः आयुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर विशेष शिविर में सोमवार को काफी भीड़ देखी गई। मालूम हो कि इस कार्यक्रम के तहत 7 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सभी प्रखंड मुख्यालय में आयुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया है, सभी प्रकार के हरा एवं लाल कार्ड तथा पीला कार्ड धारकों का आयुष्मान भारत कार्ड बनवाया जा रहा है। ऐसे तो प्रत्येक दिन सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आम जनता के लिए यह सुविधा उपलब्ध है, जहां कोई भी व्यक्ति अपना राशन कार्ड लेकर जा सकता है, एवं अपना आयुष्मान भारत कार्ड बनवा सकता है। पर नागरिकों के सुविधा अर्थ 7 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सभी प्रखंड मुख्यालय में आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने को लेकर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सोमवार को इस विशेष शिविर में 66 लोग उपस्थित हुए थे, जिसमें से 33 व्यक्तियों का आयुष्मान भारत कार्ड बनवाया गया, और बाकी बचे लोगों में जिसका पहले से बना हुआ था उसे वापस कर दिया गया और कुछ लोग कागजात की त्रुटि के कारण अहर्ता पूर्ण नहीं कर सके। यह कार्यक्रम मंगलवार को दिन के 3:00 बजे तक चलेगा। इसकी जानकारी शिविर में उपस्थित ऑपरेटर पीयूष कुमार तथा मेरी मंजू हेंब्रम ने दिया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

प्रोटेम स्पीकर ने विधानसभा अध्यक्ष के पिता के निधन पर जताया शोक

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर प्रो0 स्टीफन मरांडी ने विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के पिता गोलक बिहारी महतो के निधन पर शोक प्रकट किए हैं। वे 87 वर्ष के थे। उनका स्वर्गवास रविवार को सुबह 7 : 33 बजे हुआ। मरांडी ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि इस दुख की घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को शांति दें।

होटल में लगी आग, सारे सामान जल कर खाक

पलामू, एजेंसी। पांकी मस्जिद चौक कब्रिस्तान कॉम्प्लेक्स स्थित होटल में अचानक आग लगने से सारे सामान जल गए। इससे दुकानदार को लगभग एक लाख रुपये के सामान का नुकसान हुआ। भुक्तभोगी दुकानदार संझलु आंसारी ने बताया कि आग दुकान में कैसे लगी पता नहीं चल पा रहा है। दुकान में खाद्य सामग्री के साथ होटल में रखा हुई नकद राशि के साथ रोजमर्रा के आवश्यक सामान भी थे, जो जलकर राख हो गये। भुक्तभोगी ने पलामू उपायुक्त से मुआवजे की मांग की है। इस घटना से दुकानदार के समक्ष आथिर्क संकट उत्पन्न हो गया। वह अपने परिवार का भरण पोषण होटल से कर रहा था।

झारखंड सरकार के मंत्री ने राजद अध्यक्ष लालू से की मुलाकात

रांची, एजेंसी। झारखंड के श्रम और उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने पदभार संभालने के बाद रविवार को राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। साथ ही मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव से भी मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और विचार-विमर्श किया। लालू परिवार के नेताओं ने संजय प्रसाद यादव को राज्य हित और जनहित में काम करने की नसीहत देते हुए कहा कि निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक गरीबों के उत्थान के लिए काम करें। गांव-गांव जाकर गरीबों के दुख-दर्द को समझें और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करें। उन्होंने कहा कि राज्य, समाज और देश के विकास के लिए हमेशा अग्रसर रहना होगा एवं काम के माध्यम से विरोधियों को जबाव देना होगा। संजय प्रसाद यादव के साथ राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने भी मुलाकात कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मंईयां सम्मान योजना में अविलंब स्थिति का संज्ञान लें मुख्यमंत्री : बाबूलाल मरांडी

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रदेश की माताएं-बहनें मंईयां सम्मान योजना में हो रही लापरवाहियों से सशंकित हैं। चार महीनों से लंबित किश्त का भुगतान न होने से इन महिलाओं का धैर्य अब जवाब देने लगा है। फॉर्म भरने और जानकारी प्राप्त करने के लिए अंचल कार्यालयों में जाने वाली महिलाओं को अव्यवस्था और लचर प्रणाली का शिकार होना पड़ रहा है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि इस लचर रवैये ने सरकार की मंशा पर गंभीर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अविलंब स्थिति का संज्ञान लें और चार महीनों के लंबित किश्त भुगतान को सुनिश्चित करने के साथ मंईयां सम्मान योजना की प्रक्रिया को सरल बनायें, ताकि माताएं-बहनें आसानी से योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

मनिका में ट्रक व कार की टक्कर, दो घायल

लातेहार, एजेंसी। मनिका थाना क्षेत्र के नदबेलवा मोड़ के पास रविवार को ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिससे कार में सवार दो लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कार पलामू के बिजली विभाग एसडीओ की बताई जा रही है। जिसमें बिजली विभाग के एसडीओ दामोदर कुमार सिंह व अंगद कुमार सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार थाना व एसआई मनोज कुमार दुबे समेत पुलिस बल घटनास्थल पर पहुचे। जहां पुलिस प्रशासन के द्वारा घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां उनका प्राथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर देर शाम जानकारी मिली कि दोनों घायलों की स्थिति सामान्य है।

भाजपा का सदस्यता अभियान नहीं, संगठन पर्व है, झारखंड में 22 से शुरू होगा सदस्यता पर्व: डी पुरंदेश्वरी

रांची, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड में स्थगित पार्टी का सदस्यता संगठन महापर्व अब 22 दिसंबर से विधिवत प्रारंभ होगा। इसको लेकर रविवार को नगड़ी रांची स्थित स्वर्णरेखा बैंक्वेट हॉल में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए झारखंड की सदस्यता प्रभारी एसह आंध्रप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष सांसद डी पुरंदेश्वरी ने कहा कि भाजपा का सदस्यता कार्यक्रम अभियान नहीं बल्कि संगठन महापर्व है। भाजपा यह संगठन महापर्व अन्य पर्व की तरह अपने विशाल परिवार के साथ मनाती है।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी : आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। पार्टी ने वर्ष 2014 में ऑनलाइन के माध्यम से सदस्यता कार्यक्रम को प्रारंभ किया था। जिसमें पूरे देश में 9 करोड़ सदस्य बने थे। आज चार राज्यों जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड को छोड़कर जिसमें विधानसभा चुनाव के कारण सदस्यता कार्यक्रम स्थगित था, के बावजूद पार्टी ने अब तक देश भर में 11 करोड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 11।35करोड़ सदस्य बना लिए हैं। चार राज्यों में सदस्य पूरी होने के बाद यह संख्या 14 करोड़ तक जा सकती है। भाजपा के कार्यकर्ता जो ठान लेते हैं उसे पूरा कर दिखाते हैं।

भाजपा विचारों और कार्यकर्ताओं की धनी पार्टी : भाजपा विचारों और कार्यकर्ताओं की धनी पार्टी है। हमारे पास देश के लिए जीने मरने का जज्बा है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय हमारे नेता के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। सदस्यता पर्व के माध्यम से हम प्रत्येक बूथ के प्रत्येक घर तक पहुंचना है।

अब पार्टी संगठन महापर्व में जुट गई है: बाबूलाल : प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लोकतंत्र के पर्व के बाद अब पार्टी संगठन महापर्व में जुट गई है। संगठन महापर्व का लक्ष्य सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी भाजपा का निर्माण। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जनता ने पार्टी को पूरा आशीर्वाद दिया है। भले हम विधानसभा चुनाव में संख्या बल में पीछे रह गए लेकिन 59 लाख लोगों का समर्थन भाजपा को मिला है। चुनाव एक पड़ाव है लेकिन हम जनता के बीच बार बार जायेंगे। अपने नीतियों कार्यक्रमों के माध्यम से जायेंगे। सर्वस्पर्शी सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी भाजपा ही विकसित झारखंड का आधार है। झारखंड से लोकतंत्र विरोधी, राष्ट्रविरोधी, विकास विरोधी ताकतों से लड़ने केलिए भाजपा के संघर्षशील और मजबूत संगठन को को निरंतर गति देनी है।

भाजपा के कार्यकर्ता चुनौतियों को अवसर में बदलने का जानते हैं हुनर: डॉ लक्ष्मीकांत : प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। यह सदस्यता महापर्व का कार्यक्रम मजबूत और संघर्षशील भाजपा बनाने का अवसर है। यह पर्व कार्यकर्ताओं का समाज से संपर्क, संबंध बढ़ाने का अवसर है। यह पर्व नए नेतृत्व को भी गढ़ता है। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि सदस्यता संगठन महापर्व के माध्यम से हमें प्रदेशभर में भाजपा की नई राजनीतिक सुगंध को पहुंचाना है। यह पर्व लोकसंग्रह और शक्ति संचय का भी पर्व है।

भाजपा की विचार यात्रा भारतीय विचारों से परिपूर्ण: नागेंद्र त्रिपाठी : क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा की विचार यात्रा भारतीय विचारों से परिपूर्ण है जबकि समाजवाद, पूंजीवाद, साम्यवाद जैसे विचार विदेशी प्रभाव से प्रभावित है। विकसित भारत का संकल्प भारत को गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण को दूर करके ही पूरा किया जा सकता है। एकात्म मानव दर्शन अंत्योदय का चिंतन और कार्यान्वयन ही विकसित भारत बनाने में सहायक है। भाजपा के विचारों और कार्यक्रमों को हमें जन-जन तक बार-बार ले जाना है। भाजपा केवल चुनाव केलिए नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग को राष्ट्र की प्रगति में जोड़ने केलिए संकल्पित है। राष्ट्र विरोधी शक्तियां भारत को तोड़ने केलिए दिन रात सक्रिय हैं। जिनकी योजना को भाजपा कार्यकर्ता ही विफल कर सकते हैं।

15 और 16 को सभी जिलों में आयोजित होंगी कार्यशाला: कर्मवीर : प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पीपीटी के माध्यम से सदस्यता महापर्व के कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कहा कि प्रदेश के तर्ज पर आगामी 15 एवं 16 दिसंबर को सभी जिलों में कार्यशालाएं आयोजित होगी। जिसने प्रदेश से नेता शामिल होंगे। जबकि 18 और 19 दिसंबर को सभी 515 मंडलों में कार्यशाला का आयोजन होगा। 22 दिसंबर को सदस्यता महापर्व का विधिवत शुभारंभ होगा। 25 दिसंबर को झारखंड निर्माता अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर प्रदेश भर में सदस्यता के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कांग्रेस की समीक्षा बैठक में दो कांग्रेसी भिड़े, वरिष्ठ नेताओं ने सुलझाया विवाद

धनबाद, एजेंसी। विधानसभा चुनाव में धनबाद जिले की छह में से तीन सीटों पर हुई कांग्रेस की हार की समीक्षा के लिए रविवार को उत्सव भवन में बैठक हुई। बैठक में दो कांग्रेसी नेता आपस में भिड़ गए। एक पक्ष से पिंटू तुरी व दूसरे पक्ष से इम्तियाज के बीच किसी बात को लेकर मारपीट हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि पिंटू तुरी मारपीट की लिखित शिकायत करने धनबाद थाना पहुंच गए। मामला बिगड़ता देख वरिष्ठ नेताओं ने हस्तक्षेप किया। काफी समझाने के बाद पिंटू तुरी थाने में बिना शिकायत किये वापस लौट आए। जिसके बाद वरिष्ठ नेताओं ने बैठक कर दोनों को काफी समझाया और झगड़े को शांत कराया। इधर, इम्तियाज ने किसी तरह के विवाद से इंकार किया है।

दूसरे पक्ष के पिंटू तुरी ने कहा कि विवाद में मारपीट तक नौबत पहुंच गई, जो नही होनी चाहिए थी। कांग्रेस गांधीवादी पार्टी है और मतभेद कोई बड़ी बात नही है। उन्होंने यह भी कहा जो हमारे साथ हुआ है वह किसी और के साथ न हो इसके लिए अलाकमान से इसकी शिकायत करेंगे। ताकि आलाकमान इस पूरे मामले की अनुशंसा कर उचित कार्यवाई करें। अगर ऐसा नहीं हुआ तो इससे यह प्रतीत होगा कि पार्टी में अनुजूचित जाति का कोई मान-सम्मान नही है।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम व जागरूकता विषय पर कार्यक्रम

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के सामुदायिक भवन, कोयला नगर में शनिवार को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम और जागरूकता विषय पर कार्यक्रम हुआ। बीसीसीएल की पोश समिति (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट) की ओर से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सह पूर्व महाप्रबंधक, आईआईसीएम डॉ किरण, विशिष्ट अतिथि सह दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष मिली दत्ता व बीसीसीएल के डीपी मुरली कृष्ण रमैया ने संयुक्त रूप से किया।

साथ ही राष्ट्रगान व कोल इंडिया गीत के अभिवादन माध्यम से कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। स्वागत भाषण में बीसीसीएल के डीपी ने कहा-हमारे समाज में नारी का सम्मान हमेशा सर्वोपरि रहा है। कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है।

मुख्य अतिथि डॉ किरण ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम पर विस्तृत जानकारी दी। दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया ने बीसीसीएल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि

आपसी सम्मान और संवेदनशीलता से कार्यस्थलों को सुरक्षित और समावेशी बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में डीएवी स्कूल, कोयला नगर के छात्रों ने स्वागत गीत और शिव शंकर नृत्य प्रस्तुत किया। लघु नाटकों ने दिया यौन उत्पीड़न रोकथाम के संदेश-नर्सिंग छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक व सिजुवा तथा पुटकी बलिहारी क्षेत्र की टीमों ने लघु नाटकों के माध्यम से यौन उत्पीड़न रोकथाम के संदेश को सरल और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया, रंजना सिंह व नमिता सहाय के साथ-साथ सीएमएस डॉ वंदना ठाकुर आदि मुख्य रूप से उपस्थित रही। मौके पर डॉ पद्मजा, डॉ अमिता बागची, डॉ मंजरी सिंह, एसजे कुजूर, महाप्रबंधक (कार्मिक) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (कल्याण) सरोज पांडे, विभागाध्यक्ष (विधि) डॉ केएस सिन्हा, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) सत्यप्रिय रॉय, विभागाध्यक्ष (प्रशासन) सुरेन्द्र भूषण, डॉ झूलन मुखर्जी, रवि कुमार, अर्चना, प्रभात कुमार के अलावा बड़ी संख्या में कंपनी के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

दोहरे हत्याकांड से आक्रोशित ग्रामीणों ने एक और उग्रवादी को मार गिराया

चाईबासा, एजेंसी। दोहरे हत्याकांड से आक्रोशित ग्रामीणों ने एक और उग्रवादी को मार गिराया है। चाईबासा जिले के ग्रामीण नक्सलियों के खिलाफ एकजुट हो गये हैं और जन आंदोलन छेड़ दिया है। चाईबासा के गुदड़ी और गोइलकेरा इलाके के 100 गांवों के करीब 15 हजार से ज्यादा ग्रामीण तीर-धनुष, तलवार और पारंपरिक हथियार के साथ सड़क पर उतर आये हैं। ग्रामीण चार दिन से इन इलाकों में पहाड़ी के 40 किमी दायरे में ऑपरेशन सेंदरा (शिकार) चला रहे हैं। इस क्रम में ग्रामीणों ने पीएलएफआई के ग्रुप लीडर मेटा टाइगर को तीर से मार गिराया था। इसके बाद ग्रामीणों ने मोटा टाइगर के शागिर्द गोमिया नामक उग्रवादी को भी गुदड़ी में घेरकर रविवार को मार दिया। हालांकि इस संबंध में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दो लोगों की हत्या से ग्रामीणों में आक्रोश

गुदड़ी के गिरू गांव में 24 नवंबर को रवि तांती और खूंटी निवासी सनसा टोपनो की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी थी। इस वारदात में परिवार के अन्य सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचायी थी। घटना में गुदड़ी पुलिस ने पीएलएफआई कमांडर मोटा टाइगर व गोमिया पर हत्या व उग्रवादी हिंसा का केस दर्ज किया था। इसके तीन दिन बाद 27 नवंबर की शाम को अज्ञात अपराधियों ने गोइलकेरा भरडीहा बाजार में सेरेंगदा गांव के युवक नमन लोमगा की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

पीएम मोदी की जान को खतरे का मैसेज भेजने वाला गिरफ्तार, पिता और पत्नी से पूछताछ के बाद भी नहीं मिले इन सवालों के जवाब

धनबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने के षड्यंत्र का मैसेज भेजने वाले मिर्जा नदीम बेग के पिता मिर्जा आरिफ बेग से बैंकमोड़ पुलिस ने रविवार को पूछताछ की है। हालांकि, पुलिस को उनसे नदीम के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिली। नदीम क्या करता था यह भी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

नदीम के पिता ने बताया है कि उससे उनका कोई लेना-देना अब नहीं है। उससे मिले छह महीने से अधिक हो गए हैं, नदीम की उनसे कोई बातचीत भी नहीं होती है।

मालूम हो कि रविवार को नदीम को पुलिस ने अजमेर में पकड़ा था। बकौल आरिफ जून में नदीम धनबाद आया था, उसके बाद चला गया। पहले वह बहरीन में नौकरी करने गया था।

वेल्डिंग का काम उसे अच्छा आता है। बहरीन से तीन माह बाद ही लौट आया, उसके बाद पालनपुर में किसी कंपनी में काम करना शुरू कर दिया। मटकुरिया में अब आरिफ के साथ छोटा बेटा मासूम व बेटी रहती है।नदीम की पत्नी मुस्कान भी काफी पहले उसे छोड़ कर गिरिडीह के बेंगाबाद

महेशमुंडा में अपने मायके में रहने लगी थी। इधर बैंकमोड़ थाने की पुलिस ने महेशमुंडा जाकर उसकी पत्नी से पूछताछ की है। मुस्कान ने भी यही कहा कि नदीम से अब उसका वास्ता नहीं है। उससे विवाद चल रहा है। इस संदर्भ में उसने धनबाद महिला थाने में शिकायत भी की थी।

नदीम की पत्नी उसे छोड़कर अपने पिता के घर में रहती है। नदीम क्या करता है, उससे उसे कोई मतलब नहीं। दोनों के बीच में फोन पर भी कोई बातचीत नहीं होती।नदीम के बारे में जानकारी के लिए बैंकमोड़ थाने की पुलिस ने वासेपुर पांडरपाला के राजू झाड़ी को रविवार की रात उठाया था।

हालांकि, राजू ने भी नदीम से कोई संपर्क नहीं होने की बात कही।

पुलिस ने राजू के मोबाइल का एक साल का कॉल डिटेल भी देखा। उसमें राजू की नदीम के साथ बातचीत की पुष्टि नहीं हुई, जिसके बाद उसे छोड़ दिया गया है।पुलिस के अनुसार नदीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान का खतरा बताते हुए एक मोबाइल मैसेज मुंबई पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन नंबर पर भेजा था।नदीम ने मैसेज में जिस राजड़िया का जिक्र किया है, उसके बारे में पुलिस को शक है कि वह राजस्थान के अजमेर का ही रहने वाला हो सकता है। नदीम फिलहाल मुंबई पुलिस की हिरासत में है।

लूटकांड में रांची के सोनार सहित चार गिरफ्तार, लूट का सामान बरामद

रांची , एजेंसी। रांची के सोनार सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के सिमलिया निवासी शत्रुघ्न कुमार शामिल है। शत्रुघ्न लूट का माल खरीदने में पकड़ा गया है। इस गिरोह के तीन अपराधी पहले से जेल में हैं।

रविवार को संवाददाता सम्मेलन में एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि 23 अक्टूबर की देर रात पांकी थाना क्षेत्र के गजबोर गांव में कृष्णा सोनी के घर में छह अपराधी घुसे थे। इस दौरान सोना, चांदी के जेवर और रूपया को लूटकर फरार हो गए थे। एसपी ने बताया कि अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी लेस्लीगंज के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। गैंग के सदस्य उपेंद्र कुमार उर्फ उपेंद्र विश्वकर्मा (29) के अपने घर ढूब गांव आने की जानकारी मिली थी। शनिवार को पुलिस की टीम ढूब गांव पहुंचीं और उपेंद्र को गिरफ्त में ले लिया। पूछताछ में उपेंद्र ने अपने साथियों की जानकारी दी।

इसके बाद गैंग के सरगना ढूब गांव के ही रहने वाले सतीश राम उर्फ सतीश चन्द्रवंशी (35), पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के पगार खुर्द निवासी छोटू कुमार सिंह (24)

और रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के सिमलिया गांव के रहने वाले शत्रुघन कुमार वर्मा (34) पुलिस के हाथ लग गए। शत्रुघन के घर से लूटा गया जेवर को गलाने के बाद बनाया गया गोला मिला है। लूट के जेवर को गलाकर सोने का गोला बनाया गया था। साथ ही लूटा गया दो मोबाईल, ताला तोड़ने के लिए उपयोग किया गया औजार मिला है। एक देशी कट्टा, दो गोली मिली है। एसपी ने बताया कि गैंग का सरगना सतीश 13 साल से लूटपाट कर रहा है। इसके ऊपर बरवाडीह, रांची के सुखदेवनगर, पांकी, पाटन, सदर थाना में सात मामले दर्ज हैं। सतीश पंजाब में रहकर काम करता है। लूटपाट के लिए आता है और लूट के बाद फिर पंजाब भाग जाता है। फिलहाल अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए आया था। वहीं छोटू पर बरवाडीह और पिपराटांड़ थाना में आधा दर्जन केस दर्ज है। छोटू रांची में रहकर ई-रिक्शा चलाता है। लूट का प्लान बनने पर रांची से आ जाता था।

इस मामले में शामिल तीन अपराधी एक सप्ताह पहले ही अलग - अलग कांड में गिरफ्तार होकर जेल चले गए हैं। सतबरवा थाना क्षेत्र के पोंची गांव का रहने वाला गुलशन कुमार विश्वकर्मा कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गैंग के साथ जुड़ा हुआ है। चैनपुर इलाके में क्रशर प्लांट पर रंगदारी मांगने गया था। इसी दौरान एक दिसंबर को वह गिरफ्तार हो गया। पांकी के केरकी माड़न का रहने वाला गुड्डू भुईयां उर्फ परमेंद्र राम को आर्म्स एक्ट और 17 सीएलए में दो दिसंबर को लातेहार के हेरहंज थाना ने गिरफ्तार किया। लेस्लीगंज के नौरंगा गांव के रहने वाले देवराज भुइयां को सात दिसंबर को सदर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी में गिरफ्तार किया है।

फरवरी में होगा नौ दिवसीय महायज्ञ

धनबाद, एजेंसी। चिटाहीधाम रामराज मंदिर परिसर में फरवरी 2025 में भव्य महायज्ञ होगा। महायज्ञ व शोभा यात्रा को लेकर रविवार को मंदिर परिसर में बाघमारा क्षेत्र के रामभक्तों की बैठक हुई। मौके पर मुख्य यजमान सह धनबाद सांसद ढुलू महतो, उनके बड़े भाई बाघमारा विधायक शत्रुधन महतो की उपस्थिति में महायज्ञ व शोभा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने को लेकर रामभक्तों ने अपने सुझाव दिये। महायज्ञ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ सहित कई वरिष्ठ नेता, कथा वाचक देवकी नंदन, अनिरुद्धचर्या जी, राजन महाराज, भोजपुरी गायक पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, अक्षरा सिंह, गायिका शहनाज, कुमार विश्वास आदि आयेंगे। शोभा यात्रा में विभिन्न प्रदेशों के 51 तरह के बैंड बाजे, हाथी, घोड़ा, ऊंट तथा झांकियां शामिल रहेंगी। सांसद ढुलू महतो ने कहा कि चिटाही धाम में महायज्ञ को लेकर नामकरण, महायज्ञ की तिथि, भव्य शोभा यात्रा, यज्ञ समिति का गठन, यज्ञ स्थल का निर्माण, मंदिर की सज्जा, लाइट, पंडाल की व्यवस्था, महाभंडारा, प्रचार-प्रसार व बैनर की व्यवस्था को लेकर सभी रामभक्तों की जिम्मेवारी है। विधायक शत्रुधन महतो ने कहा कि महायज्ञ को सफल बनाने के लिए सभी रामभक्तों को तैयारी में लग जाना है।बच्चू राय, शेखर सिंह, लाल बहादुर महतो, दिनेश महतो, अमित सिन्हा, रघुनाथ हजारी, संतोष गोराई, राजू शर्मा, हरखलाल महतो, पप्पू सिंह, बंटी बाउरी, सुभाष राय, दिनेश रवानी, धनेश्वर महतो, भीम रवानी, बिट्टू चौहान, देवानंद साव, सरोज विश्वकर्मा, काजल सिंह, उदय शंकर दुबे, अजय महतो, खुशवंत देवा, काले सरदार, प्रकाश चौहान, राजेश सिंह, नागेंद्र सिंह, राजीव मित्रा आदि।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024

आजादी के दशकों बाद भी देश की सडक़ों के हाल बेहाल

जब भी कभी हम विदेशों की सडक़ें और राजमार्गों पर फर्राटे से दौड़तीं गाडिय़ों को देखते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि हमारे देश में ऐसे दृश्य कब दिखेंगे। आजादी के इतने दशकों बाद भी हमारे देश की सडक़ों के हाल बेहाल है। राजनैतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं पर इन बुनियादी सुविधाओं पर किसी भी दल का ध्यान नहीं जाता, लेकिन बीते कुछ वर्षों में सडक़ों व राजमार्गों के बनने में तेजी अवश्य आई है। वो अलग बात है कि चुनावी घोषणाओं के दबाव में और जल्दबाजी में इन सडक़ों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। राजनैतिक दल कोई भी हो राजमार्ग बनाने की जल्दी में किसी ने भी राजमार्गों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि विदेशों में राजमार्गों पर होने वाले हादसों के प्रति वहां की सरकारी और नागरिक काफी संवेदनशील हैं। दो वर्ष पहले जब मशहूर उद्योगपति साइरस मिस्त्री की एक सडक़ हादसे में मृत्यु हुई थी तो सडक़ नियमों को लेकर काफी चर्चा हुई। इस हादसे के पीछे कई कारण बताए गए, जैसे की तेज गति, हादसे की जगह सडक़ का कम चौड़ा होना, आदि। परंतु बुनियादी सवाल यह है कि किसी अमीर व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली महंगी लग्जरी कार हो या किसी मामूली ट्रक या बस ड्राइवर द्वारा चलाए जाने वाला साधारण वाहन, क्या वाहन चलाने वाले और परिवहन नियम लागू करने वाले अपने-अपने काम के प्रति जिम्मेदार हैं? क्या ये कहना गलत नहीं होगा कि हमारे देश में सडक़ सुरक्षा और परिवहन के नियम और कानून दोनों ही काफी लचर हैं। यही कारण है कि भारत में सडक़ दुर्घटनाएं और देशों की तुलना में काफी ज्यादा होती हैं? यदि कानून की बात करें तो हमारे देश के कानून इतने लचर हैं कि सडक़ दुर्घटना में यदि किसी की मृत्यु भी हो जाती है तो वाहन चालक को बड़ी आसानी से जमानत भी मिल जाती है। ज्यादातर ट्रक व बस ड्राइवरों को भी इस बात का पता है कि उन्हें कड़ी सजा नहीं मिलेगी। सडक़ नियम और कानून को सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी केवल ट्रैफिक पुलिस की नहीं होनी चाहिए। इनको लागू करने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए। होता यह है कि देश भर में सडक़ व यातायात नियमों के लिए केवल साल में एक ही बार ऐसे अभियान चलाए जाते हैं। यदि ऐसे जागरूकता अभियान महीने में एक बार चलाए जाएं तो ड्राइवरों और आम जनता के बीच जानकारी सही से पहुंचेगी। वे जागरूक होंगे और नियम तोडऩे से पहले कई बार सोचेंगे। इसके साथ ही कानून में भी कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए जिससे कि सभी के बीच एक संदेश जाए कि यदि सडक़ और यातायात नियमों को अनदेखा किया या उन्हें तोड़ा तो उसका परिणाम महंगा पड़ेगा। कड़े कानून लागू होने की बात करें तो होता यह है कि कई सडक़ों पर और राजमागरे पर कुछ निर्धारित स्थानों पर स्पीड चेक करने वाले कैमरे लगे होते हैं। इनकी जानकारी वहां से नियमित रूप से निकालने वाले ड्राइवरों को पहले से ही होती है। इसलिए वे उस जगह पर अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं। ऐसे में दुर्घटनाएं टल तो जाती हैं परंतु जैसे ही वो कैमरे की दृष्टि से दूर होते हैं, वैसे ही गाड़ी के एक्सलेरेटर को जोर से दबा देते हैं। मतलब यह हुआ कि केवल चालान से बचने की नीयत से ही वे गाड़ी को निर्धारित गति से चलाते हैं, जबकि यह तथ्य जगज़ाहरि है कि यदि आप अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं तो न सिर्फ दुर्घटना टलती है बल्कि ईंधन भी कम खर्च होता है। सरकार और ट्रैफिक पुलिस को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि जो कैमरे तेज रफ्तार से चलने वाली गाडिय़ों का चालान करते हैं, उनसे अधिक काम भी लिया जा सकता है। स्पीड कैमरे की तकनीक की बात करें तो उसमें लगे रेडार से एक सिग्नल जाता है जो केवल तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ी की ही फोटो खींचते हैं। यदि इसी तकनीक में थोड़ा सा सुधार किया जाए तो वही कैमरा कई ट्रैफिक उल्लंघनों की फोटो भी खींच सकता है। ये सब बातें मैं इसलिए कह रहा हूं कि जब आज से कुछ वर्ष पहले मैं लंदन की यात्रा पर था तो वहां मेरे स्थानीय मित्र ने गाड़ी को राजमार्ग पर लाने से पहले चश्मा लगा लिया। मेरे पूछने पर उन्होंने बताया कि, 'मेरी गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस पर जो फोटो लगी है उसमें मैंने मामूली नंबर का नजर का चश्मा पहना हुआ है। यदि मैं बिना चश्मे के गाड़ी चलाऊंगा तो मेरा चालान हो जाएगा।' उनका मतलब यह था कि जगह-जगह लगे कैमरे हर पहलू को पकड़ लेते हैं। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक से बढक़र एक गुणवत्ता वाले कैमरे उपलब्ध हैं जो इन सभी पहलुओं को पकड़ सकते हैं। जरूरत केवल सही सोच और पहल करने की इच्छा की है। देखना यह है कि हमारे देश में ऐसे बदलाव कब होंगे? केवल चुनावी घोषणाओं के चलते नये-नये राजमार्ग खोलने से कुछ नहीं होगा। सडक़ और यातायात नियमों को सख्ती से लागू भी किया जाए। शायद तभी हमारे देश में सडक़ दुर्घटनाओं में कमी आए।

तेजी से बढ़ी महंगाई

महंगाई और सामान्य आमदनी ना बढऩे से ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे पहली चोट 50,000 रुपये मासिक से कम आय वाले परिवारों पर पड़ी। अब 50 हजार से एक लाख रुपए आमदनी के बीच वाले परिवार प्रभावित हो रहे हैं। बाजार की एजेंसियां जब मध्य वर्ग के ह्रास की बातें करने लगें, तो समझा जा सकता है कि आर्थिक संकट कितना गहरा हो चुका है। मध्य वर्ग किसी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। यही तबका है, जिसके उपभोग की आकांक्षाएं लगातार बढ़ रही होती हैं। मध्य वर्ग का आकार बढ़ रहा हो, तो अर्थव्यवस्था में मांग, निवेश, उत्पादन और वितरण का चक्र स्वाभाविक रूप से तेज होता जाता है। यह आर्थिक विकास का वास्तविक पैमाना है। मगर भारत में कहानी पलट चुकी है। सबसे पहले इससे छोटी कारों आदि जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं बनाने वाली कंपनियां प्रभावित नजर आईं। फिर रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं की उत्पादक कंपनियों के अधिकारी कहते सुने गए कि भारत में जो मध्य वर्ग होता था, वह सिकुड़ रहा है, जिससे कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। फिर वित्तीय अखबारों में इसकी पड़ताल करते हुए लंबी रिपोर्टें छपने लगीं कि आखिर मध्य वर्ग को हुआ क्या है। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का उल्लेख कर बताया गया कि सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में घरेलू बचत का अनुपात 50 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। कारण अनसिक्योर्ड ऋण की मात्रा का बढऩा है, जिसे चुकाने की जद्दोजहद में बचत के लिए कुछ बचता ही नहीं है।

मानवता के लिए सार्थक बने मानवाधिकार दिवस

(मानवाधिकार दिवस विशेष)

रमेश सर्राफ धमोरा

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर, 2024 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 76वीं वर्षगांठ है। 2024 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है। कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है, क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राजनेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं। मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता। भारत में 28 सितम्बर, 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर, 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है। पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मो-सितम को

रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीड़न पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं। इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जाति के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है। सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाई अमल में नहीं लाई जाती है, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

ऐतिहासिक हैं भारत के तीन नए आपराधिक कानून

डॉ. विपिन कुमार

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ में तीन आपराधिक कानूनों को देश को समर्पित किया । इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नए कानूनों के माध्यम से त्वरित न्याय की उम्मीद जताई, जो पूरी तरह से सार्थक भी है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-जैसे तीन नए आपराधिक कानून हमारे समाज में गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए, संगठित अपराध, आतंकवाद और ऐसे अन्य अपराधों पर भी कड़ा प्रहार करते हैं। इन प्रयासों से हमें अपने कानूनी व्यवस्था को आजादी के अमृतकाल में अधिक प्रासंगिक और सहानुभूतिपूर्वक प्रेरित करने के लिए पुनर्भाषित करते हैं। इन कानूनों को मूर्त रूप देने में केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह की भूमिका भी उल्लेखनीय रही है।कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी मोदी सरकार द्वारा लाए गए इन कानूनों का विरोध करते हैं और यह दलील देते हैं कि इससे देश में तानाशाह की प्रवृत्ति बढ़ेगी। लेकिन, मैं उनके इन दलीलों को पूरी तरह से हास्यास्पद मानता हूं। क्योंकि, यदि आप भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली के इतिहास को देखें, तो पाएंगे कि पुराने कानून औपनिवेशिक न्यायशास्त्र की प्रतिकृति हैं, जिन्हें पूरे देश पर शासन करने के लिए बनाया गया था, न कि हमारे देश की नागरिकों की सेवा के लिए। इसी भाव-शून्यता के कारण ये कानून आमजनों के उत्पीड़न और शोषण का उपक्रम बन गए, जिनका उद्देश्य वास्तव में निर्दोषों के अधिकारों की रक्षा और दोषियों को दंडित करना होना चाहिए था। इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाए गये नए कानून निश्चित रूप से उपनिवेशिक युग के कानूनों के अंत का प्रतीक हैं। सार्वजनिक सेवा और जनकल्याणकारी कानूनों से एक नए युग की शुरुआत हुई है। हमें याद रखना होगा कि न्याय में देरी केवल लोगों को हताश-निराश ही नहीं करती, बल्कि किसी न किसी स्तर पर देश के विकास की गति को भी बाधित करती है। इसके अतिरिक्त देश की छवि को भी खराब करने का काम करती है। जब समय पर न्याय नहीं मिलता तो कानून एवं व्यवस्था का आदर न करने और उसके उल्लंघन के आदी लोगों का दुस्साहस बढ़ता है। तीनों आपराधिक कानूनों पर अमल से एक ओर जहां 60 दिन के अंदर आरोप तय किए जाएंगे, वहीं दूसरी ओर सुनवाई पूरी होने के 45 दिन के अंदर फैसला सुनाना आवश्यक होगा।आंकड़े बताते हैं कि भारत के न्यायिक व्यवस्था में 3.5 करोड़ से भी अधिक लंबित मामले हैं और यहां विचाराधीन कैदियों की संख्या 77 फीसदी है, जो दोषियों की संख्या से तीन गुना अधिक है। वहीं, भ्रष्टाचार, अत्यधिक काम का बोझ और पुलिस की जवाबदेही तीव्र और पारदर्शी न्याय व्यवस्था को कायम करने की दिशा में एक बड़ी बाधा है। ऐसे में, मोदी विरोधी इस बात को समझें कि नियमों में बदलाव समय की मांग थी। सरकार के इन प्रयासों से निश्चित रूप से हमारे न्याय प्रणाली में अपेक्षित सुधारों को सुनिश्चित करते हुए, न्यायालयों को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। देश में न्यायिक सुधार को बढ़ावा देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों द्वारा भी बारंबार आग्रह किया गया है। क्योंकि, आजादी के बाद न्यायालय की स्वतंत्रता को ध्यान में रखते हुए, ऐसे सुधारों को लागू नहीं किया जा सका है।

लेकिन, मोदी सरकार ने हमें 10 वर्षों के दौरान हमें एक नई उम्मीद दी है।कानून के जानकार इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है' और भारतीय संदर्भ में यह बात पूरी तरह से चरितार्थ होती है। यह कोई छिपाने वाली बात नहीं है कि लंबित मामले और विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या हमारे समाज में अन्याय की भावना को जन्म देता है। हमने अखबारों की सुर्खियों में ऐसा कई बार पढ़ा है कि किसी मामले में न्यायालय जब तक अपना फैसला सुनाता है कि आरोपित की मृत्यु हो चुकी होती है। वहीं, कई बार ऐसी स्थिति भी होती है, जब कोई आरोपी अपने आरोपों के दंड से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। फिर, वर्षों तक जेल में रहने के बाद उन्हें न्यायालय से आरोप मुक्त कर दिया जाता है। ऐसी स्थिति न्याय की दृष्टि से अन्याय को जन्म देती है। इस स्थिति में त्वरित सुधार की दृष्टि से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून समय की अनिवार्यता हैं और हमें इन प्रयासों का स्वागत करना चाहिए। हालांकि, अभी बस केवल एक शुरुआत हुई है। हमें निकट भविष्य में अपने न्याय व्यवस्था की कार्य पद्धति के विविध पक्षों में सुधार पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, जिनमें नियुक्तियां, स्थानांतरण व अवसंरचनात्मक विकास जैसे प्रमुख घटक हैं। इसके अलावा, भारतीय न्यायिक सेवा में भाषायी मुद्दों का भी एक विशेष ध्यान रखना होगा। जैसे कि यदि कोई कन्नड़ बोलने वाला व्यक्ति ओडिशा में न्यायाधीश का पदभार संभाला है, तो इससे वहां न्यायाधीशों और जनता के माध्यम से संचार में रुकावट पैदा होती है। इसलिए प्रयास यह होना चाहिए कि ऐसी नियुक्तियों के दौरान हमारी भाषायी और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखा जाए। साथ ही, हमें अपने न्याय व्यवस्था में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल भी बेहद कुशलतापूर्वक करना होगा। इससे न्यायालय और न्यायाधीशों के अलग-अलग प्रदर्शनों को मूल्यांकन करना बेहद आसान हो जाएगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि आने वाले कुछ वर्षों में हम इस दिशा में तेजी के साथ कार्य करेंगे और समाज में अधिकार और न्याय को स्थापित करने की दिशा में आने वाली हर एक बाधा को दूर करते हुए पूरे विश्व के सामने एक उदाहरण पेश करेंगे।

(लेखक, वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

मेष राशिः आज आपका दिन बढिय़ा रहेगा। आज कुछ महत्वपूर्ण लोगों से आपकी जान-पहचान बढ़ेगी। आज आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। साथ ही आपके अधूरे काम पूरे भी होंगे। अपने व्यक्तित्व के दम पर आप कुछ लोगों को अपने फेवर में करने में सफल होंगे, जिसका पूरा फायदा मिलेगा। सफर के दौरान किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आपको खुशी महसूस होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज आप कुछ नया करने की सोचेंगे। अगर आप सूझ-बूझ से काम लेंगे, तो आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। आज आप अपनी मेहनत के बल पर अपने कार्य समय रहते पूरा करने में सफल होंगे। आज आपको संतान सुख की प्राप्ति के योग बन रहे है। आज धैर्य पूर्वक किया गया फैसला लाभदायक सिद्ध होगा। छात्रों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

मिथुन राशिः आज आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा। आज आपका मन सामाजिक कार्यों में लगेगा। घरेलु कार्यों में दोस्तों का सहयोग मिलेगा। तरक्की मिलने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। संतुलित भोजन करने से आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। आज आप थोड़े सोच-विचार में रहेंगे। आज आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए किसी अच्छे दोस्त के साथ योजना बनायेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। घर में किसी बड़े की सलाह लेकर ही आपको कोई बड़ा कदम उठाना चाहिए। कामकाज ज्यादा होने से आज आप कुछ ज्यादा ही व्यस्त रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। परिवार वाले आज आपके व्यवहार से प्रसन्न होंगे। आज आपके बिजनेस में तरक्की होगी। आज ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको कुछ उपहार देंगे।

सिंह राशिःआज आप अपनी वर्तमान स्थिति से प्रसन्न रहेंगे। आज बच्चों के साथ आपका समय बेहतर बीतेगा। कारोबार में आपको फायदा होने की संभावना है। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है, शिक्षकों का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन में नई खुशियाँ आने से मधुरता और बढ़ेगी। व्यापार के सिलसिले में आज आपको दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ेगी, ये यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी।

कन्या राशिः आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपका तनाव काफी हद तक ख़त्म हो जायेगा। आपको पैसे कमाने के कई नए मौके मिलेंगे। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें शोहरत और पहचान भी मिलेगी। लोगों को तेजी से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाएं रखेगी। लवमेट के रिश्तें में नयापन आयेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज कुछ नया सीखने का मौका आपको मिलेगा। ऑफिस में जूनियर आपका सहयोग करेंगे। नए लोगों से मुलाकात के कुछ अच्छे मौके मिलेंगे। दिनभर की भागदौड़ के बाद शाम को आपको थोड़ी थकावट महसूस होगी, लेकिन जल्द ही रिलेक्स भी हो जायेंगे। जॉब के लिए नई संभावनाओं की तलाश पूरी होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। शाम तक आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी। संचार-साधनों से आपको फायदा होगा। आज आप दोस्तों के साथ पार्टी करेंगे। आज आपके लिए ज्यादातर चीजें बहुत आसानी से सुलझती जाएंगी। कुछ नए अनुभव भी आपको प्राप्त होंगे। कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात होगी, जिनके पास पैसे कमाने के बहुत अच्छे विचार होंगे। लोगों की मदद से आपकी इनकम बढ़ेगी।

धनु राशिः आज आप व्यावहारिक रहेंगे। इस राशि के जो लोग कंट्रक्शन का कार्य कर रहे हैं, उन्हें कोई बड़ा फायदा होगा। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी मिलेगी। करियर में आपको सफलता मिलेगी। किसी मित्र से मिलने उसके घर जायेंगे। आज आप कहीं जाने का प्लान बनायेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन धार्मिक गतिविधियों में बीतेगा। जमीन-जायदाद के कागजात को आज सम्भाल कर रखे। साथ ही अपने आस-पास हो रही गतिविधियों पर भी नजर रखने की आवश्यकता है। अगर आप कुछ चीजों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने की संभावना है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आप ऐसा कोई काम करेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी। आज आपको नये ऑफर मिलेंगे, इसके लिए आपको तैयार रहना चाहिए। आज आप सामाजिक कामों में सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग विवाहित हैं, वे शाम को किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डीनर का प्लान बनायेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। माता-पिता आपकी ख़ुशी देखकर प्रसन्न होंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी, उनके साथ आप देर तक बात करेंगे। कामकाज के क्षेत्रों में परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

शब्द पहेली - 8337

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10						11	
12		■	13		14	■	15	
■	16			■	17			■
18		■	19	20		■	21	22
23		■	■		■	■	24	
	■	25	26		27	28	■	
29				■	30			

बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक -2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8336 का हल

■	ल	बा	दा	■	स	ल	वा	र
प	■	■	न	सी	ब	■	■	त
ल	■	र	वी	■	क	ल	■	ज
क	म	त	र	ता	■	त	म	गा
■	द	■	ता	■	रा	■	ग	■
म	न	का	■	मो	ह	त	र	मा
र	■	ला	र	■	दे	र	■	म
ह	■	■	प	र	ख	■	■	ला
म	र	घ	ट	■	ना	पा	क	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'***; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

दो बाइक की टक्कर में 2 लोगों की मौत : शिव चर्चा कराकर पटना लौटते समय हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर हसन बाजार थाना क्षेत्र के तरारी मोड़ के समीप रविवार को दो बाइक में टक्कर होने से दो लोगों की मौत हो गई। एक मृतक की पहचान बक्सर के नावानगर गांव निवासी नावानगर गांव निवासी उमेश सिंह (48) के रूप में हुई है। जो पेशे से कारोबारी थे। करीब दो साल से पटना में अपना मकान बनाकर परिवार के साथ रहते थे। दूसरा मृतक पीरो थाना क्षेत्र के चतुर्भुजी बरांव गांव निवासी मोनू सिंह (28) हैं। नावानगर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह ने बताया कि उमेश सिंह बिक्रमगंज से शिव चर्चा कर वापस पटना लौट रहे थे। वहीं, मोनू सिंह पैसा निकालकर अपने गांव के किराना दुकानदार को पैसा देने के बाद वो विक्रमगंज जा रहे थे। इसी बीच दोनों बाइक में टक्कर हो गई। घटना के दौरान घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने सूचना हसन बाजार थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर हसन बाजार थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार पुलिस बल के साथ फॉरेन घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बथानी के बंडी में प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

गया, एजेंसी। नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के बंडी बाजार में रविवार को सीओ स्पर्श सौरभ, अतरी सीओ सह मजिस्ट्रेट दिलीप कुमार और बथानी थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में बुलडोजर चला कर 59 में 49 घरों को तोड़कर अतिक्रमण हटाया गया। इस संबंध में नीमचक बथानी के सीओ स्पर्श सौरभ ने बताई कि बंडी बाजार में वर्षों से अतिक्रमण हटाने को लेकर शिकायत की जा रही थी साथ ही बाजार की सड़क भी चौड़ीकरण होनी थी। बंडी गांव के ग्रामीणों ने जिला लोक शिकायत पदाधिकारी को आवेदन देकर बंडी बाजार से अतिक्रमण मुक्त कराने की बात कही थी। आवेदन पर कार्रवाई करते हुए जिला पदाधिकारी ने बंडी बाजार से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया जिसके बाद मापी कर 59 घरों को चिह्नित किया गया था। रविवार को 49 घरों को तोड़कर अतिक्रमण हटाया गया। सीओ स्पर्श सौरभ ने बताई कि शाम हो जाने के कारण कुछ घर बच गए हैं उसे भी हटाया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर में 200 मरीजों का मुफ्त इलाज

गया, एजेंसी। गुरुआ बाजार स्थित सामुदायिक भवन मिरचक में रविवार को नि : शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। उद्घाटन लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने किया। इस दौरान डॉ. पुष्पेंद्र कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अर्चना कुमारी, किडनी व मूत्र रोग चिकित्सक डॉ राजेश रंजन, हड्डी रोग चिकित्सक डॉ. सौरभ कुमार सहित अन्य चिकित्सकों ने करीब 200 से ज्यादा मरीजों का मुफ्त इलाज किया और उन्हें उचित परामर्श दिया। इस मौके पर ज्योति कुमारी, शशिभूषण प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद उर्फ बड़ा बाबू, रामप्रवेश प्रसाद, प्रेमनाथ पथिक, अशोक आदि रहे।

सस्ती गोभी के लिए एक हफ्ते और करना होगा इंतजार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। अभी सस्ती फूलगोभी के लिए 15 दिसंबर तक इंतजार करना होगा। अक्टूबर-नवंबर में लगाए गए फूलगोभी के पौधे 15 दिसंबर के बाद कटने लायक हो जाएंगे। इसके बाद आवक बढ़ने से कीमत में गिरावट आएगी। जिले के गोभी उत्पादक किसानों के मुताबिक नवंबर में सौ रुपए किलो से शुरू गोभी अभी खुदरा में 50 रुपए किलो मिल रही है। आवक बढ़ने पर इसका दाम आधा हो जाने की उम्मीद है। बोचहां सर्फुद्दीनपुर के किसान मनोज चौधरी ने बताया कि पिछले वर्ष नवंबर में 60 रुपए किलो से शुरू गोभी दिसंबर में 15 से 20 रुपए किलो खुदरा बिकी थी। बताया कि मौसम का साथ नहीं मिलने से इस बार उपज पर असर पड़ा है। इस कारण पिछले साल की तुलना में दाम अधिक है।

सीएम महिलाओं का अपमान करते हैं, यात्रा निकालने से कोई फायदा नहीं : तेजप्रताप यादव

पूर्व मंत्री ने कहा-महुआ की जनता बुलाएगी तो 2025 में यहीं से चुनाव लड़ूंगा

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। लालू यादव के बड़े बेटे और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव ने सीएम नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि बिहार में लूट, हत्या और रेप की घटनाएं हो रही हैं। नीतीश कुमार की यात्रा से कोई फायदा नहीं होने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम महिलाओं का अपमान करते हैं। दरअसल, पूर्व मंत्री रविवार को हाजीपुर में एक अस्पताल का उद्घाटन करने जोहरी बाजार पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा, मैने महुआ में सड़क, अस्पताल का निर्माण कराया है। अगर महुआ की जनता चाहेगी तो मैं 2025 में यहीं से चुनाव लड़ूंगा। ये मेरा पुराना विधानसभा क्षेत्र है।

तेज प्रताप ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा, महुआ में हमने बुनियादी ढांचे को सुधारने का काम किया है। क्षेत्र की जनता से उनका जुड़ाव काफी मजबूत है। तेजप्रताप ने कहा, बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था बदत्तर हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री की स्थिति डांवाडोल है। इसी को लेकर मरीज सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने के लिए जाना नहीं चाहते और सभी प्राइवेट अस्पतालों की तरफ जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग सरकारी अस्पताल छोड़कर प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराए। तेज प्रताप ने दावा किया है कि जिस तरीके से झारखंड चुनाव के नतीजे देखने को मिले हैं, वैसा ही स्थिति बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में देखने को मिलेगा। बिहार में भी चुनाव जीतेंगे।

पहले भी महुआ से चुनाव जीत चुके हैं तेजप्रताप

तेज प्रताप यादव वर्तमान में समस्तीपुर के हसनपुर के विधायक हैं। तेज प्रताप यादव महुआ सीट से 2015 में चुनाव जीते थे। इसके बाद 2020 में इनको यहां से टिकट नहीं मिली थी। वहीं, नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार में तेज प्रताप यादव को स्वास्थ्य मंत्री का पद भी मिला था। बता दें कि 2020 में राजद विधायक मुकेश रौशन ने वहां से चुनाव लड़ जीत हासिल की थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी 15वीं यात्रा के दौरान क्या करेंगे

सीएम नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा को लेकर कैबिनेट सचिवालय ने सभी डीएम, कमिशनर, आईजी, डीआईजी, एसपी, एसएसपी को पत्र जारी किया गया है।

डॉ. विश्वनाथ यादव ने अपनी हार का ठीकरा प्रदेश सरकार पर फोड़ा

गया, एजेंसी। गया के बेलागंज विधानसभा उपचुनाव के राजद प्रत्याशी डॉ. विश्वनाथ यादव ने बेलागंज की नवनिर्वाचित एमएलए की ओर से गया से बेलागंज तक मेट्रो ट्रेन चलाने की मांग को भ्रामक करार दिया है। इसके अलावा वर्तमान विधायक पर उनके पिता के कार्यकाल की योजनाओं का श्रेय लेने का भी आरोप लगाया है। वहीं, चुनाव परिणाम को लेकर प्रशासन पर भी सवाल खड़े किया है। डॉ. विश्वनाथ यादव ने अपनी हार का ठीकरा सरकार पर फोड़ते हुए कहा कि उनके आदमियों को पकड़ा गया जिससे मेरा चुनाव प्रभावित हुआ। अपने पिता पूर्व विधायक सुरेंद्र यादव के कार्यकाल में जो सड़के नहीं बन सकीं उन सड़कों को उपचुनाव से पूर्व बनाए जाने के लिए चयनित होने की दावा करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन उनके समर्थकों को परेशान किया गया और चुनाव प्रभावित हुआ। आरोप लगाया कि वर्तमान विधायक पहले की की योजनाओं को नई बताकर श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

बांका में हथियार के बल पर युवक से लूट : विरोध करने पर बट से की पिटाई, दांत भी तोड़ा

बांका, एजेंसी। बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात तीन अज्ञात बदमाशों ने हथियार के बल पर बाइक चालक पर हमला कर बाइक, मोबाइल और नकदी लूट ली। घटना रविवार देर रात की है। जिसे जेठौर पुल के पास घटना को अंजाम दिया गया। बदमाशों ने विरोध करने पर देसी कट्टा के बट से हमला कर पीड़ित के दांत तोड़ दिए। इसके बाद लोहे की रॉड से सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की पहचाल सलेमपुर निवासी सत्यनारायण ठाकुर के रूप में हुई है।

पिस्टल के बट से मारकर किया जख्मी

जख्मी के बहनोई निरंजन ठाकुर ने बताया कि वो बौंसी से अपने घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में तीन बदमाशों ने घात लगाकर उनकी बाइक रोकी और कनपटी पर कट्टा तान दिया। विरोध करने पर बदमाशों ने उन्हें बुरी तरह पीटा और उनकी बाइक, मोबाइल और पांच हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। बताया कि निरंजन किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचे, जहां परिवारवालों ने उन्हें तुरंत रेफरल अस्पताल पहुंचाया। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।

गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा ने बताया कि घायल युवक के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

फसल बर्बाद करने पर दो पक्षों में मारपीट-गोलीबारी

जमुई में हमले का वीडियो आया सामने, जांच में जुटी पुलिस

जमुई, एजेंसी। जमुई के टाउन थाना क्षेत्र के लगमा स्थित खेत में लगे चने का फसल को ट्रैक्टर के जरिए बर्बाद करने पर दोनों पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी और रोड़ेबाजी हुई है। वहीं दोनों पक्षों के बीच मारपीट और गोलीबारी करने का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। इधर घटना की जानकारी के बाद टाउन थाने की पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। जानकारी के अनुसार लगमा निवासी रंजीत मंडल के खेत में लगे चने के फसल को उसके पड़ोसी राम जी मंडल के द्वारा ट्रैक्टर से बर्बाद कर दिया गया। जिसको लेकर जब रंजीत रावत ने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों के बीच झड़प होने लगा। वहीं देखते ही देखते एक पक्ष के रामजी मंडल की ओर से दर्जनों लोगों द्वारा रंजीत मंडल के घर पर

पहले ईंट-पत्थर चलाए उसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर रोड़ेबाजी होने लगी। वहीं दोनों पक्षों की ओर से लगभग एक दर्जन गोलीबारी भी की गई। जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गया। बताया जाता है कि गोलीबारी के बाद पूरे गांव के लोगों में किसी बड़ी अनहोनी की आशंका को लेकर भयवीत दिखे।

फसल को बर्बाद करने का विरोध करने की मारपीट

रंजीत रावत ने बताया कि उसके पड़ोसी रामजी मंडल ने जबरन उसके खेत में लगे चने की फसल को ट्रैक्टर के जरिए समतल करवा दिया और बर्बाद कर दिया। जिसका विरोध करने पर दबंगों द्वारा उसके बेटे के साथ पहले मारपीट की गई। जब विरोध किया तो दबंगों द्वारा गोलीबारी और रोड़ेबाजी भी की गई। जिसमें कई लोगों को मामूली चोटें आई है।

दोनों पक्षों से कराया गया एफआईआर

राम जी मंडल ने रंजीत रावत पर पहले रोड़ेबाजी और गोलीबारी करने का आरोप लगाया है। इधर घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से टाउन थाने में आवेदन दिया गया है। जिसके आधार पर टाउन थाने की पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

जांच में जुटी पुलिस

टाउन थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि दो पक्षों के बीच मारपीट की जानकारी मिली है। प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

जमुई में एक दिवसीय जॉब कैंप का आयोजन : 1800 पदों ली जाएगी बहाली, 20 कंपनियां ले रही भाग

जमुई, एजेंसी। जमुई शहर के श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम में 10 दिसंबर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेले में कई कंपनियां हिस्सा ले रही है। युवक उनकी योग्यता के अनुसार सैलरी दी जाएगी। इस रोजगार मेले में 1800 युवाओं को नौकरी प्रदान की जाएगी। दरअसल,श्रम संसाधन विभाग और जिला नियोजनालय के तत्वाधान में 10 दिसंबर को एक दिवसीय जिला स्तरीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया जाएगा। शहर के श्री कृष्णा सिंह स्टेडियम परिसर में या मेला आयोजन किया जाएगा।

20 कंपनियों लेगी भाग

जिला नियोजन पदाधिकारी शिखा राय ने बताया कि इस आयोजन में लगभग 20 प्रतिष्ठित कंपनियों भाग लेगी और 1800 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल नौकरी के इच्छुक युवाओं को अवसर देगा,बल्कि उन्हें करियर मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा। इस रोजगार मेले में महिला और दिव्यांग जनों को खास तबज्जो दिया जाएगा। जिला नियोजन पदाधिकारी शिखा राय ने बताया कि नियोजन मेले में भाग लेने वाले प्रमुख कंपनियों में शानवी ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड,हिप हॉप मीडिया हाउस प्राइवेट लिमिटेड,एमआरएफ प्राइवेट लिमिटेड और स्वतंत्र माइक्रोफाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड शामिल है।

सरकारी योजना की जानकारी दी जाएगी

इसके अतिरिक्त श्रम संसाधन विभाग उद्योग विभाग, डीआरसीसी, जीविका और आरसेटी जैसे कंपनी सरकारी विभाग भी अपने स्टॉल लगाएंगे। इन स्टालों के माध्यम से युवाओं को सरकारी योजना की जानकारी दी जाएगी। जिससे वह योजनाओं के बारे में लाभ उठा पाएंगे। नियोजन सह मार्गदर्शन मेला पूर्णतः निःशुल्क है। एनसीएस पोर्टल पर निबंधन की सुविधा उपलब्ध है। इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा , योग्यता संबंधी प्रमाण पत्र की छाया प्रति , पासपोर्ट साइज फोटो, वांछित कागजात साथ लेकर आएंगे।

98 लाख रुपए की लागत से पुस्तकालय का होगा जीर्णोद्धार

समस्तीपुर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को मिलेगा लाभ

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के मगरदही में स्थित शिवशंकर नवल किशोर विशिष्ट पुस्तकालय को जिले का केन्द्रीय पुस्तकालय के रूप में विकसित किया जाएगा। पुस्तकालय के नए भवन का निर्माण होगा। साथ ही यहां नई पुस्तकों का भी भंडारण किया जाएगा। इसके लिए सरकार की तरफ से 98 लाख रुपए का टेंडर दिया गया है। टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होते ही पुस्तकालय के जीर्णोद्धार का काम शुरू होगा।

पुस्तकालय जीर्णोद्धार के लिए विधानसभा में उठाया था मुद्दा : स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन जानकारी देते हुए बताया कि शहर में दो पुस्तकालय संचालित है। लेकिन दोनों की स्थिति काफी दयनीय हैं।

शहर के मगरदही और पेठिया गाछी नवजीवन क्लब में पुस्तकालय चलता है। सरकार ने शहर के मगरदही स्थित पुस्तकालय के जीर्णोद्धार के लिए निविदा निकाली है। पुस्तकालय के जीर्णोद्धार के लिए वह लगातार विधानसभा में इस मुद्दा को उठा रहे थे। उनके प्रयास और संघर्ष के कारण इस योजना को मूर्त रूप दिया जा सका है द्य इस दौरान वह पुस्तकालय पहुंचकर पुस्तकालय की स्थिति का जायजा भी लिया। बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड की ओर से 98 लाख रुपए की लागत का निविदा आमंत्रित की गई है द्य पुस्तकालयों का होना समाज के विकास में अहम भूमिका निभाता है द्य पुस्तकालय न केवल ज्ञान का भंडार होता है, बल्कि वे सामाजिक समरसता और सामूहिक जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं द्य समस्तीपुर में जहां लंबे समय से सार्वजनिक पुस्तकालयों की कमी और उपेक्षा रही है। अब उनके अथक प्रयास से इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है द्य इससे जिले के लोग लाभान्वित होंगे द्य यह पहल समस्तीपुर जिला में 'पुस्तकालय संस्कृति' को सशक्त करने और शिक्षा के प्रसार को बढ़ावा देने की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा।

होटल में देह व्यापार का आरोप लगाकर संचालक की पिटाई

गली में शराब की बोतलें और आपत्तिजनक चीजें देखकर लोग आक्रोशित, थाने में आवेदन

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में लोगो ने एक होटल संचालक की सरेआम जमकर पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों ने होटल संचालक पर अनैतिक देह व्यापार का धंधा करवाने का आरोप लगाते हुए होटल संचालक को डंडे से बुरी तरह पीटा। मामला सहायक खजांची हाट थाना क्षेत्र के गुरुद्वारा रोड स्थित होटल राजवंश का है। होटल संचालक की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, स्थानीय लोग उस वक्त भड़क गए जब होटल राजवंश में पहुंचने पर होटल की गली में शराब की बोतल और कंडोम फेंका हुआ पाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि होटल राजवंश में लड़कियों और महिलाओं को बुलाकर गलत धंधा करवाया जाता है। हमेशा होटल के बाहर गाड़ी आदि लगी रहती है। लड़कियों का भी आना-जाना लगा रहता है। लोगों ने विरोध किया तो होटल से निकलकर तीन-चार लड़कियां भागी। होटल के मालिक से लिखवाया गया कि आज के बाद से इस होटल में कभी भी गलत धंधा नहीं होगा। जिसके बाद आक्रोशित लोग शांत हुए।

20 लोगों को बुलाकर मेरे साथ मारपीट की गई : होटल राजवंश के मालिक रंजन कुमार ने बताया कि होटल के बगल के लोगों ने मोहल्ले के 20-25 लोगों को बुला लिया था और मेरे साथ मारपीट करने लगे। बगल के लोगों ने मुझसे कहा कि आपके होटल में वैश्यावृति होती है। होटल में शराब पिलाई जाती है। ऐसे ही कई झूठे आरोप लगाए। मोहल्ले के लोगों ने मेरे साथ मारपीट की, मोबाइल और पैसे भी छीन लिए। लोगों ने मुझसे जबरन कागज में कुछ लिखवा लिया है। जब लोग मारपीट कर रहे थे तो मैंने डायल-112 पर फोन किया, लेकिन पुलिस एक घंटे बाद घटना स्थल पर पहुंची। सहायक खजांची थाना में आवेदन दिया है। सहायक खजांची हाट थानाध्यक्ष पुरूषोत्तम कुमार ने बताया कि होटल राजवंश में क्या हुआ इसका अब तक लिखित आवेदन होटल के मालिक ने रात 8 बजे तक नहीं दिया है। आवेदन मिलने पर पुलिस मामले की जांच करेगी। इधर, स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि होटल के मैनेजर ने लोगों से कहा कि होटल के मालिक के आदेश पर ही होटल में गलत धंधा होता है।

सीवान सदर अस्पताल में आयुष्मान कार्ड बनाने की पहल, 5 लाख तक होगा निशुल्क इलाज

सीवान, एजेंसी। सीवान सदर अस्पताल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड निशुल्क बनाए जा रहे हैं। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक डिजिटल काउंटर पर यह सेवा उपलब्ध है। कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड में नाम होना जरूरी है। राशन कार्ड में नाम होने पर 24 घंटे के भीतर आयुष्मान कार्ड बनकर तैयार हो जाता है। आयुष्मान कार्ड से मरीजों को 5 लाख तक का निशुल्क इलाज मिलता है। इसे देशभर के बड़े अस्पतालों और निजी संस्थानों में इलाज के लिए उपयोग किया जा सकता है। गरीब वर्ग के लोग इससे ऑपरेशन और जांच जैसी महंगी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक सिर्फ आधार कार्ड के जरिए आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

महाकुंभः 45 दिन में चलेंगी 13 हजार ट्रेनें...

काशी-प्रयागराज और अयोध्या तक चलाई जाएगी रिंग रेल

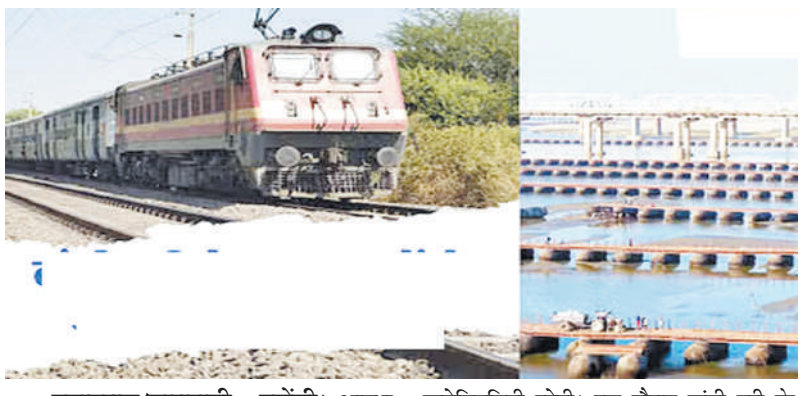

प्रयागराज/वाराणसी , एजेंसी। आस्था के सबसे बड़े समागम महाकुंभ के लिए रेलवे 45 दिन में 13 हजार ट्रेन चलाएगा। तीन हजार विशेष ट्रेनें रहेंगी। 10 हजार ट्रेनें नियमित हैं। महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को पहले वाराणसी और फिर प्रयागराज में यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए चार रिंग रेल सर्किल बनाई गई है। इनमें वाराणसी-प्रयागराज, प्रयागराज-अयोध्या, अयोध्या-काशी और प्रयागराज सर्किल शामिल है। देश के विभिन्न राज्यों के 50 शहरों से प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा। रेलमंत्री ने बताया कि महाकुंभ के दौरान देश के कोने-कोने से प्रयागराज की सीधी कनेक्टिविटी रहेगी। इस दौरान लंबी दूरी के चेन्नई, मुंबई समेत 50 शहरों से प्रयागराज के लिए आरक्षित ट्रेनें चलेंगी। रेलमंत्री ने बताया कि महाकुंभ के दौरान इस बार एक और विशेष इंतजाम किया जा रहा है।

संगम नगरी के रेलवे स्टेशनों पर बने फुटओवर ब्रिज पर यात्रियों का क्रॉस मूवमेंट न हो इसके लिए पुल पर एक दिशा से दूसरी दिशा की ओर से ही यात्री जा सकेंगे। सभी स्टेशनों पर यह व्यवस्था रहेगी। पिछले वर्ष अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद वहां उमड़ी भीड़ को देखते हुए अयोध्या रेलवे स्टेशन पर कलर कोडिंग की गई थी।

यही व्यवस्था प्रयागराज के भी सभी स्टेशनों पर रहेगी। कलर कोड के हिसाब बसे ही यात्री दिशावार यात्रा के लिए सुनिश्चित प्लेटफॉर्म पर पहुंचेंगे। यात्री आश्रय स्थल भी चार अलग रंग के रहेंगे। उदाहरण के लिए अगर किसी यात्री को लखनऊ जाना है तो उसे जंक्शन के नीले रंग के आश्रय स्थल से प्रवेश करना होगा। यात्री का टिकट भी नीले रंग का ही होगा। आश्रय स्थल से प्लेटफॉर्म तक जाने वाले रास्ते पर भी नीले रंग के संकेतक लगे होंगे। रेलमंत्री ने बताया कि संगम नगरी के स्टेशनों पर कुल 23 यात्री आश्रय स्थल बनाए गए हैं।

यात्रियों को लाइन में लगे बिना मिलेगा टिकट

महाकुंभ के दौरान रेलवे यात्रियों को बिना लाइन में लगे जनरल टिकट मुहैया कराएगा। सभी स्टेशनों के आश्रय स्थल व प्रतीक्षालय आदि में रेलकर्मी मोबाइल टिकटिंग मशीन के माध्यम से यात्रियों को उनके गंतव्य का टिकट उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा मोबाइल एप के माध्यम से भी यात्री जनरल टिकट ले सकेंगे। 554 अनारक्षित टिकट काउंटर भी बनाए गए हैं। महाकुंभ मेला अवधि में 18 हजार आरपीएफ और जीआरपी के जवानों की तैनाती रहेगी। इसमें आरपीएफ के जवानों की संख्या आठ हजार और जीआरपी के जवानों की संख्या दस हजार रहेगी। इसके अलावा रेलवे के 13 हजार अधिकारी और कर्मचारी पूरे देश से यहां तैनात किए जा रहे हैं। इसमें काफी संख्या में ऐसे कर्मचारी भी हैं जो हिंदी, अंग्रेजी के साथ दक्षिण भारतीय, पंजाबी, बंगाली, मराठी, गुजराती आदि भाषा भी बोल सकते हैं।

तैयार की गई 12 भाषाओं की बुकलेट

महाकुंभ के दौरान तमाम राज्यों से श्रद्धालु प्रयागराज आएंगे। इनमें से तमाम ऐसे भी होंगे, जिन्हें हिंदी नहीं आती। ऐसे यात्रियों की सहूलियत के लिए रेलवे प्रशासन ने तमिल, कन्नड़, उड़िया, मलयालम, मराठी समेत 12 क्षेत्रीय भाषाओं की एक पॉकेट बुकलेट तैयार कराई है।

लंबी दूरी के इन शहरों से प्रयागराज आएंगी आरक्षित ट्रेनें

गुवाहाटी, रंगापाड़ा नॉर्थ, मुंबई सीएसटी, नागपुर, पुणे, सिकंदराबाद, गुंटूर, नांदेड़, विशाखापट्टनम, भुवनेश्वर, पुरी, संबलपुर, कन्याकुमारी, तिरुवनंतपुरम नॉर्थ, चेन्नई सेंट्रल, हावड़ा, डॉ. अंबेडकरनगर, वापी, अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, वलसाड, भावनगर, जयनगर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, धनबाद, पटना, गया, रक्सौल, सहरसा, बेलागवी, मैसूर, उदयपुर सिटी, बाड़मेर, टाटानगर, रांची आदि।

पीएम मोदी 13 को प्रयागराज में, निषादराज क्रूज पर सवार होकर पहुंचेंगे संगम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को प्रयागराज वासियों को महाकुंभ से जुड़ी करीब सात हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे। उनके आगमन की तैयारियां तेज हो गई हैं। एक ओर जहां संगम नोज पर पीएम की जनसभा के लिए टेंट लगना शुरू हो गया है, वहीं दूसरी ओर उनके स्वागत के लिए निषादराज क्रूज को तैयार किया जा रहा है, जिस पर सवार होकर वह अरैल से संगम पहुंचेंगे। यहां गंगा पूजन के बाद करीब एक घंटे तक जनसभा में रहेंगे।

महाकुंभ के श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या में बनेगा 3000 क्षमता का आश्रय स्थल

13 जनवरी से 26 फरवरी तक रामनगरी में एक बार फिर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद वाला नजारा देखने को मिलेगा। प्रयागराज के महाकुंभ से विशेष तिथियों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां पर पहुंचेंगे। इनके लिए नगर निगम की ओर से 3000 की क्षमता का आश्रय स्थल बनाया जाएगा। इसमें लोगों के ठहरने के लिए कई इंतजाम किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

22 गांवों का दूषित पानी गंगा में नहीं जाना चाहिए

कन्नौज। स्वच्छ भारत मिशन, जीरो पॉवर्टी अभियान के संबंध में डीएम शुभ्रांत शुक्ल ने रविवार को कलक्ट्रेट के गांधी सभागार में बैठक की। डीएम ने कहा कि कुंभ होने वाला है। 22 गांवों का दूषित पानी गंगा नदी में नहीं जाना चाहिए। 688 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 482 राजस्व ग्रामों को मॉडल घोषित किया जा चुका है, शेष 206 राजस्व ग्रामों को भी मॉडल घोषित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों को जो कार्य निर्धारित किए जाते हैं, विभागवार मिनिट्स बनाएं और आगामी बैठक में सौंपे गए कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रत्येक विकास खंड के चयनित ग्रामों से शत-प्रतिशत कूड़ा उठान होना चाहिए। कचरे से जैविक खाद बनाने के लिए कूड़े को छांटकर अलग-अलग गड्ढों में एकत्र किया जाए।

सभी आरआरसी सेंटर संचालित होने चाहिए। आरआरसी सेंटर के संचालन में जो अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हें सम्मानित किया जाए। कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को कूड़ा उठाने में ही प्रयोग किया जाए, अनावश्यक कार्य में प्रयोग न किया जाए। जीरो पॉवर्टी अभियान में तेजी लाकर गांव के अति निर्धन परिवारों का चयन किया जाए, जिससे शासन की सभी योजनाओं से जोड़कर आच्छादित किया जा सके। बैठक में सीडीओ रामकृपाल चौधरी, डीडीओ एनडी द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक्सप्रेसवे पर डंपर में घुसी थार, पति की मौत

तिर्वा। लखनऊ से शादी समारोह से आगरा जा रहे कार सवार दंपती आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गए। हादसे में पति की मौत हो गई और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया और शव को मोर्चरी में रखवा दिया।

आगरा के कालिंदरी बिहार कॉलोनी डी 909 निवासी महेंद्र सिंह (40) पत्नी सोनिया सिंह के साथ रविवार देर शाम को लखनऊ से एक शादी समारोह से शामिल होकर आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे से थार से घर जा रहे थे। ठठिया क्षेत्र के बहसुईया गांव के पास पहुंचे तो आगे चल रहे डंपर में थार जा घुसी। हादसे में दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने महेंद्र सिंह को मृत घोषित कर दिया। उपनिरीक्षक हसीब अहमद ने बताया कि शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। घायल महिला का इलाज चल रहा है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

पोस्टमैन की नौकरी लगवाने के नाम 97 हजार ठगे

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव सिरौली निवासी अमन कुमार के अनुसार गांव औंधाखेड़ा निवासी एक व्यक्ति उनके गांव में पोस्टमैन के पद पर तैनात है। करीब एक साल पहले पोस्टमैन की जगह निकली थी। उस पोस्टमैन ने पोस्टमैन के पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर 97 हजार रुपये ले लिए। दादों निवासी एक व्यक्ति ने नौकरी लगने की जिम्मेदारी ली थी। अब दोनों रुपये वापस नहीं कर रहे हैं। रुपये मांगने पर गालियां देते हुए मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

कनेक्शन के बाद 19 हजार लोगों ने नहीं जमा किया बिल

पकड़ियार बाजार , एजेंसी। विद्युत उपकेंद्र कोटवा में 19 हजार उपभोक्ताओं ने कनेक्शन लेने के बाद आज तक बिल जमा नहीं किया है। एक मुश्त समाधान योजना में भी इन उपभोक्ताओं ने बिल जमा नहीं किया। लाइनमैन फाल्ट ठीक करने के साथ बकायेदारों को बिजली बिल जमा कराने के लिए प्रेरित करेंगे। अधिभार पर छूट का लाभ उठाने के लिए गांवों व कस्बों में मुनादी कराकर बिल जमा करने की अपील की जा रही है। उपकेंद्र रामपुर कोटवा से 40 हजार उपभोक्ता जुड़े हैं। पिछले वर्ष एक मुश्त समाधान योजना में तीन करोड़ रुपये बकाया बिल की वसूली हुई थी। उसके बाद भी 19,500 ऐसे उपभोक्ताओं हैं जो कनेक्शन लेने के बाद बिल जमा नहीं किया है। इनमें 10 हजार से लेकर 50-70 हजार रुपये के बकायेदार शामिल हैं।

जोगी नवादा में हमलावरों ने मचाया उत्पात, तीन भाइयों को गोली मारी, एक का पैर तोड़ा

बरेली , एजेंसी। बरेली के जोगी नवादा की चावल मंडी में रविवार शाम ढले हमलावरों ने रंजिश में महिला वकील के पति को घेरकर फायरिंग कर दी। वकील के पति व उनके तीन भाइयों को गोली लगी है, एक भाई का पैर तोड़ दिया गया। आरोपी फायरिंग करते हुए फरार हो गए। एसपी सिटी समेत अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच करने के साथ ही आरोपियों की तलाश में चार टीमें लगाई हैं। चावल मंडी निवासी वकील रेनू सिंह ने अधिकारियों को बताया कि उनके पति लखन राठौर व्यापारी हैं। वह रविवार शाम करीब सात बजे घर लौट रहे थे। घर से थोड़ा पहले ही गली में विपक्षी टिंकू राठौर व उसके भाई सौरभ ने उन्हें घेर लिया। आरोपी उत्तराखंड की मंत्री के परिवार से जुड़े हैं। वे लोग गालीगलौज कर पीटने लगे। पति घर की ओर भागे और शोर मचाया तो टिंकू, सौरभ व करीब 15-20 लोग उनके पीछे घर तक आ गए।

जान से मारने की धमकी देकर हुए फरार : रेनू सिंह के जेठ दरबारी लाल, उनसे छोटे प्रेमपाल और सबसे छोटे सूरज राठौर घर के बाहर भाई लखन को बचाने पहुंचे तो हमलावरों ने फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली जेठ प्रेमपाल राठौर के पेट में लगी। सूरज राठौर व लखन के पैरों में गोली लगी। हमलावरों ने लाठी-डंडों से पीटकर दरबारी लाल का घुटना तोड़ दिया। मोहल्ले के लोग जुटने लगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

एसपी सिटी मानुष पारीक बताया कि दोनों पक्षों में रंजिश है। एक पक्ष के चार लोगों पर हमला किया गया। एक के पेट में गोली लगी है। बाकी की हालत खतरे से बाहर है। आरोपियों की तलाश में एसओजी समेत दो थानों की चार टीमें लगाई हैं। आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिर बिगड़ी शहर की हवा, तीन चौराहे रेड जोन में, 300 के पार पहुंचा एक्यूआई, पांच चौराहे खतरे के करीब

अलीगढ़ , एजेंसी। एक बार फिर अलीगढ़ शहर की हवा बिगड़ गई है। तीन चौराहे रेड जोन में आ गए हैं, जबकि पांच चौराहों की हवा जहरीली होने के कगार पर है। अचानक जहरीली हुई हवा से लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होने लगा है।

शहर में जगह-जगह चल रहे सरकारी और गैर सरकारी निर्माण कार्यों के कारण उड़ने वाले धूल, आतिशबाजी, घरों, होटलों, रेस्टोरेंटों व कारखानों से निकलने वाले धुएं से हवा जहरीली हो गई है। चार दिसंबर को भी कलक्ट्रेट और कंपनी बाग की हवा जहरीली हो गई थी। मगर समय रहते नगर निगम ने काबू पा लिया था। जिसके कारण हवा में सुधार हुआ था। लेकिन रविवार को एक बार फिर से कलक्ट्रेट, रसलगंज और कंपनी बाग चौराहे का एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया। जिसके कारण यह रेड जोन में हैं। वहीं, मसूदाबाद,

एटा चुंगी, दूबे का पड़ाव, सेंटर प्वाइंट और आगरा रोड चौराहा की एक्यूआई 300 के करीब पहुंच गया है। ये चौराहे आरेंज जोन में हैं। यानी सात चौराहों की हवा जहरीली है। जिसके कारण बुजुर्ग और बीमार के साथ बच्चों को सांस लेने और त्वचा रोग की परेशानी आ रही है। शहर में वायु प्रदूषण एक बार फिर से बढ़ गया है। एक्यूआई रिपोर्ट में तीन चौराहे रेड और पांच ऑरेंज जोन में हैं। ऐसे में इन सभी चौराहों की हवा को शुद्ध करने के लिए हर दिन दोनों समय एंटी स्मॉग गन से छिड़काव कराया जा रहा है। पेड़ों व सड़कों की धुलाई के साथ धूल को हटाया जा रहा है। जल्द ही हवा में सुधार आएगा।

देश-विदेश में जश्न की तैयारी, पर्यटन-धार्मिक स्थल और विदेश जाने की हो रही बुकिंग

अलीगढ़, एजेंसी। नये साल 2025 के आगमन में तीन सप्ताह रह गए हैं। लोगों ने क्रिसमस के साथ ही नए साल का जोरदार तरीके से स्वागत करने की तैयारी शुरू कर दी है। कुछ लोगों ने अपने दोस्तों और परिवार के साथ दूसरे शहरों में नये साल का जश्न मनाने की तैयारी शुरू कर दी है तो कुछ विदेश जा रहे हैं। ट्रैवल्स एजेंसियां इस मौके पर आकर्षक पैकेज दे रहीं हैं। नव वर्ष मनाने के लिए अधिकतर लोग दिल्ली, मुंबई, गोवा, कोलकाता, विशाखापट्टनम, हैदराबाद, केरल, राजस्थान के उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, जयपुर और बीकानेर, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, मनाली, ओडिशा के भुवनेश्वर, कटक, जगन्नाथपुरी धाम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के अमर कंटक आदि पर्यटन स्थलों पर जाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए टिकट बुक करा रहे हैं।

धार्मिक स्थल भी हैं लोगों की पसंदः सैकड़ों लोगों ने तिरुपति बालाजी मंदिर, शिरडी, वैष्णो देवी, खाटू श्याम, बालाजी, उत्तराखंड, मथुरा-वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों पर भी जाने की तैयारी की है। इसके लिए ट्रेनों में टिकट बुकिंग शुरू हो चुकी है। लंबी दूरी की ट्रेनों में वेटिंग लंबी हो चुकी है। अधिकांश ट्रेनों में रिजर्वेशन मिलना मुश्किल हो गया है। ऐसे में लोग अब ट्रैवल्स एजेंसी और निजी वाहनों की मदद ले रहे हैं।

ट्रैवल्स एजेंसी दे रहीं आकर्षक पैकेजः ट्रैवल्स एजेंसी संचालक मुकेश कुमार ने बताया कि नए साल में टूर पर जाने वालों को उनके बजट के अनुसार आकर्षक पैकेज दिए जा रहे हैं। अपार्टमेंट और कॉलोनी में रहने वाले लोग संयुक्त रूप से घूमने का प्लान बना रहे हैं। समूह में टूर का पैकेज सस्ता पड़ता है।

जान लेने की हद तक अंधा होता प्यार, गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात करते हुए कानपुर में फांसी पर झूला युवक

सुनील बाजपेई

कानपुर। प्रेम प्रसंग को लेकर अक्सर होने वाली आत्महत्या की घटनाओं के संदर्भ में शायद यह भी कहा जा सकता है कि प्यार ऐसा वैसा नहीं बल्कि जान लेने की हद तक अंधा होता है। ...और जब प्रेमी या प्रेमिका को एक दूसरे से बिछड़ने का भय होता है अथवा ऐसा हो ही जाता है तो इंसान अपनी जीवन लीला भी समाप्त कर लेने से भी नहीं चूकता।

कुछ ऐसा ही हुआ कमाई के मामले में लगभग 30 - 40 लाख सालाना टर्न ओवर वाले एक युवक के साथ जिसने प्रेमिका की कथित धोखेबाजी से दुखी होकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद उसके परिवार में कोहरा मचा हुआ है।

यह घटना नजीराबाद थाना क्षेत्र के कौशलपुरी की है जहां का रहने वाले युवक ने गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात करते हुए फांसी लगा ली। वह मेट्रोमोनियल वेबसाइट चलाता था,जिसका सालाना टर्न ओवर लगभग 30 40 लाख का था। उसकी लाश को पोस्टमॉर्टम हाउस भेजने के साथ ही नजीराबाद पुलिस परिवार के लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार इस मामले में गर्लफ्रेंड के भी बयान दर्ज कराए जाएंगे।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के अनुसार कौशलपुरी नजीराबाद निवासी अर्पित सर्राफ (28) अपनी मां नीलम के साथ मिलकर मेट्रोमोनियल वेबसाइट सदगुरू के नाम से चलाते थे। वेबसाइट के जरिए अच्छा कारोबार मिल रहा था। इनके व्यापार का 25-30 लाख रुपए का टर्नओवर है। मौके पर पहुंची पुलिस को अर्पित के ममेरे भाई अभिनव ने बताया- अर्पित किसी गर्लफ्रेंड से बात करता था। दोनों के बीच अच्छे संबंध थे। दोनों घूमने-फिरने भी जाते थे।

ममेरे भाई अभिनव ने पुलिस को यह भी बताया कि बताया कि अर्पित की गर्लफ्रेंड के जीवन में कोई और आ गया था। इसके बाद वो अर्पित से दूर रहने लगी थी। उससे बातचीत कम कर दी थी और ब्रेकअप की बात करती थी। इसी को लेकर दोनों के बीच वीडियो कॉल पर बात चल रही थी।

अभिनव के अनुसार अर्पित उसे मनाने का प्रयास कर रहा था मगर वो मान नहीं रही थी। इसी नोकझोंक में अर्पित ने वीडियो कॉल के दौरान ही मां की चुनरी से फांसी का फंदा बनाकर उससे लटक कर अपनी जान दे दी। फिलहाल पुलिस चर्चा का विषय बनी इस घटना की छानबीन कर रही है।

बरेली में लेखपाल का अपहरणः तलाश में जुटी चार टीमें

12 दिन बाद भी नहीं चला पता, एसएसपी ने विवेचक बदला

बरेली, एजेंसी। बरेली की फरीदपुर तहसील से लापता लेखपाल मनीष कश्यप का 12 दिन बाद भी सुराग नहीं मिला है। अब एसएसपी ने विवेचना फतेहगंज पश्चिमी इंस्पेक्टर प्रदीप चतुर्वेदी को दी है। वहीं, एसपी क्राइम के नेतृत्व में चार टीमें तलाश में जुटी हैं। एडीजी हर टीम से रोज अपडेट ले रहे हैं।

लेखपाल के न मिलने से पुलिस-प्रशासन सवालों के घेरे में है। एसएसपी अनुराग आर्य ने अपहरण के मामले की विवेचना इंस्पेक्टर फरीदपुर राहुल सिंह से हटाकर इंस्पेक्टर फतेहगंज पश्चिमी प्रदीप चतुर्वेदी को दे दी है। दरअसल लेखपाल की मां ने एडीजी से शिकायत की थी कि फरीदपुर इंस्पेक्टर जानबूझकर मामले में ढिलाई बरत रहे हैं।

एडीजी ने इस मामले में एसएसपी से हस्तक्षेप

के लिए कहा था। एसएसपी ने चार टीमों को लेखपाल की तलाश और लापता होने की वजह तलाशने की जिम्मेदारी दी है। एसपी क्राइम इन टीमों का नेतृत्व करेंगे।

पहली टीम विवेचक प्रदीप चतुर्वेदी के अधीन काम करेगी। दूसरी चार सदस्यीय टीम एसओजी की रहेगी, इसका नेतृत्व एसओजी प्रभारी सुनील शर्मा करेंगे। तीसरी तीन सदस्यीय टीम साइबर सेल प्रभारी देवेंद्र सिंह धामा के अधीन बनाई है। चौथी टीम में सर्विलांस सेल के तीन पुलिसकर्मी शामिल हैं।

जमीन घोटाले का आरोप खारिज किया, दीवार गिराईः एडीएम प्रशासन व एसपी उत्तरी ने प्रेसवार्ता करके उस आरोप को खारिज किया जिसमें जमीन घोटाले को लेखपाल के लापता होने की वजह बताया गया है। दरअसल लेखपाल की मां ने एक भूमाफिया पर आरोप लगाया था कि 250 बीघा जमीन पर कब्जा व घोटाला था, उनके बेटे ने यह मामला उजागर किया तो उसे रास्ते से हटा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि गांव खल्लपुर व खरगपुर तालुका रायपुर तोकमन में ग्राम समाज की जमीनों की जांच की गई। खरगपुर तालुका में नवीन परती की जमीन के एक मीटर हिस्से में गांव के ही कल्लूराम ने एक मीटर आगे बढ़ाकर दीवार का निर्माण कराया है। टीम ने उसे हटवा दिया। अधिकारियों ने दावा किया कि किसी जमीन पर कोई अवैध कब्जा जांच में नहीं पाया गया है। आंवला तहसील में तैनाती के समय भी करीब चार दिन के लिए लेखपाल गायब हो गया था। इसके बाद वह खुद लौट आया।

प्रधान से की पूछताछः मूल रूप से बहेड़ी के मोहल्ला अमरनाथ कॉलोनी निवासी लेखपाल मनीष के मोबाइल की अंतिम लोकेशन तहसील में ही मिली। कॉल डिटेल से पता चला कि क्षेत्र के एक प्रधान से आखिरी बार बात हुई थी। पुलिस ने प्रधान का मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगवाया और पूछताछ की।

आधार के अभाव में अटकी 13 हजार बच्चों की डीबीटी की रकम

पडरौना। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। लेकिन, बीआरसी में किट होने के बावजूद बच्चों का आधार नहीं बन पा रहा है। जिम्मेदार अधिकारी भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। आधार नहीं होने समेत अन्य गड़बड़ियों के चलते 13,500 बच्चे इस योजना के लाभ से वंचित हैं।

जिले में 2464 परिषदीय विद्यालय संचालित होते हैं। इसमें 2.53 लाख छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। अप्रैल में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हुई थी। आठ महीने बीतने के बावजूद करीब 7500 बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है। करीब छह हजार बच्चों के अभिभावकों का खाता आधार से लिंक नहीं है। इन बच्चों को डीबीटी के तहत जूते-मोजे, यूनिफार्म व स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये नहीं भेजे गए हैं।

हालांकि, जिले के विद्यालयों में नामांकित 2.13 लाख बच्चों के अभिभावकों के खाते में डीबीटी की धनराशि भेज दी गई है। 7934 विद्यार्थियों का प्रपत्र जिला स्तर से सत्यापित कर उच्चाधिकारियों को भेज दिया गया है। अभिभावकों का कहना है कि प्रत्येक ब्लॉक संसाधन केंद्र पर बच्चों के लिए आधार किट है। लेकिन आधार बनाने के लिए तैनात किए गए कर्मचारी उदासीन हैं। इससे आधार बनाने में देरी हो रही है। डीसी सामुदायिक उपेंद्र गुप्ता ने बताया कि 2.13 लाख बच्चों के अभिभावकों के खाते में डीबीटी की धनराशि भेज दी गई है। 7,934 विद्यार्थियों का प्रपत्र जिला स्तर से सत्यापित हो गया है। डीबीटी की रकम से वंचित लाभार्थियों का या तो आधार नहीं है या उनके अभिभावकों का खाता आधार से लिंक नहीं है। इसके लिए संबंधित को निर्देश दिए गए हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकालने पर कायम

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद के अपने एजेंडे का खुलासा किया। ट्रम्प ने एक बार फिर अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को देश से बाहर करने का प्लान दोहराया। साथ ही उन्होंने ड्रीमर्स अप्रवासी की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की बात की। बता दें कि ड्रीमर्स अप्रवासी वे अप्रवासी हैं, जो बचपन में अमेरिका आ गए थे और उनके पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं है। NBC न्यूज़ को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि वो अपने ऑफिस के पहले दिन ही पैदा होते ही अमेरिकी नागरिकता मिलने का अधिकार खत्म कर देंगे। अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के मुताबिक जो भी बच्चा अमेरिका में पैदा होता है, उसे पैदा होते ही अमेरिका की नागरिकता मिल जाती है। भले ही उसके माता-पिता के पास किसी भी देश की नागरिकता हो। हालांकि ट्रम्प के इस फैसले को कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। नाटो से बाहर निकलने पर विचार करेंगे इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने नाटो को लेकर कहा कि वो राष्ट्रपति बनने के बाद इससे बाहर निकलने के लिए गंभीरता से विचार करेंगे। साथ ही उन्होंने वादा किया कि वो अबॉर्शन पिल्स पर बैन नहीं लगाएंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उनका फेडरल रिजर्व (सेंट्रल बैंक) के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को पद छोड़ने के लिए कहने का कोई प्लान नहीं है। कैपिटल हिल हिंसा के दोषियों को माफ करेंगे ट्रम्प ने वादा किया कि वो राष्ट्रपति बनते ही कैपिटल हिल मामले के दोषियों को माफ करने के लिए कदम उठाएंगे। 2020 में ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद 6 जनवरी 2021 को उनके कुछ समर्थकों ने कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) में घुसकर लूटपाट की थी।

जम्मू-कश्मीर में 9 जगह पारा माइनस में, जोजिला में -20°: हिमाचल में बर्फबारी

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में सामान्य ठंड के बीच जम्मू-कश्मीर में कई इलाकों में तापमान माइनस में पहुंच गया। सोमवार को जोजिला (कारगिल) में टेम्परेचर -20°C, लेह में -12.8° और गुलमर्ग में -9° रिकॉर्ड किया गया। पहलगाम का पारा -6.8°C, पुलवामा -6.7°C, शोपियां -7.5°C, श्रीनगर -3.3°C, सोनमर्ग और अनंतनाग में -7.0°C रिकॉर्ड किया गया। जम्मू में पैडर में -7.5°C के साथ सबसे ठंडा रहा। हालांकि, जम्मू शहर का तापमान 6.5°C रहा। यह हाल तब है, जब चिल्लई कलां का पीरियड अभी शुरू भी नहीं हुआ है। इसकी शुरुआत 21 दिसंबर से होगी। वहीं, हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में रविवार शाम हल्की बर्फबारी हुई। दिसंबर का पहला हफ्ता बीतने के बाद भी हिमाचल के पहाड़ों से बर्फ नदारद थी। होटल संचालक यहां आए पर्यटकों के लिए आर्टिफिशियल बर्फबारी करा रहे थे। मैदानी इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली के तापमान में भी 10 दिसंबर से गिरावट आ सकती है। पारा गिरकर 3°C के आसपास रहने की उम्मीद है। शीतलहर भी चल सकती है। 14 दिसंबर तक दिल्ली के साथ ही पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर भारत में तेज ठंड पड़ने का अनुमान है।

इल्तिजा मुफ्ती बोलीं- हिंदुत्व एक बीमारी है, इसने भगवान का नाम कलंकित किया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने कहा कि हिंदुत्व एक बीमारी है, जिसने लाखों भारतीयों को बीमार किया है। यह भगवान के नाम को भी कलंकित कर रही है। जय श्री राम का नारा अब राम राज्य के बारे में नहीं है। इसका इस्तेमाल भीड़ द्वारा हत्या के दौरान किया जाता है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) नेता ने ये बातें एक कथित वायरल वीडियो सामने आने के बाद कहीं। दरअसल, 6 दिसंबर को एक वीडियो वायरल हुआ था। दावा किया जा रहा है कि इसमें कुछ लोग नाबालिग मुस्लिम लड़कों को 'जय श्री राम' का नारा लगाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। इल्तिजा ने ये वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किया था। हालांकि बाद में इसे हटा दिया। भास्कर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। कश्मीरी पंडितों के 2 संगठन (यूथ 4 पनुन कश्मीर और रूट्स इन कश्मीर) ने इल्तिजा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उन्होंने हिंदुओं का अपमान किया है। इल्तिजा बोलीं- हिंदुत्व और हिंदू धर्म में बड़ा अंतर इल्तिजा ने हिंदुत्व की आलोचना करते हुए कहा कि यह 1940 के दशक में वीर सावरकर द्वारा प्रचारित नफरत की विचारधारा है, लेकिन मेरा मानना है कि इस्लाम की तरह हिंदू धर्म भी धर्मनिरपेक्षता, प्रेम और करुणा को बढ़ावा देने वाला धर्म है। इसलिए हमें इसे जानबूझकर बिगाड़ना नहीं चाहिए। इससे पहले 7 दिसंबर को भी इल्तिजा ने कहा था कि भगवान राम को शर्म से अपना सिर झुका लेना चाहिए और असहाय होकर देखना चाहिए कि कैसे नाबालिग मुस्लिम लड़कों को सिर्फ इसलिए चप्पलों से पीटा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने उनका नाम लेने से इनकार कर दिया।

चेन्नई में कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप, 2 आरोपी अरेस्ट, पीड़ित मानसिक रोगी

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में एक कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, मामला 10 महीने पुराना है। इस दौरान करीब 7 लड़कों ने कई बार लड़की का बलात्कार किया। लड़की मानसिक रोगी है। घटना का खुलासा तब हुआ, जब पीड़ित के पिता ने एक दिन मोबाइल फोन चेक किया। जिसमें लड़कों की तरफ से भेजे गए अश्लील मैसेज और वीडियो मिले। पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। सात में से दो आरोपियों को पकड़ लिया गया है। कॉलेज फ्रेंड ने कराई दोस्ती, फिर रेप किया पीड़िता के बयान के आधार पर प्रारंभिक जांच के अनुसार, पिछले साल अक्टूबर में उसके कॉलेज में एक फ्रेंड ने उसे तीन लड़कों से मिलवाया था। ये लोग कथित तौर पर उसे शहर के कई लॉज और अन्य सुनसान जगहों पर ले गए और उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि सोशल नेटवर्किंग एप्लीकेशन के जरिए उससे दोस्ती करने वाले कुछ अन्य लोगों ने भी उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से एक शहर के एक कॉलेज में 19 वर्षीय छात्र है, जबकि दूसरा कक्षा 12 का छात्र है। भाजपा ने स्टालिन सरकार पर सवाल उठाए इस घटना को लेकर तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। अन्नामलाई ने सोशल मीडिया X पर लिखा, चेन्नई के अयनावरम इलाके में सात सदस्यों के एक गिरोह द्वारा मानसिक रूप से विक्षिप्त कॉलेज छात्रा का यौन उत्पीड़न करने की खबर चौंकाने वाली है।

भारतीय सीमा में दाखिल पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया

अमृतसर। रविवार रात को पंजाब के अमृतसर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। घुसपैठिया रात और कोहरे का फायदा उठाकर भारतीय सीमा में घुस आया था। संदिग्ध हरकत को देखते हुए बीएसएफ के जवानों को फायरिंग करनी पड़ी। अभी तक पाकिस्तान की तरफ से शव लौटाने की कोई मांग नहीं की गई है। बीएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक यह घटना अमृतसर के सीमावर्ती गांव महावा के पास हुई। रात के समय बीएसएफ के जवान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय सीमा में लगाई गई फेंसिंग के पास गश्त कर रहे थे। इस दौरान कुछ जवानों को संदिग्ध गतिविधि नजर आई। जवान सतर्क हो गए। जवान को देखकर जवानों ने उसे आवाज देकर रोकने की कोशिश की। लेकिन घुसपैठिए ने पहले छिपने की कोशिश की और फिर धीरे-धीरे फेंसिंग के पास आने लगा। संदिग्ध हरकत को भांपते हुए जवानों ने फायरिंग की। जिसमें उसकी मौत हो गई। घटना के बाद BSF ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चला दिया। ताकि संदिग्ध की तरफ से अगर कोई संदिग्ध वस्तु इप्लांट की गई है तो उसे रिकवर किया जा सके। फिलहाल शव को रिकवर कर पुलिस को सूचना दे दी गई है। BSF अधिकारियों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जवान हमेशा सतर्क रहते हैं।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति पर ट्रैवल बैन लगाया

एजेंसी, सियोल

साउथ कोरिया में सोमवार को राष्ट्रपति यून सुक-योल पर ट्रैवल बैन लगा दिया गया। साउथ कोरिया के करप्शन इन्वेस्टिगेशन हेड ने बताया कि राष्ट्रपति पर यह बैन मार्शल लॉ लगाने के कारण लगाया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक, साउथ कोरियाई पुलिस पिछले हफ्ते से ही मार्शल लॉ लागू करने की वजह से उनके खिलाफ विद्रोह के आरोपों की जांच के लिए ट्रैवल बैन पर विचार कर रही थी। यून सुक-योल ने पिछले मंगलवार विपक्षी पार्टी पर नॉर्थ कोरिया से सांठगांठ करने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। इसके बाद देश को गंभीर राजनीतिक अशांति का सामना करना पड़ा। विपक्ष उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया था, जो पास नहीं हो सका। सत्तारूढ़ दल के ज्यादातर सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव पर वोटिंग का बायकॉट किया था, इस वजह से विपक्ष इसे पास करने के लिए जरूरी 200 वोट नहीं जुटा पाया। हालांकि बुधवार को साउथ कोरिया में संसद का नया सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में विपक्ष एक बार फिर से महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है।

♦ मार्शल लॉ लागू करने के कारण लगा प्रतिबंध, विपक्ष फिर महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी में

राष्ट्रपति के पद छोड़ने पर 60 दिन में चुनाव कराना जरूरी: अगर बुधवार को विपक्ष राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पास करवाने में सफल हो जाता है तो यून के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। जहां 9 में से 6 के जजों के वोट से प्रस्ताव साबित हो जाएगा। फिलहाल साउथ कोरिया की कोर्ट में सिर्फ 6 जज हैं, इस वजह से यह साफ नहीं है कि 7 जजों के बिना ये मुकदमा चलेगा या नहीं। अगर यून मई 2027 में अपने पांच साल का कार्यकाल खत्म होने से पहले पद छोड़ते हैं, तो संविधान के मुताबिक, 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना जरूरी होगा।

आतंकी चौड़ा का यह खुलासा, पुलिस के पैर तले जमीन खिसक गई

अमृतसर रिपोर्टर मुकेश बावा

आतंकी नारायण सिंह चौड़ा ने पुलिस समक्ष स्वीकार किया है कि उसने लखीमपुर खीरी में कुछ हथियार और विस्फोटक सामग्री छिपा कर रखी है। इसे बरामद करने के लिए जल्द पुलिस की एक विशेष चौड़ा को उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो रही है। हालांकि, अभी तक आरोपी ने यह नहीं बताया कि उसने गोली चलाने के लिए जिस विदेशी पिस्टल का उपयोग किया है, वह उसने कहां से हासिल की।

वहीं, रविवार को रिमांड खत्म होने के बाद चौड़ा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 3 दिन के लिए पुलिस न्यायिक हिरासत में दोबारा से भेज दिया। कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां इकट्ठा करने के लिए नारायण सिंह चौड़ा के 2 बेटों को पुलिस ने रविवार फिर पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उनसे अभी पूछताछ पूरी नहीं हुई है।

बता दें कि 4 दिसंबर को खालिस्तानी आतंकी चौड़ा ने पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल पर श्री हरिमंदिर साहिब परिसर में गोली चलाकर जान से मारने का प्रयास किया था। बड़ी मुस्तैदी से एक पुलिस अधिकारी ने बादल की जान को बचा लिया था। तत्काल उसे काबू कर लिया गया था।

उल्लेखनीय है कि चौड़ा के खिलाफ थाना कोतवाली में हत्या प्रयास का केस दर्ज किया गया है। पूर्व में उसके खिलाफ 31 से ऊपर अपराधिक मामले दर्ज हैं।

AAP की दूसरी लिस्ट, 17 विधायकों के टिकट काटे

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 17 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए गए हैं। 3 प्रत्याशियों की सीट बदली गई है। पूर्व डिप्टी CM मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। पहले वे पटपड़गंज से चुनाव लड़ते थे। AAP ने UPSC टीचर अवध ओझा को पटपड़गंज से उतारा है। ओझा ने 2 दिसंबर को ही पार्टी जॉइन की थी। चर्चित चेहरे में AAP ने तिमारपुर से मौजूदा विधायक दिलीप पांडेय का टिकट काट दिया है। उनकी जगह दो दिन पहले भाजपा से AAP में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया गया है। AAP की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया गया है। इनमें भाजपा के 3 और कांग्रेस के 3 चेहरे शामिल हैं। अब तक 31 प्रत्याशी घोषित, 24 के टिकट कटे AAP ने अब तक 31 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। 2020 चुनाव में 27 सीटों पर AAP जबकि 4 पर भाजपा के विधायक थे। AAP ने इस बार 27 विधायकों में से 24 के यानी 89% टिकट काट दिए हैं। AAP ने 3 विधायकों की सीट बदली है। वहीं, जिन चार सीटों पर पार्टी हारी थी, उनमें से दो पर पिछली बार हार चुके प्रत्याशी को ही दोबारा टिकट दिया है।

♦ मनीष सिसोदिया पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से लड़ेंगे, उनकी सीट अवध ओझा को दी

गुजरात के नवसारी में पार्किंग विवाद के बाद पथराव, दो पक्ष आमने-सामने हुए

एजेंसी, नवसारी

नवसारी में दो परिवारों के बीच पार्किंग को लेकर शुरू हुए विवाद ने रविवार रात तूल पकड़ लिया। दो पक्षों के लोग आमने सामने हो गए। इस दौरान पथराव शुरू हो गया। पथराव की घटना में एक महिला घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। आज हालात सामान्य हैं। शहर के दरगाह रोड के पास शेखनी गली में 7 दिसंबर की रात मयूरीबेन और पति विमलभाई पटेल के साथ अपने घर के पास खड़े थे। इसी बीच आजाद मोहल्ले में रहने वाला शाहनवाज भंडेरी बाइक से निकला और उसने विमल पटेल से अपनी गाड़ी हटाने के लिए कहा। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इस पर शाहनवाज ने मोबाइल फोन से अपने अन्य दोस्तों को बुला लिया।100-150 लोगों की भीड़ लाठी-डंडे और अन्य हथियार लेकर मौके पर पहुंची। उन्होंने विमल पटेल और उनकी पत्नी को गालियां देकर पीटने की धमकी दी। भीड़ ने वहां नारेबाजी की। इससे दोनों पक्षों के बीच तनाव पैदा हो गया। इस संबंध में सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट वायरल हुई। पुलिस ने मयूरीबेन और विमलभाई पटेल की शिकायत पर आरोपी शाहनवाज इकबाल शेख और रसीदाद समद को गिरफ्तार कर लिया।अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित की गईं हैं। 8 दिसंबर की रात पटेल दंपती का समर्थन करने वाली 200 लोगों की भीड़ ने नवसारी टाउन पुलिस स्टेशन पहुंची और दोषियो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। देर रात भीड़ राम मंदिर में एकत्र हुई और रामधुन का आयोजन किया। उधर, दरगाह रोड पर भी युवाओं की भीड़ जमा हो गई। दोनों पक्ष आमने सामने हुए तो पथराव शुरू हो गया। इसी बीच पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया। नवसारी SP सुशील अग्रवाल ने नागरिकों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस तैनात की गई है। पुलिस के साथ-साथ स्थानीय नेताओं ने लोगों से शांति बनाए रखने और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाले

नांदेड़ में 75 पोलिंग सेंटर पर VVPAT-EVM वोटों का वैरिफिकेशन

30 लोकसभा, 45 विधानसभा सीटों वाले बूथ पर जांच हुई

एजेंसी, छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र चुनाव में हार के बाद महाविकास अघाड़ी गठबंधन ने EVM में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। चुनाव प्रक्रिया में EVM की सत्यता को साबित करने के लिए चुनाव आयोग (EC) के निर्देश पर महाराष्ट्र के नांदेड़ में जिला प्रशासन ने 75 वीवीपैट मशीनों का EVM पर पड़े वोटों के साथ वैरिफिकेशन और मिलान किया। हालांकि दोनों के डेटा में कोई अंतर नहीं मिला। दरअसल महाराष्ट्र में नांदेड़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस को जीत और जिले की 6 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को हार मिली थी। इसके बाद EVM में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे थे। ऐसे पूरी हुई सत्यापन प्रक्रिया केंद्रों का चयन उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों और चुनाव पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में लॉटरी से किया। इसके बाद हर विधानसभा क्षेत्र की 5 VVPAT मशीनों की पर्चियों की गिनती की और EVM के वोटों से उनका मिलान किया गया। जिला कलेक्टर अभिजीत राउत ने बताया कि जिले के 75 केंद्रों, 30 लोकसभा और 45 विधानसभा के वोटों की गिनती में कोई गड़बड़ी नहीं है।

गिनती में कोई अंतर नहीं मिला

विधानसभा के इन केंद्रों पर हुआ वैरिफिकेशन हदगांव विधानसभा क्षेत्र में किनवट, वारुला, पलासा, वाटेगांव, कंजारा, रोडगी में केंद्र क्रमांक 151, भोकर विधानसभा क्षेत्र में जवाहर भवन, नंदा बुद्रुक, खड़की, रेनापुर, उत्तरी नांदेड़ में पिंपरी महिपाल, किशोरनगर, ब्रह्म सिंह नगर, इकरा उर्दू हाई इमरान कॉलोनी में स्कूल, हैदराबाद में NSW स्कूल, नांदेड़ दक्षिण में सफा उर्दू स्कूल, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, गांधी राष्ट्रीय हिंदी विद्यालय समेत अन्य केंद्रों पर वोटिंग का वैरिफिकेशन किया गया।

लोकसभा सीट के लिए इन केंद्रों पर हुई वोटों की गिनती: भोकर निर्वाचन क्षेत्र में अर्धपुर, नागापुर में केंद्र संख्या -161, मुखेड़ में केंद्र संख्या -2390, दौर में केंद्र संख्या 287, वाडी मुक्ताजी में केंद्र संख्या 321, नांदेड़ उत्तर में राष्ट्रमाता स्कूल, हेरिटेज इंग्लिश स्कूल, ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल, उर्दू स्कूल, कुदवईनगर में माध्यमिक विद्यालय, नांदेड़ दक्षिण में टिलरोड स्कूल नंबर-145, जी.पी. मुखेड़ निर्वाचन क्षेत्र में स्कूल, कुसुमताई स्कूल, श्रीरंगवाड़ी, उमरगा में केंद्र संख्या-107 पर वोटों का सत्यापन किया गया। 2024 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के वंसतराव चव्हाण ने नांदेड़ सीट से जीत हासिल की थी।

राहुल नार्वेकर निर्विरोध महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष बने

एजेंसी, मुंबई

भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर को 15वीं महाराष्ट्र विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। 1960 में राज्य के गठन के बाद से नार्वेकर विधानसभा स्पीकर पद पर दोबारा चुने जाने वाले दूसरे शख्स हैं। उनसे पहले बालासाहेब भारदे महाराष्ट्र विधानसभा में लगातार 2 बार अध्यक्ष चुने जाने वाले एकमात्र सदस्य थे। आखिरी दिन बाकी बचे विधायकों में से 4 ने शपथ ली। इनमें जयंत पाटिल और उनकी पार्टी के 3 और विधायक थे। शिवसेना के विलास भूमरे, शिवसेना (UBT) के वरुण सरदेसाई, मनोज जामसुतकर और NCP के शेखर निकम ने अभी तक शपथ नहीं ली है। हालांकि वे बाद में स्पीकर ऑफिस में शपथ ले सकते हैं। इधर, महाराष्ट्र विधानसभा के तीसरे और आखिरी दिन CM देवेंद्र फडणवीस विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। इस प्रस्ताव को शिवसेना विधायक उदय सामंत ने पेश किया था। इसके अलावा विधानसभा में 14 अध्यादेश भी पेश किए गए। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधन बाकी है। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से 21 दिसंबर तक नागपुर में किया जाएगा।

दिल्ली के 40 स्कूलों में बम की धमकी, मेल भेजकर मांगे 30 हजार डॉलर

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली के 40 स्कूलों को सोमवार सुबह ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल शामिल हैं। एहतियात के तौर पर सभी स्कूलों से बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि बम ब्लास्ट करने की धमकी DPS आरके पुरम को सुबह 7.06 बजे और जीडी गोयनका पश्चिम विहार को सुबह 6.15 बजे जबकि कुछ स्कूलों को कल रात मिली। इसके बाद पुलिस, डॉग स्क्वॉड, सर्चिंग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीमें वहां भेजी गईं। हालांकि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। धमकी ई-मेल के जरिए दी गई। मेल भेजने वाले ने बम विस्फोट न करने के बदले 30 हजार अमेरिकी डॉलर मांगे हैं। यह पहला मौका नहीं है, जब दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मई 2024 में भी 150 से ज्यादा स्कूलों में बम ब्लास्ट की धमकी से जुड़े ईमेल आए थे।

♦ डॉग-बम स्क्वॉड तलाशी में जुटे, बच्चों को घर भेजा

रविवार रात को भेजा गया मेल: पुलिस का कहना है कि कई स्कूलों को यह मेल 8 दिसंबर को रात करीब 11:38 बजे भेजा गया। इसमें लिखा है, 'मैंने इमारत के अंदर कई बम लगाए हैं। बम छोटे हैं और बहुत अच्छी तरह से छिपे हुए हैं। इससे इमारत को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा, लेकिन विस्फोट होने पर कई लोग घायल हो जाएंगे। आप लोग इसी लायक हैं।

ममता बोलीं- आप कब्जा करेंगे और हम बैठकर लॉलीपॉप खाएंगे

एजेंसी, कोलकाता

ममता बनर्जी ने सोमवार को बांग्लादेशी नेताओं के उस बयान का जवाब दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश का बंगाल, बिहार और ओडिशा पर अधिकार है। ममता ने कहा कि आपको क्या लगता है, आप हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे तो हम लोग लॉलीपॉप खाते रहेंगे? ममता ने पश्चिम बंगाल विधानसभा को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की कि वे बांग्लादेश में दिए जा रहे बयानों से परेशान न हों। उन्होंने जनता को यकीन दिलाया कि पश्चिम बंगाल हमेशा केंद्र के फैसले का समर्थन करेगा। ममता ने लोगों से कहा कि शांत रहें, स्वस्थ रहें और मन की शांति बनाए रखें। ममता बोलीं- सब मिलकर सुनिश्चित करें कि पश्चिम बंगाल के हालात और न बिगड़ें दरअसल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने हाल ही में एक पब्लिक मीटिंग में कहा था कि बांग्लादेश का बंगाल, ओडिशा और बिहार पर अधिकार है। इस पर ममता ने कहा कि हमारे राज्य में, इमाम तक ने बांग्लादेश में माइनॉरिटी पर हमलों और इन बयानों की आलोचना की है। हिंदू और मुस्लिम और बाकी सभी समुदाय की रगों में एक ही खून बह रहा है। हमें साथ मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि पश्चिम बंगाल के हालात खराब न हों। पश्चिम बंगाल देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां लोग हर जाति, पंथ और समुदाय के लोगों ने बांग्लादेश के हालात के खिलाफ प्रदर्शन किया। ममता बोलीं- मीडिया भी अपनी जिम्मेदारी समझे ममता ने अपने राजनीतिक विरोधियों समेत सभी लोगों से अपील कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे हालात बिगड़ें। उन्होंने मीडिया हाउसेस से भी बांग्लादेश के हालात पर कोई कमेंट करते समय जिम्मेदारी से बर्ताव करने को कहा।

ममता ने कहा कि पश्चिम बंगाल उत्तर प्रदेश नहीं है, जहां हम आपके टेलिकास्ट को बैन कर देंगे। लेकिन आप पश्चिम बंगाल और यहां के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर काम करें। अगर यहां हालात बिगड़ते हैं, तो इससे आपको कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ठीक ऐसे ही, अगर बांग्लादेश में हालात खराब होते हैं, तो वहां रह रहे हमारे रिश्तेदारों और दोस्तों पर असर पड़ेगा।

बांग्लादेशी नेताओं ने कहा था- बंगाल, बिहार और ओडिशा पर बांग्लादेश का अधिकार

इसलिए वहां के बारे में कुछ भी कहने से पहले संयम बरतें। ममता ने कहा- हम केंद्र सरकार की लाइन से इतर बात नहीं करेंगे ममता ने कहा कि हमारी सरकार और पार्टी (TMC) भारत के विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करेगा और केंद्र सरकार की लाइन से इतर कोई बात नहीं करेगी। हमारे देश के विदेश सचिव बातचीत के बांग्लादेश में हैं। इसलिए हमें उतना ही बोलना चाहिए जितनी जरूरत हो। हमें नतीजों का इंतजार करना चाहिए। हम सब जिम्मेदार नागरिक हैं। हमारा देश एक है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

शमी पूरी तरह फिट होने के बाद ही वापसी करें : रोहित

एजेंसी, एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की हार के बाद तेज गेंदबाज मो शमी को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि शमी जब भी चाहें टीम में शामिल हो सकते हैं पर मेरा मानना है कि उन्हें पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में शामिल होना चाहिये। टीम उनको शामिल करने को लेकर किसी तरह की जल्दबाजी नहीं चाहती है।

उन्होंने कहा, 'शमी की प्रगति पर लगातार हमारी नजरें हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते हुए, उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई थी। उस कारण से टेस्ट मैच खेलने के लिए वह जो तैयारी कर रहे हैं, उसको थोड़ा झटका लगा है। हम उनको लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि वापसी के बाद उन्हें फिर कोई समयस्या नहीं हो। इसलिए हम चाहते हैं कि वह पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में लौटें। हम यह भी बिल्कुल नहीं चाहते कि उन पर टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दबाव बनाया जाये। शमी की कमी इसलिए टीम को खल रही है क्योंकि पर्थ टेस्ट में बुमराह के कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कठिन हालातों परिस्थिति में भी वापसी करने में सफल रही थी पर एडिलेड टेस्ट में दूसरे गेंदबाज बुमराह के बनाये दबाव को आगे नहीं ले जा पाये। हैं।

आकाश दीप को मिल सकता है बचे हुए मैचों में अवसर

एजेंसी, एडीलेड

युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर क्रिकेट सीरीज के बचे हुए मुकाबलों में खेलने का अवसर मिल सकता है। आकाश दीप ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही प्रभावित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी है। आकाश दीप ने अपने टेस्ट करियर में कुल 10 विकेट लिए हैं, जिसमें से 8 बार उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाजों का शिकार किया है। ऐसे में वह ट्रेविस हेड सहित बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन सकते हैं। पिछले कुछ समय से हेड भारतीय टीम की हार के लिए जिम्मेदार रहे हैं फिर चाहते वह गत वर्ष हुए एक दिवसीय विश्वकप को लें या पिछल साल हुआ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल। इन दोनो में ही हेड ने बड़ी पारियां खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। इसके बाद भी भारतीय टीम अभी तक हेड के खिलाफ प्रभावी रणनीति नहीं बना पायी है। ऐसे में अगर अकाश दीप मैदान पर उतरते हैं तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर से काम का बोझ भी कम होगा।

हरभजन ने बुमराह को मैक्ग्रा, वाल्श और एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सराहना करते हुए उन्हें ग्लेन मैक्ग्रा , कोर्टनी वाल्श और कर्टली एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया है। हरभजन ने कहा कि कहा, बुमराह रन नहीं देते और विकेट पर गेंदबाजी करते हैं जिससे उनकी गेंबाजी खेलना काफी मुश्किल होता है। वह विरोधियों को रन बनाने के अवसर नहीं देते जिससेस बल्लेबाज उनके खिलाफ गलतियां कर देते हैं। उन्होंने कहा कि , मैकग्राथ, वॉल्श और कर्टली एम्ब्रोस भी कुछ ऐसे ही गेंदबाज थे। उन्होंने बहुत अधि विकेट लिए और बुमराह भी यही कर रहे हैं। विकेट लेने की उनकी क्षमता के कारण उनका स्ट्राइक रेट भी कम है. बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए दोनो ही मैच में अच्छी गेंदबाजी की। पहले टेस्ट में बुमराह ने कुल 8 विकेट लिए थे। उसी कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत दर्ज करने में सफल रही। वहीं दूसरे टेसट में भी बुमराह ने पहली पारी में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक 4 विकेट लिए थे। बुमराह इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा 52 विकेट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। वह इस प्रकार एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारत के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जहीर खान के नाम थी।

आसियान चैम्पियनशिप 2024: कंबोडिया और मलेशिया के बीच पहला मैच 2-2 से ड्रा

एजेंसी, नोम पेन्ह । कंबोडिया ने रविवार रात नोम पेन्ह के ओलंपिक स्टेडियम में 2024 आसियान चैम्पियनशिप ग्रुप ए के उद्घाटन फुटबॉल मैच में मलेशिया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। मलेशिया ने 35वें मिनट में मिडफील्डर स्टुअर्ट विल्किन के गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन कंबोडिया ने दूसरे हाफ में अब्देल कादर कूलिबली के गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद टाई सा ने कंबोडिया को एक घंटे के अंदर दूसरा गोल कर बढ़त दिला दी। हालांकि, 74वें मिनट में फर्गस टियरनी ने बराबरी का गोल करके मलेशिया को हार से बचाया। फीफा रैंकिंग में कंबोडिया 180वें स्थान पर है, जबकि मलेशिया 132वें स्थान पर है। 2024 आसियान चैंपियनशिप 5 जनवरी, 2025 तक चलेगी। कंबोडिया को मलेशिया, सिंगापुर, ईस्ट तिमोर और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सॉयर का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा

एजेंसी, वेलिंगटन। बेन सॉयर ने न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में दो साल के विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। नए सौदे के तहत सॉयर दिसंबर 2026 तक टीम के प्रभारी होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोमवार को उक्त पुष्टि की। सॉयर को पहली बार जून 2022 में नियुक्त किया गया था और उनके नेतृत्व में टीम ने इस साल अक्टूबर में पहली बार टी20 विश्व कप जीता। अब उनके पास 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बरकरार रखने का मौका होगा। सॉयर तब भी टीम की कमान संभालेंगे जब न्यूजीलैंड अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का प्रयास करेगा। एनजेडसी की महिला हाई परफॉरमेंस हेड लिज़ ग्रीन ने कहा, "बेन के अगले दो साल के लिए टीम में शामिल होने से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने इस समूह में बहुत अधिक विश्वास और भरोसा जगाया है और उन्हें अभी टीम में बनाए रखना बहुत बड़ी बात है, मौजूदा टीम और व्हाइट फ़र्न्स की दीर्घकालिक योजना दोनों के लिए। हमारे कई युवा खिलाड़ी जिन्होंने दो साल पहले बेन के पहले दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, वे अब बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

अगरकर के भरोसे पर खरे उतरे नितीश

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए ऑलराउंडर नितीश रेड्डी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अवसर दिया। उसको लेकर शुरुआत में जहां कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई ने इसे गलत बताया था। कुछ ने तो यहां तक कहा था कि शार्दुल ठाकुर जैसे अनुभवी ऑलराउंडर की जगह पर नितीश को शामिल कर गलती की गयी है। वहीं दूसरे टेस्ट के बाद ये साफ हो गया कि अगरकर की रणनीति सही थी। नितीश ने जिस प्रकार दोनो टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे साबित हुआ है कि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। नितीश ने दोनो ही मैच में दबाव के बीच भी बेखौफ होकर बल्लेबाजी की। नितीश और

हर्षित के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। चयन की चर्चा इसी बात पर केंद्रित रही कि दौरे पर आजिंग्य रहाणे और मोहम्मद शमी को भी जरुर होना चाहिए था। ये भी कहा गया कि नितीश और राणा का चयन आईपीएल में किये प्रदर्शन से प्रभावित होकर किया गया है। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तब नीतीश के चयन का समर्थन करते हुए कहा थाकि वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। वहीं नीतीश ने कहा था कि वह अवसर मिलने पर अपने को साबित करेंगे। वहीं राणा की बात करें तो उनकी गेंदों से मार्नस लैबुशेन जैसे बल्लेबाज भी बचने का प्रयास करते दिखे। पर्थ में आर अश्विन और रविंद्र जडेजा की जगह पर रेड्डी और राणा का चयन हुआ और दोनो ने ही अपनी प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया।

अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए मंगलवार से शुरु होगा प्रशिक्षण शिविर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर 10 दिसंबर मंगलवार से प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शुरु होगा। शिविर में देश भर से चुने गए 60 लड़कियों और 60 लड़कों को टीम भावना विकसित करने, कौशल बढ़ाने, मानसिक मजबूती, अनुशासन और टीम बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा इस शिविर में अनुभवी और नए युवा प्रतिभाशाली खिलाडियों को खेल विशेषज्ञों की ओर से पोल डाइविंग, टैपिंग, ज़िग ज़ैग रनिंग, डाजिंग टैपिंग आदि खो खो खेल की बारीकियां सिखाई जाएँगी। भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आज यहां बताया कि खो

खो विश्वकप से पहले राष्ट्रीय टीम की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है तथा इस प्रशिक्षण शिविर के प्रदर्शन के आधार पर खो खो विश्व कप में भाग लेने के लिए 15 लड़कों और 15 लड़कियों की राष्ट्रीय टीम का चयन किया जाएगा जोकि विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह शिविर 13 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाले खो खो विश्व कप के लिए उनकी अंतिम तैयारियों की शुरुआत है। भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच अश्विनी शर्मा की देखरेख में एक महीने तक यह फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर चलेगा। इसमें खिलाड़ियों की चपलता और तकनिकी पर फोकस होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में देशभर के पुरुष और महिला वर्ग दोनों के साठ साठ प्रतिभाशाली खिलाड़ी, अनुभवी और नए प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। जहाँ खिलाड़ी बिजली की तरह तेज रिफक्स, सटीक मूवमेंट और सहज समन्वय की तकनीक सीखेंगे। यह

शिविर खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में एक-दूसरे के साथ मिलकर कैसे मुकाबला जीता जाता है यह सीखने का अवसर प्रदान करेगा। कोच ने बताया कि विश्व कप के लिए अंतिम टीमों का चयन प्रशिक्षण शिविर के दौरान उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

महिला एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा : नेहा

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में ओडिशा वॉरियर्स की कप्तानी कर रहीं नेहा ने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए उद्घाटन एचआईएल को एक बड़ा मंच करार दिया। हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के साथ जीत हासिल करने के बाद, नेहा अब भारतीय हॉकी में इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए नई ऊर्जा और फोकस के साथ कप्तानी की भूमिका में कदम रख रही हैं। नेहा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "हम वर्षों से इस तरह के मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे, और अब जब यह अंततः यहाँ है, तो यह अवास्तविक लगता है। यह युवा लड़कियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है। यह लीग उन लोगों को भी प्रेरित करेगी जो इस सीज़न में आगे नहीं बढ़ पाए और उन्हें कड़ी मेहनत करने और अगले संस्करण के लिए लक्ष्य बनाने की प्रेरणा मिलेगी। मुझे विश्वास है कि एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा।'' ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नियुक्त की गईं नेहा नई जिम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा,"एक कप्तान के रूप में यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट है, और दबाव की भावना होने के बावजूद, मैं चुनौती को लेकर उत्साहित हूं। मैं कुछ समय तक भारतीय सेटअप का हिस्सा रही हूं, इसलिए मुझे पता है कि जरूरत पड़ने पर कैसे आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा नेतृत्व की भूमिकाएँ स्वीकार की हैं, चाहे वह अपने साथियों का मार्गदर्शन करना हो या मैदान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो। हमारी टीम अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी है, इसलिए मुझे उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरा लक्ष्य उदाहरण के साथ नेतृत्व करना और अपनी टीम में सर्वश्रेष्ठ लाना है।'' अपनी शादी सहित हालिया व्यक्तिगत मील के पत्थर के बावजूद, नेहा अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने पर केंद्रित है।

अबू धाबी ग्रांड प्रिक्स : भारतीय रेसिंग सनसनी कुश मैनी ने ऐतिहासिक फॉर्मूला 2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती

एजेंसी, अबू धाबी

कुश मैनी ने इस एफ2 सीज़न में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने इनविक्टा रेसिंग टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए एफ2 कंस्ट्रक्टर चैंपियनशिप जीत ली है। इसके साथ ही कुश जूनियर फॉर्मूला के शिखर पर एफआई कंस्ट्रक्टर्स वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय बन गए। इससे पहले कुश ने एफ2 पोल पोजीशन का दावा करने वाले पहले भारतीय बने थे। सीज़न के उतार-चढ़ाव के बावजूद, कुश ने इनविक्टा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, हंगरी में रेस जीत सहित पांच पोडियम हासिल किए। जेद्दा में उनकी पोल पोजीशन ने टीम के प्रभावी अभियान की नींव रखी, जिसका समापन कुश की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से उनकी जीत के रूप में हुआ। अंतिम दौड़ के लिए, मैनी ने अबू धाबी क्वालीफाइंग पी6 में एक ठोस क्वालीफाइंग दौर में प्रवेश किया और दोनों दौड़ में और भी बेहतर शुरुआत की।

उन्होंने अपनी पहली लैप में स्प्रिंट में 6 स्थान और पहली लैप में फीचर में 3 स्थान प्राप्त किए। हालाँकि, उनके फर्श पर कुछ क्षति ने उन्हें स्प्रिंट के लिए बैकफुट पर डाल दिया, जबकि रुके हुए पिटस्टॉप ने रविवार को फीचर रेस में सीज़न को उच्च स्तर पर खत्म करने की उनकी योजना में बाधा डाली। मैनी ने शानदार उपलब्धि के बाद कहा, "यह वह वर्ष नहीं है जब मैं चाहता था कि यह बताया जाए कि हमने कैसे शुरुआत की, लेकिन अभी भी कंस्ट्रक्टर्स चैम्पियनशिप में सहित बहुत सारी सकारात्मकताएं अपने साथ ले जाना बाकी है।

पैरा-एथलेटिक चैंपियनों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से रुनवाल रियल्टी करेगा 'ठाणे हाफ मैराथन' की मेजबानी

एजेंसी, मुंबई

मुंबई के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, रुनवाल रियल्टी, प्ले फ्री स्पोर्ट्स के सहयोग से, 15 दिसंबर, 2024 को ठाणे हाफ मैराथन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह दौड़ रुनवाल 25 आवर लाइफ, मानपाड़ा, ठाणे पश्चिम से शुरू होगी। आयोजन से प्राप्त आय सीधे तौर पर भारत के पैरा-एथलीट चैंपियनों को कृत्रिम पैर प्रदान करके, उन्हें बाधाओं को तोड़ने और चमकने के लिए सशक्त बनाकर सहायता करेगी।

दौड़ का आयोजन चार श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 1 मील में किया जाएगा। प्रतिभागियों को कई उपहार दिए जाएंगे, जिनमें ड्राई फिट टी-शर्ट, फिनिशर मेडल, नाश्ता और शीर्ष ब्रांडों के 1,000 से अधिक मूल्य के वाउचर शामिल हैं।

बोटाफोगो ने तीसरी बार जीता ब्राजीलियन सेरी ए खिताब

एजेंसी, रियो डी जेनेरियो

ग्रेगोर के अंतिम क्षणों में किये गये गोल की मदद से बोटाफोगो ने रविवार को साओ पाउलो को 2-1 से हराकर तीसरी बार ब्राजीलियन सेरी ए खिताब जीतकर 29 साल का इंतजार खत्म किया। बोटाफोगो के लिए मैच के 37वें मिनट में जेफर्सन सावारिनो ने पहला गोल किया, इसके बाद विलियम गोम्स ने 63वें मिनट में साओ पाउलो को लिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। ग्रेगोर ने 92वें मिनट में एक गलत डिफेंसिव पास का फायदा उठाते हुए गोल किया। रियो डी जेनेरियो के ओलंपिक स्टेडियम में हुए इस परिणाम का मतलब था कि बोटाफोगो ने 79 अंकों के साथ सीजन का समापन किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद पाल्मेरास से छह अंक आगे था। यह आठ दिनों में बोटाफोगो के लिए दूसरी बड़ी ट्रॉफी थी, इससे पहले रियो की टीम ने ब्यूनस आयर्स में कोपा लिबर्टाडोरेस फाइनल में एटलेटिको मिनेरो को 3-1 से हराया था। बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने कहा कि पिछले सीजन में मिली निराशा के बाद यह खिताब जीतना शानदार है। पिछली बार टीम ने पाल्मेरास से सीरी ए खिताब हारने के लिए 13 अंकों की बढ़त गंवा दी थी। पुर्तगाल के ब्रागा से अप्रैल में क्लब में शामिल हुए जॉर्ज ने स्पोर्टव से कहा, "मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि हमने इस सीजन में अपने लक्ष्य हासिल किए हैं, बल्कि इसलिए भी कि खिलाड़ियों ने पिछले साल बहुत कुछ झेला।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024

घर में लगाएं ये पौधे नहीं होंगे मच्छर

अक्सर घर को डेकोर करने के लिए कई तरह के पौधे लगाएं जाते हैं लेकिन कई बार इसलिए भी नहीं लगाते हैं क्योंकि मच्छर होने लगते हैं। हालांकि घर में पौधे लगाने से ताजगी बनी रहती है। फ्रेश ऑक्सीजन का प्रभाव घर में होता है। घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। लेकिन सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं है। तो आइए जानते हैं कि आप घर में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं जिससे मच्छर नहीं होंगे-

- **नीम-** इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से विभिन्न प्रकार के कीड़ें भाग जाते हैं। इसलिए आप इसे लगा सकते हैं। घर पर इसे लगाते हैं तो कई सारे फायदे भी आपको मिलते रहेंगे।
- **मिंट-** मिंट की खूशबू ही बहुत अच्छी होती है। इसमें मौजूद गुण मच्छरों और मक्खियों को दूर भगाते हैं। इस पौधे को आप घर में कहीं भी लगा सकते हैं। इसकी खूशबू से ताजगी बनी रहती है।
- **यूक्लेप्टस-** इसमें मौजूद तत्व कई मच्छर, मक्खी और कीड़ों के दुश्मन है। इसलिए आप यह पेड़ आसानी से लगा सकती है।
- **लेमन ग्रास-** इस पौधे में मौजूद गुण सिस्ट्रोनेला ग्रास की नस्ल की तरह है। इससे यह पौधा मच्छर भगाने में मदद करता है। साथ ही इसका उपयोग खाने में और चाय बनाने में भी किया जाता है। जी हां, इसकी चाय पीना काफी पसंद करते हैं।
- **तुलसी-** तुलसी का पौधा आंगन में लगाया जाता है। यह घर की समृद्धि में अहम है तो मनुष्य के स्वास्थ्य में लाभदायक। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण मच्छरों को दूर भगाता है। इतना ही नहीं इसकी खूशबू से चींटिया और छोटे-मोटे कीड़ें भी आसपास नहीं आते हैं।

नए रिश्ते की शुरूआत में गलतफहमियों से बचें

जब एक जोड़ा शादी के बंधन में बंधता है तो उसके मन में एक अजीब सा उत्साह होता है। अपने नए रिश्ते और जीवन में आए बदलाव को लेकर बहुत सी खुशियां व सपने उसकी आंखों में होते हैं। इतना ही नहीं, अपने पार्टनर को लेकर एक छवि पहले से ही उनके मन में होती है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इसी अति उत्साह के चलते वह कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उनके रिश्ते पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कभी-कभी तो यही गलतियां उनके रिश्ते की शुरूआत में ही उनके बीच समस्या पैदा कर देती हैं। जिसकी भरपाई बाद में भी कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर नए रिश्ते की शुरूआत में ही गलतफहमियां या खटास आ जाए तो ऐसे में ताउम्र उनके बीच खींच-तान बनी रहती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें किसी भी कपल को शादी के बाद शुरूआती दिनों में करने से बचना चाहिए-

परफेक्शन की चाहत रखना

हो सकता है कि आपको हर काम सलीके से करने की आदत हो या फिर आप एक आर्गेनाइज्ड जीवन जीना पसंद करते हों। लेकिन आपके पार्टनर का भी स्वभाव ऐसा ही हो, यह जरूरी नहीं है। आपको यह समझना होगा कि आपके और आपके पार्टनर दोनों अलग माहौल में पले-बढ़े हैं और दोनों का स्वभाव अलग है। इसलिए, शादी के तुरंत बाद ही अपने पार्टनर से परफेक्शन की चाहत रखना या फिर उसे अपने ही सांचे में ढालने का प्रयास करना आपके बीच तनाव पैदा कर सकता है। बेहतर होगा कि आप दोनों ही पहले एक-दूसरे के स्वभाव, आदतों व रहन-सहन को समझें और फिर उसके बाद तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

जरूरत से ज्यादा उम्मीदें करना

यह भी एक ऐसी मिसटेक है, जो शादी के बाद कपल्स में देखी जाती है। दरअसल, कपल्स की शादी के बाद अपने पार्टनर से उम्मीदें काफी हद तक बढ़ जाती हैं। वह सोचते हैं कि पार्टनर हर दिन उन्हें बाहर लेकर जाएगा या फिर वह ढेर सारा वक्त साथ बिताएंगे या फिर उनका पार्टनर उन्हें तरह-तरह के तोहफे देगा। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के लिए हर दिन ऐसा करना संभव नहीं होता है, जिससे समस्या होती है। वहीं, अगर कोई व्यक्ति अपने पार्टनर के लिए ऐसा करता भी है, तो भी बाद में उनके रिश्ते में खटास आ जाती है। दरअसल, एक समय के बाद व्यक्ति अपने रोजमर्रा की लाइफ जीने लगता है और फिर पार्टनर को उतना पैम्पर नहीं कर पाता है, जिससे उनके बीच झगड़े बढ़ते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि शादी के शुरूआती दिनों में ही आप अपनी फाइनेंशियल कंडीशन से लेकर काम की व्यस्तताओं और स्वभाव के बारे में अपने पार्टनर से चर्चा करें।

परिवार के बीच बैलेंस ना कर पाना

अक्सर यह देखने में आता है कि व्यक्ति शादी के बाद भी पहले की तरह ही अपना जीवन बिताने की कोशिश करता है, जिससे उसके पार्टनर को उपेक्षित महसूस होता है और संबंधों में खटास महसूस होती है। यहां आपको यह समझना चाहिए कि एक सिंगल व्यक्ति के रूप में और कपल के रूप में आपकी प्राथमिकताएं अलग होती है। आपको शादी के बाद अपने परिवार व पार्टनर के बीच बैलेंस करना बेहद आवश्यक है। इस समय आपकी पहली प्राथमिकता आपका जीवनसाथी और नया जीवन है जिसे आपको अभी संवारना है। हालांकि, यहां इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपने परिवार को बिल्कुल अनेदखा कर दें। बस आपको अपने पार्टनर को कुछ वक्त अलग से देने की आवश्यकता होगी, जो सिर्फ आप दोनों के लिए ही हो।

पुरानी मैगजीन की मदद से किचन की सजावट के लिए बनाएं ये चीजें

आजकल लोग अपने घर में ओपन किचन थीम रखना पसंद करते है। इससे आपके हॉल में बैठा गेस्ट आपके किचन को देख सकता है। अगर आप भी अपने किचन की सजावट करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे पुरानी मैगजीन की सहायता से अपने किचन की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

वॉल डेकोर

कीचन की सजावट करने के लिए आपको सबसे पहले किचन के वॉल को सजाना होगा। अगर आपका वॉल डेकोर नहीं होगा तो यह आपके घर के लुक को फीका कर सकता है। ऐसे में आपको पुराने कार्ड बोर्ड की जरूरत होगी और ग्लू की भी। आपको मैगजीन से तीन स्क्वायर शेप का पेपर कट करना होगा। इसे पुराने कार्ड बोर्ड पर चिपका देना है। अब आप इसे अपने कीचन के वॉलपेपर हैंग कर सकते हैं। इससे आपके कीचन का वॉल खराब भी नहीं होगा और यह देखने में खूबसूरत भी लगेगा।

वॉल पर करें पेंटिंग

अगर आपको पेंटिंग करने का शोक है तो आपको अपने घर के वॉल पर पेंटिंग करना चाहिए। जी हां, आप वाटर कलर की मदद से अपने कीचन के दीवार पर कुछ खास पीने का चित्र तैयार कर सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। वाटर कलर की मदद से आपको कुछ फल या सब्जी का फोटो बना दे। इसके बाद आपको मिरर फ्रेम तैयार करना चाहिए। इसके लिए आपको पुराना फ्रेम लेना है और उसमें मैगजीन को काटकर फोटो की तरह लगा देना है। साइज का ध्यान जरूर रखें। इसके बाद आपका वॉल बनकर तैयार हो गया है।

वॉल डेकोर के लिए फूल बनाएं

अगर आपको एक्स्ट्रा एक्टिविटी करना है तो आपको अपने वॉल डेकोर के लिए दीवार पर फूल बनाना होगा। यह देखने में खूबसूरत लगता है और इसे आप चाहे तो पुरानी मैगजीन की मदद से बना सकती है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको कुछ मैगजीन के पन्ने को काटना होगा। फिर इसकी मदद से आपको फूल बनाना होगा। इसे अलग- अलग जगह आप ग्लू की मदद से चिपका सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

दूसरों से बात करने में होती है हिचकिचाहट तो अपनाएं ये टिप्स

आज के दौर में बहुत ज्यादा हिचकिचाहट निजी लाइफ और करियर के लिए गंभीर समस्या है, जब हम किसी से भी बातचीत करते हैं और बोलते समय हिचकिचाते हैं, तो हमारी इमेज खराब होने का डर रहता है और हम अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। साथ ही, सबसे पहले हमें समझना होगा कि हिचकिचाहट क्या होती है? जब हम किसी से बात करते हैं और उनके सवालों का जवाब जानते हुए भी जवाब नहीं दे पाते हैं या गलत जवाब के डर से चुपचाप रहते हैं तो उसे हिचकिचाहट कहते हैं। ये समस्या कई लोगों में होती है, जिसका नतीजा होता है कि हमारे हक की चीजें किसी दूसरे को मिल जाती हैं और हम सोच-सोचकर परेशान होते रहते हैं कि क्या करना चाहिए। अगर आपको भी दूसरों से बोलने में हिचकिचाहट होती है तो घबराएं नहीं, हम आपके के लिए इस आर्टिकल कुछ ऐसे टिप्स लाएं है, जिसको फॉलो कर आप अपनी समस्या को दूर कर पाएंगे।

खुद पर करें विश्वास

हिचकिचाहट को दूर करने के लिए सबसे जरूरी है कि खुद पर विश्वास करना। अगर आपको किसी से बात करने की जरूरत है तो आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप कैसे बात करेंगा? जवाब में क्या आएगा और वो आपके बारे में क्या सोचेंगे? आपको अपने आप पर विश्वास रखना चाहिए और डर पर काबू पाकर खुद को भरोसा दिलाएं कि आप अपनी बात दूसरों के सामने अच्छी तरीके से रख पाएंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बना रहेगा।

जानकारी प्राप्त करें

जब हम किसी से बात करते हैं तो हिचकिचाहट सबसे ज्यादा उस समय पैदा होती है, जब बातचीत के दौरान हमारे पास उस विषय के बारे में जानकारी की कमी होती है। इसलिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़नी चाहिए। याद रखें कि जिस भी विषय पर आप बात करने वाले हैं, उस पर ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटा लें, जिससे आपको अपनी बात रखने में हिचकिचाहट नहीं होगी।

हमेशा प्रैक्टिस करें

हर काम को सही तरीके करने के लिए प्रैक्टिस बहुत जरूरी होती है, जिससे आपका हुनर निखरता है। इसी तरह हिचकिचाहट को दूर करने के लिए बोलने की प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, लेकिन सवाल उठता है कि इस भागदौड़ वाली जिंदगी में किस के साथ बातचीत करें? तो आप शीशे के सामने खड़े होकर सोचें की शीशे के सामने कोई खड़ा है और ज्यादा से ज्यादा रोज बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। जिससे आपको कुछ दिनों में महसूस होगा कि आप अपनी बात दूसरे के सामने आसानी से रख पा रहे हैं।

चेहरे पर मुस्कान रखें

चेहरे पर मुस्कान रखना जीवन शैली में जरूरी है, क्योंकि इसका असर हमारी बातचीत पर पड़ता है। अगर आप किसी से बातचीत कर रहे हैं तो चेहरे पर मुस्कान रखें। जिससे आप बिना हिचकिचाहट के आसानी से बात कंप्लीट कर लेंगे। चेहरे पर मुस्कान से मानसिक तनाव कम होने के साथ-साथ आपके अंदर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

पॉजिटिव सोच

पॉजिटिव सोचना जीवन में बहुत जरूरी होता है, क्योंकि पॉजिटिव सोचने से आत्मविश्वास बढ़ता है, यही कारण है कि आप धीरे-धीरे खुद बात करने में माहिर होने लगते हैं। अगर आप पॉजिटिव सोच रखते है तो आपको नर्वस फील नहीं होगा और बिना हिचकिचाहट के दूसरे के आसानी के बात रख सकते हैं। और आप खुद में बदलाव देखेंगे कि किसी सोशल मौके पर आपको घबराहट नहीं हो रही है। अगर आपको बोलते समय हिचकिचाहट होती है तो ये टिप्स को फॉलो करने की कोशिश करें और अगर फिर भी समस्या होती है तो किसी एक्सपर्ट से बात जरूर करें।

फेमस होने के लिए लड़ते हैं गुस्सैल बच्चे

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि बच्चे समूह में अपनी स्थिति को मजबूत करने और अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए सहपाठियों के साथ अक्सर लड़ाई-झगड़े करते हैं। इस अध्ययन के निष्कर्ष में प्रकाशित हुए हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला है कि छात्रों की आक्रामकता और उनकी लोकप्रियता में वृद्धि के एक साथ जुड़े थे। विशेष रूप से उन बच्चों के लिए जिनकी साथियों के साथ लगातार असहमति की सूचना थी। एफएयू के चार्ल्स ई.श्मिट कॉलेज में मनोविज्ञान के वरिष्ठ लेखक और प्रोफेसर ब्रेट लॉरसन ने कहा, हालांकि हमें लगता है कि यह संभावना नहीं है कि केवल विवाद ही लोकप्रियता का आधार है। इसके पीछे और भी कारण होते हैं,लेकिन विवाद के पीछे लोकप्रिय होने की सोच भी काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, आक्रामक बच्चे जो अक्सर लड़ते हैं, उन्हें हमेशा जबरदस्ती सहारा लेने की आवश्यकता नहीं होती है। उनका केवल अप्रिय व्यवहार की संभावना दूसरे छात्रों को उनकी बात मानने पर मजबूर कर देता है। यह अध्ययन फ्लोरिडा के आठ से 12 वर्ष की आयु वाले प्रतिभागियों के बीच किया गया, जो एक प्राथमिक विद्यालय में भाग ले रहे थे। शोधकर्ताओं ने कहा, गुस्सैल बच्चों के लिए उनका व्यवहार समूहों में काफी प्रभावकारी होता है। ऐसे बच्चों की बात को मना करने के लिए अन्य बच्चे जोखिम नहीं उठाना चाहते क्योंकि उन्हें बुरे परिणाम की संभावना होती है। शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह एक प्रभावी उपकरण हो सकता है, जो विशिष्ट विशेषताओं को बढ़ाता है। ब्रेट ने कहा, हम यह दावा नहीं करते हैं कि इस तरह से इस्तेमाल की गई रणनीति हमेशा भलाई के लिए एक स्वस्थ मार्ग प्रस्तुत करते हैं। बल्कि संघर्ष के परिणाम संदर्भ, उद्देश्यों और इसे प्रबंधित करने के तरीकों पर निर्भर करते हैं। हम दावा करते हैं कि असहमति एक कुशल सामाजिक रणनीति हो सकती है, जो प्रभुत्व में जबरदस्ती के निहित खतरे का लाभ उठाती है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

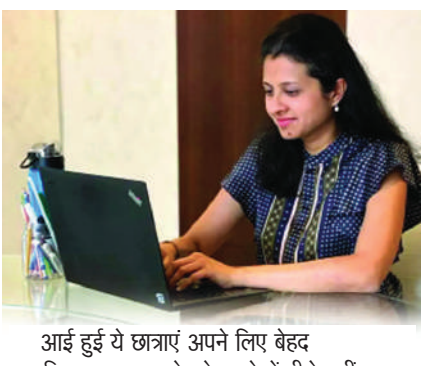

आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

शाहरुख खान और सलमान खान के साथ फिल्म करना चाहते हैं आमिर खान

शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान को उनके प्रशंसक एक साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखना चाहते हैं। आमिर खान ने अपने एक इंटरव्यू के बारे में बात की। आमिर ने दोनों अभिनेताओं के साथ लगभग छह महीने पहले एक साथ फिल्म करने के बारे में हुई बातचीत को साझा किया और कहा कि वे सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे हैं।

एक साथ नजर आ सकते हैं तीनों खान

आमिर खान ने इस बारे में की बात में कहा, ठीक है, लगभग छह महीने पहले, शाहरुख, सलमान और मैं एक साथ थे और हमने इस बारे में बात की थी। वास्तव में, मैं ही वह व्यक्ति था जिसने इस मुद्दे को उठाया। मैंने शाहरुख और सलमान से कहा कि अगर हम तीनों एक साथ फिल्म नहीं करते हैं तो यह वास्तव में दुखद होगा।

सलमान और शाहरुख के साथ करना है काम

आमिर खान ने कहा, मुझे लगता है सलमान खान और शाहरुख खान इस प्रस्ताव को मान चुके हैं। उन्हें भी लगा कि जरूर हमें करना चाहिए। हालांकि, इसके लिए हमें एक अच्छी कहानी चाहिए। हमें एक अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार है, हालांकि हम तीनों भी काम करने के लिए उत्साहित हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में बोले आमिर

ऐसा पहली बार हुआ जब आमिर खान ने शाहरुख खान और सलमान खान के साथ काम करने की बात की। हाल ही में द ग्रेट इंडियन कपिल शो में भी आमिर खान ने कहा था कि आपकी और मेरी थिंकिंग बिल्कुल सेम है। मैं हाल ही में शाहरुख खान और सलमान खान से मिला।

दर्शकों के लिए कही ये बात

हम तीनों एक ही इंडस्ट्री में इतने सालों से हैं और ये ऑडियंस के लिए काफी गलत हो जाएगी की करियर के इस दौरान अगर हम साथ में एक फिल्म न करें, एक फिल्म तो बनती है। अगर हमने साथ में फिल्म नहीं की तो ये प्रशंसकों के लिए भी ठीक नहीं रहेगा।

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने इसलिए नहीं चुना अभिनय का करियर

आमिर खान की बेटी आयरा खान अपनी शादी के बाद से काफी चर्चा में हैं। आयरा ने अब अपने करियर को लेकर बात की है। आयरा ने बताया कि वे फिल्म में कभी आना ही नहीं चाहती थीं। आयरा खान ने अपने और अपने गैर-लाभकारी मानसिक स्वास्थ्य संगठन के बारे में जवाब दिए। साथ ही बताया कि उन्होंने अभिनय को करियर के रूप में क्यों नहीं चुना। आमिर खान की बेटी ने कहा, क्योंकि जब आप छोटे होते हैं और कोई आपसे कहता है आपको अभिनेता बनना चाहिए, न?, तो आप कुछ भी करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है, इसलिए साबित करें कि आप कूल हैं और किसी ऐसे व्यक्ति के पास नहीं जा रहे हैं जो अभिनेता बनना चाहता है। आयरा ने कहा कि उनके अनुसार अभिनेता बनना आसान या मजेदार नहीं है। आयरा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य रोगियों के साथ काम करना कैसा लगता है क्या उन्हें भी मानसिक कष्टों से गुजरना पड़ता है। इस पर आयरा ने जवाब दिया, रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। आयरा ने कहा, रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।

आमिर खान भी करते हैं बात

आमिर खान और आयरा अक्सर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के बारे में बात करते रहते हैं। इस बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करते रहे हैं। आमिर खान ने कहा, वह अपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए अपनी बेटी के साथ संयुक्त थेरेपी सत्र ले रहे हैं। आमिर ने बताया कि यह उनकी बेटी ही थी जिसने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया और वह अपने जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव देख सकते हैं।

शादी के बाद कुछ यूं जिंदगी बिताना चाहते हैं नागा चैतन्य

अभिनेता नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने 4 दिसंबर को पारंपरिक तरीके से हैदराबाद में शादी की। इस दौरान अक्किनेनी परिवार के करीबी दोस्त, रिश्तेदार और फिल्म इंडस्ट्री के कुछ मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। शादी के बाद शुक्रवार को कपल ने आंध्र प्रदेश में श्री भ्रामराम्बा समिता मल्लिकार्जुन स्वामी देवस्थानम मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस बीच नागा चैतन्य अमेजन प्राइम वीडियो के 'द राणा दग्गुबाती शो' के अगले एपिसोड में भी नजर आने वाले हैं। इसके ट्रेलर में अभिनेता को अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि वह शादी के बाद कैसी जिंदगी जीना चाहते हैं?

शादी के बाद कैसी जिंदगी जीना चाहते हैं नागा?

चैट शो में नागा चैतन्य को अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए देखा गया। नागा ने कहा, जब मैं 50 साल का हो जाऊंगा, तो मैं दो बच्चों के साथ खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जीना चाहता हूं, शायद एक या दो। मैं उन्हें रेसिंग और गो-कार्टिंग के लिए ले जाना पसंद करूंगा और अपने बचपन के खास पलों को फिर से जीना चाहूंगा।

साई पल्लवी के साथ काम करने में घबराते हैं नागा

राणा दग्गुबती के इस चैट शो में अभिनेता ने साई पल्लवी के साथ काम करने के अनुभवों को भी साझा किया। वह साई के साथ आगामी फिल्म थंडेल में दिखाई देंगे। इससे पहले भी वह साई के साथ काम कर चुके हैं। अभिनेता ने कहा, मैं उनके (साई पल्लवी) साथ अभिनय और नृत्य करते हुए बहुत घबरा जाता हूं।

विशाल भारद्वाज की फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे शाहिद कपूर-तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर पहली बार एक साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। दोनों सितारे विशाल भारद्वाज की एक्शन फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे। अभिनेत्री ने विशाल की यह फिल्म साइन की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का प्री-प्रोडक्शन पहले से ही चल रहा है और यह फिल्म 6 जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने वाली है। कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए एक बड़ा स्टूडियो बनाया गया है, जो इसके विजन को पूरा करने में मदद करेगा। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की इस फिल्म के लिए एक भव्य सेट का निर्माण किया जा रहा है। यह फिल्म स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। निर्माताओं की कोशिश है कि इस फिल्म की शूटिंग को जल्द पूरा करके इसे 2025 में ही एक भव्य रिलीज दिया जाए। तृप्ति डिमरी का यह साल काफी शानदार गुजरा। वह अपनी फिल्मों के चलते लगातार ट्रेंड में रहीं। अभिनेत्री ने समीक्षकों और दर्शकों की भी सराहना प्राप्त की। अब वह वर्ष 2025 के लिए कमर कस रही हैं। उनके प्रभावशाली प्रदर्शनों ने उन्हें 'आईएमडीबी' की शीर्ष-रेटेड अभिनेत्रियों में भी स्थान दिलाया है। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने इस साल कई शानदार फिल्में दी। उन्होंने 2024 की शुरुआत कई थिएट्रिकल हिट के साथ की, जिसमें 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो', 'बैड न्यूज' और 'भूल भुलैया 3' शामिल है। अब वह शाहिद कपूर के साथ आगामी फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' से दिल जीतने को तैयार हैं।

जितना सम्मान एक पुरुष अभिनेता को मिलता है, उतना ही महिला अभिनेत्री को भी मिलना चाहिए

अनन्या पांडे को आज इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी फिल्मों और भूमिकाओं से सभी का दिल जीत लिया है। हाल ही में, अनन्या ने वेतन समानता पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी अपने पुरुष अभिनेता की फीस के बारे में नहीं पूछा। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया कि जब उन्होंने उन्हें मिलने वाली फीस सुनी तो वह चौंक गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे ने फीस समानता को लेकर अपने विचार साझा किए और बताया कि ना केवल फीस के मामले में बल्कि फिल्म सेट पर महिलाओं की बाकी चीजों को लेकर भी प्रगति हुई है, लेकिन उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री ने एक लंबा सफर तय किया है। अनन्या ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि तब सेट पर महिलाएं कम होती थीं, लेकिन अब सामान्य तौर पर उनकी संख्या काफी अधिक है। अनन्या पांडे ने कहा, अगर किसी पुरुष को मुझसे बेहतर कार सिर्फ इसलिए मिल रही है क्योंकि वह एक पुरुष है, तो यह गलत है। अनन्या ने इस बात पर जोर दिया कि वह पुरुष अभिनेताओं की फीस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही थी, क्योंकि उन्हें उनकी कमाई के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी। हालांकि वह कभी-कभी जो आंकड़े सुनती थीं, उससे वह अक्सर चौंक जाया करती थीं। अनन्या ने इस बात का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि जब लिंग-आधारित असमानताओं की बात आती है, जैसे कि किसी पुरुष अभिनेता को आज भी बेहतर विशेषाधिकार प्राप्त हैं। आग अनन्या ने कहा कैसे किसी पुरुष को बड़ा कमरा या बेहतर कार दी जा सकती है, जिसे वह समझ सकती हैं। शायद यह अभिनेता के मान की वजह से किया जाता है, लेकिन उनका मानना है कि अभिनेत्रियों को भी ऐसा ही व्यवहार मिलना चाहिए। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं की फीस के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अनुचित व्यवहार के खिलाफ मजबूती से खड़ी हैं। अनन्या का मानना है कि जितना सम्मान एक पुरुष अभिनेता को मिलता है, उतना ही सम्मान एक महिला अभिनेत्री को भी मिलना चाहिए। अनन्या ने आगे कहा कि अगर इसका मतलब बदलाव लाने और सही के लिए खड़े होने में मदद करना है तो वह बॉसी के रूप में पहचाने जाने के लिए तैयार हैं।

काम की बात करें तो अनन्या पांडे के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, जिसमें कॉल मी बे का दूसरा सीजन भी शामिल है। वह धर्मा प्रोडक्शन की चांद मेरा दिल में लक्ष्य के साथ नजर आएंगी और अक्षय कुमार और आर. माधवन के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में भी नजर आएंगी।

'औरों में कहां दम था' फ्लॉप होगी, मुझे पहले से पता था

फिल्म 'ए वेडनेसडे' के लिए नवोदित निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाले नीरज पांडे इन दिनों खूब प्रयोग कर रहे हैं। नीरज हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा निर्देशकों में भी शामिल रहे जिनकी फिल्में लोगों ने सिर्फ उनके नाम की वजह से देखीं। बहुत ही बेबाक किस्म के फिल्मकार रहे नीरज अपनी फिल्मों की आलोचनाओं से भी कतराते नहीं है। सिनेमाघरों में रिलीज उनकी पिछली फिल्म 'औरों में कहां दम था' फ्लॉप रही, उनकी नई फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई।

ऐसा कैसे होता है कि कोई फिल्म ट्रेलर में बेहतरीन नजर आती है और लोग उसे देखने के लिए उत्सुक भी हो जाते हैं, कितनी मेहनत से बनाया आपने 'सिकंदर का मुकद्दर' का ट्रेलर?

सच ये है कि ये ट्रेलर मैंने एडिट नहीं किया। ये मेरी टीम का काम है। ऋषि नाम के हमारे एक सहकर्मी हैं, जिन्होंने इसे एडिट किया है। आज की तारीख में सारी चीजें फिल्म और दर्शकों के बीच के पहले संवाद पर टिकी होती हैं। ये पहला संवाद ट्रेलर की शक्ल में होता है। ट्रेलर देखकर ही लोग तय करते हैं कि वे सिनेमाघर जाएं या फिल्म के ओटीटी पर आने का इंतजार करें।

फिल्म 'औरों में कहां दम था' के तुरंत बाद 'मुकद्दर का सिकंदर' रिलीज हुई है, दोनों पर साथ साथ काम चल रहा था?

नहीं 'मुकद्दर का सिकंदर' की यात्रा काफी लंबी रही है। इस पर काफी समय से काम चल रहा था। फिर बीते साल दिसंबर में हमने तय किया कि ये फिल्म बनानी है। मार्च में इसकी शूटिंग पूरी की और अब फिल्म आपके सामने हैं। उस समय 'औरों में

'औरों में कहां दम था' की बात चल निकली है तो इसके परिणाम के बारे में क्या कहना चाहेंगे? कोई फिल्म सिनेमाघरों में पहले सप्ताहांत पर नहीं चलती है तो क्या फिर भी उम्मीद बनी रहती है कि हो सकता है दर्शक आ जाएं...?

फिल्म 'औरों में कहां दम था' सिनेमाघरों में नहीं चलेगी, ये मुझे इसकी रिलीज से पहले ही पता चल गया था। इसकी रिलीज डेट तीन बार हिली थी। फिल्म तो काफी पहले से तैयार थी, लेकिन हमें लोगों ने इसकी रिलीज डेट को लेकर भ्रमित कर दिया।

बतौर निर्देशक आपकी बात फिल्म की रिलीज डेट को लेकर नहीं सुनी जाती?

बतौर किसी फिल्म का निर्देशक किसी फिल्म की रिलीज की तारीख में मेरा बस इतना हक बनता है कि मैं इसके निर्माताओं को सावधान कर सकूं। उन्हें बता सकूं कि आप अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार रहे हैं। उसके बाद ये किसी और का फैसला हो जाता है। उनका फैसला हो जाता है जिन्होंने इस फिल्म में पैसा लगाया है। जब भी कोई फिल्म अपनी तय रिलीज डेट से खिसकती है, तो ये बड़ा अपशकुन होता है। मेरे हिसाब से तो ये अंत की शुरूआत होती है।

और, अविनाश तिवारी को फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' में बतौर नायक लेने के पीछे...

ना, ना, ना, अविनाश तिवारी इस फिल्म के नायक नहीं है। ये एक कलाकारों का समूह है (ऑनसॉम्बल कास्ट) जिसने एक साथ काम किया है। फिल्म में कोई नायक या प्रतिनायक नहीं है।

आपकी किसी फिल्म में आपके अलावा किसी दूसरे लेखक को क्रेडिट मिलना भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं..

हां, मैंने विपुल (रावल) के साथ मिलकर ये फिल्म लिखी है। पटकथा और संवाद हमने मिलकर लिखे हैं, इस फिल्म के। विपुल ने इसके पहले हमारे लिए 'रुस्तम' लिखी थी, लेकिन उसे मैंने नहीं टीनू ने निर्देशित किया था। वह हमारे साथ काफी अरसे से काम कर रहे हैं और ये पहली बार है कि मैंने उनके साथ मिलकर कोई फिल्म लिखी है।

और, 'औरों में कहां दम था' की तरह ही 'सिकंदर का मुकद्दर' भी दो अलग अलग काल खंडों की कहानी है?

वहां 24 साल का अंतर है और वह रिश्तों की कहानी है। यहां 15 साल की कहानी है और ये डकैती की कहानी है। दोनों में कोई समानता नहीं है।

तो जैसे आपने अविनाश तिवारी के कंधे पर हाथ रखा और उन्हें ओटीटी में लॉन्च किया, वैसे ही कोई और सितारा है जिसे लॉन्च करने की तैयारी है? या किसी नए निर्देशक के साथ आपकी कंपनी कोई फिल्म बनने जा रही हो?

अविनाश पहले से काम करते आ रहे हैं। 'लैला मजनू' में उनकी लॉन्चिंग हुई। हां, ओटीटी सीरीज पर हम उन्हें लेकर आए। अगर मैं गलत नहीं हूं तो यही उनकी पहली वेब सीरीज थी। नए लोगों के साथ हम काम करते रहते हैं, हालांकि इससे हमारे कारोबारी भागीदार थोड़ा असहज भी होते हैं।